नासिरा प्रेस

मालवीयनगर-गोण्डा

मो0-9236750993

हमारे यहां शादी कार्ड, मुण्डन कार्ड, हैण्डबिल, पोस्टर, स्टीकर आदि की छपाई उचित दर पर होती है।

एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें।

देवीपाटन मण्डल का प्रथम हिन्दी दैनिक

त्रिगुट

8.5 फीट ऊंची होगी रामलला की मूर्ति

अयोध्या (ईएमएस)। राममंदिर निर्माण के साथ रामलला की मूर्ति निर्माण का कार्य भी तेज कर दिया है। राममंदिर में रामलला के दो विग्रह स्थापित किए जाएंगे। एक विग्रह की स्थापना चल मूर्ति के रूप में तो दूसरे विग्रह की स्थापना अचल मूर्ति के रूप में होगी। विराजमान रामलला चल मूर्ति के रूप में पूजित-प्रतिष्ठित होंगे जबकि अचल मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जानी है। अचल मूर्ति की कुल ऊंचाई 8.5 फीट होगी। इसका निर्माण कार्य चल रहा है, जो इसी माह पूरा हो जाएगा। रामलला की अचल मूर्ति रामसेवकपुरम में तैयार हो रही है। कर्नाटक व राजस्थान के तीन मूर्तिकार तीन मूर्तियां बना रहे हैं। इनमें से सर्वोत्तम को भूतल यानि गर्भगृह में प्राण प्रतिष्ठित किया जाएगा। शेष दोनों मूर्तियां प्रथम तल व द्वितीय तल में स्थापित किए जाने की योजना है। अचल मूर्ति की ऊंचाई 52 इंच होगी। फाउंडेशन समेत मूर्ति की कुल ऊंचाई 8.5 फीट हो जाएगी। राममंदिर के ट्रस्टी डॉ अनिल मिश्र ने बताया कि बालक होने के बाद भी धनुष रामलला की पहचान है।

गोण्डा बुधवार 11 अक्टूबर 2023 वर्ष 39 अंक 54 रजि0 नं0 46071/85 (हिन्दी दैनिक समाचार पत्र) फोन/फैक्स-05262-230683 डाक पंजीयन संख्या-NP/GONDA-30/2003 पृष्ठ- 8 मूल्य 2.00 रुपये

मंत्रिपरिषद के महत्वपूर्ण निर्णय

ललितपुर में फार्मा पार्क की स्थापना हेतु पशुपालन विभाग की 1472.33 एकड़ भूमि औद्योगिक विकास विभाग को नि:शुल्क हस्तांतरित करने का प्रस्ताव स्वीकृत

लखनऊ कार्यालय

लखनऊ । यूपीडा द्वारा निर्मित एवं निर्माणाधीन एक्सप्रेस-वे के दोनों तरफ चयनित स्थलों पर औद्योगिक गलियारा विकसित किए जाने हेतु ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराने सम्बन्धी प्रस्ताव अनुमोदित मंत्रिपरिषद ने उ0प्र0 एक्सप्रेसवेज इण्डस्ट्रियल डेवलपमेन्ट अथॉरिटी (यूपीडा) द्वारा निर्मित एवं निर्माणाधीन एक्सप्रेस-वे के दोनों तरफ चयनित स्थलों पर औद्योगिक गलियारा विकसित किए जाने हेतु ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराने सम्बन्धी प्रस्ताव को अनुमोदित कर दिया है। ज्ञातव्य है कि यूपीडा द्वारा औद्योगिक केन्द्र विकसित किए जाने का कार्य प्रारम्भ किया जा रहा है। बुन्देलखण्ड औद्योगिक विकास प्राधिकरण की भांति यूपीडा के पास भी इसके लिए पूर्व से अपना कोई वित्तीय स्त्रोत उपलब्ध नहीं है। इस कारण वर्तमान में यूपीडा द्वारा स्वयं के स्त्रोतों से शर्त के अनुसार 50 प्रतिशत का वित्त पोषण किया जाना सम्भव नहीं है। ऐसी स्थिति में यूपीडा को भी बुन्देलखण्ड औद्योगिक विकास प्राधिकरण हेतु प्राविधानित शर्तों के अनुरूप 3,000 करोड़ रुपये में से आवश्यक धनराशि तथा वित्तीय वर्ष 2023-24 एवं आगामी वित्तीय वर्षों में भी इस मद में प्राविधानित धनराशि में से आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराये जाने के प्रस्ताव को मंत्रिपरिषद द्वारा अनुमोदित किया गया है। मंत्रिपरिषद ने जनपद ललितपुर में फार्मा पार्क स्थापित किए जाने हेतु पशुपालन विभाग के स्वामित्व वाली 1472.33 एकड़ भूमि औद्योगिक विकास विभाग को नि:शुल्क हस्तांतरित किए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी है।

ज्ञातव्य है कि उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा विभिन्न फार्मा कम्पनियों के साथ 184 एम0ओ0यू0 हस्ताक्षरित किए गए। इनके सापेक्ष 1,02,366.55 करोड़ रुपये का निवेश सम्भावित है। प्रदेश शासन द्वारा औषधि के क्षेत्र में उद्योगों की स्थापना हेतु जनपद ललितपुर में फार्मा पार्क स्थापित किए जाने का निर्णय लिया गया। फार्मा पार्क की स्थापना के लिए पशुपालन विभाग के अधीन तहसील मडावरा एवं महरौनी के विभिन्न गांवों में प्रसरित उपलब्ध 2,000 एकड़ भूमि से 1472.33 एकड़ भूमि चिन्हित करते हुए मण्डलायुक्त झांसी द्वारा अग्रेतर कार्यवाही हेतु शासन को सन्दर्भित किया गया।

'मुख्यमंत्री-ग्रीन रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेन्ट स्कीम (अर्बन)' के दिशा-निर्देश अनुमोदित

मंत्रिपरिषद ने 'मुख्यमंत्री-ग्रीन रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेन्ट स्कीम (अर्बन)' के दिशा-निर्देशों को अनुमोदित कर दिया है। योजना गाइडलाइंस की अंतर्वस्तु में संशोधन/परिवर्तन किए जाने की आवश्यकता होने पर आवश्यक सुसंगत संशोधन हेतु मंत्रिपरिषद ने नगर विकास मंत्री को अधिकृत किए जाने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति प्रदान की है। ज्ञातव्य है कि अमृत काल में एक ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी में योगदान देने तथा शहरी क्षेत्रों में 10 से 45 मीटर की चौड़ाई वाली सड़कों के निर्माण/पुर्ननिर्माण हेतु नगर विकास विभाग ने वित्तीय वर्ष 2013-14 से संचालित 'नगरीय सडक सुधार योजना' को अधिक प्रभावी बनाते हुए इसे एक प्रोत्साहन आधारित योजना के रूप में परिवर्तित करते हुए 'मुख्यमंत्री ग्रीन रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेन्ट स्कीम (अर्बन)' आरम्भ करने का निर्णय लिया है।

हॉट कुक्ड मील योजना को प्रदेश के आंगनबाड़ी के कन्द्रों में संचालित किए जाने के सम्बन्ध में

मंत्रिपरिषद ने 03 वर्ष से 06 वर्ष आयु तक के बच्चों हेतु आई0सी0डी0एस0 के अन्तर्गत हॉट कुक्ड मील योजना को प्रदेश के आंगनबाड़ी के केन्द्रों में संचालित किए जाने सम्बन्धी प्रस्ताव को अनुमोदित कर दिया है। मंत्रिपरिषद ने भविष्य में योजना के दिशा-निर्देशों में किसी प्रकार के परिवर्तन हेतु मुख्यमंत्री जी को अधिकृत किया है।

ज्ञातव्य है कि आंगनबाड़ी केन्द्रों में गरम पका भोजन देने हेतु दिनांक 03 दिसम्बर, 2018 को सम्पन्न मंत्रिपरिषद की बैठक के निर्णय के क्रम में शासनादेश संख्या 5/2019/172/60-2-19-2/3(2)/08 टीसी, 17 जनवरी, 2019 द्वारा विस्तृत दिशा-निर्देश निर्गत किए गए थे। व्यावहारिक कठिनाइयों के कारण इस शासनादेश में संशोधन आवश्यक है। इस सम्बन्ध में निदेशक बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार द्वारा संशोधन हेतु प्रस्ताव उपलब्ध कराया गया। अत: आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों के पर्याप्त पोषण हेतु गरम पका भोजन दिए जाने की सुदृढ़ व्यवस्था किया जाना प्रस्तावित किया जा रहा है।

उ0प्र0 में सांस्कृतिक, पौराणिक, धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व के स्थलों पर अवस्थापना तथा अन्य सुविधाओं के विकास हेतु 'वंदन योजना' से सम्बन्धित दिशा-निर्देश निर्गत किए जाने के सम्बन्ध में

मंत्रिपरिषद ने उत्तर प्रदेश में सांस्कृतिक, पौराणिक, धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व के स्थलों पर अवस्थापना तथा अन्य सुविधाओं के विकास हेतु वर्तमान वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्रारम्भ की जा रही 'वंदन योजना' हेतु विस्तृत दिशा-निर्देश निर्गत किए जाने सम्बन्धी प्रस्ताव को अनुमोदित कर दिया है। शहरी स्थानीय निकायों का मुख्य कार्य अपने क्षेत्रान्तर्गत नागरिक सुविधाएं प्रदान करना है, जिसमें प्रकाश, पेयजल, जलनिकासी, शौचालय एवं साफ-सफाई की व्यवस्था इत्यादि सम्मिलित है।

योगी सरकार की बड़ी पहल, गोण्डा में होगा देश का सबसे बड़ा कन्या पूजन शक्ति वंदन

० शारदीय नवरात्रि की महाष्टमी पर गोण्डा में होगा एक साथ 11 हजार बेटियों का कन्या पूजन
० रिकॉर्ड संख्या में बेटियों का पूजन कर लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज कराया जाएगा नाम

त्रिगुट संवाददाता

गोण्डा। मिशन शक्ति के रूप में नारी की सुरक्षा, उसके सम्मान और स्वावलंबन के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार शारदीय नवरात्र से मिशन शक्ति के अगले चरण की शुरुआत करने जा रही है। वहीं, इस शारदीय नवरात्रि में योगी सरकार एक और बड़ी पहल कर रही है। इसके तहत गोण्डा जनपद एक नया इतिहास रचना जा रहा है। सीएम योगी के मार्गदर्शन में नवरात्रि के पावन अवसर पर देश का अब तक का सबसे बड़ा कन्या पूजन कार्यक्रम गोण्डा में होने जा रहा है। आगामी 22 अक्टूबर को महाष्टमी के दिन %शक्ति वंदन% समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान गोण्डा में 11,000 बेटियों का एक साथ कन्या पूजन किया जाएगा। यह सिर्फ प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश में अब तक का सबसे बड़ा कन्या पूजन समारोह होगा। इस समारोह को लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी दर्ज कराने का प्रयास किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व प्रतिष्ठित लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में हिमाचल प्रदेश के मंडी में अंतरराष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव के दौरान कन्याओं के सामूहिक पूजन की गतिविधि को दर्ज किया गया था। 9 मार्च 2019 को यहां 1008 कन्याओं का सामूहिक पूजन किया गया था। गोण्डा में जिला प्रशासन इसका नया रिकॉर्ड बनाएगा।

उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को नवदेवी सम्मान

गोण्डा की जिलाधिकारी नेहा शर्मा इस समारोह को लेकर तैयारियों में जुटी हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ मिशन की थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में 11 हजार कन्याओं को शहीदे आजम सरदार भगत सिंह इंटर कॉलेज (टॉमसन) के प्रांगण में कन्या भोज कराया जाएगा। इस दौरान इन सभी बेटियों को हाइजीन किट भी प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि मां दुर्गा के नौ स्वरूपों के आधार पर 9 अलग-अलग क्षेत्रों जैसे पुलिस, उद्यमी, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, स्वयं सहायता समूह, पंचायती राज, कला, एनजीओ में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को समारोह के दौरान नव देवी सम्मान से भी सम्मानित किया जाएगा।

बिना भेदभाव हर तबके की बेटियों का होगा सम्मान

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिस तरह सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश में बिना भेदभाव अपनी योजनाओं का लाभ हर वर्ग और तबके तक पहुंचाया है, उसी तरह इस कार्यक्रम में भी हर वर्ग और तबके को शामिल किया जाएगा। सीएम योगी की मंशा के अनुरूप सभी जाति और पंथ की बेटियों को इस समारोह में एक समान सम्मान देकर समाज को जागरूक किया जाएगा। इसमें खासतौर पर बड़ी संख्या में पिछड़ी, अति पिछड़ी जातियों के साथ ही दलित, आदिवासी, वनटांगियां समाज की बेटियों को सम्मिलित कर उनका पूजन किया जाएगा। इसके लिए जिला प्रशासन ने कई विद्यालयों और समाजसेवी संगठनों से संपर्क किया है। गोण्डा जनपद में वनटांगिया समुदाय के लिए पहले भी कई कार्य किए गए हैं और उन्हें बिजली व सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं से जोड़कर मुख्य धारा में लाने का प्रयास किया गया है। इस पहल के माध्यम से इन सभी समुदायों की बेटियों को सम्मान और स्वावलंबी बनाने का प्रयास किया जाएगा।

पूरे प्रदेश को दिया जाएगा बेटियों के वंदन का संदेश

इस कार्यक्रम की थीम बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ है। इसके माध्यम से हर बेटी को शिक्षित करने के साथ ही आगे बढ़ने के अवसरों का लाभ लेने के लिए भी प्रेरित किया जाएगा। साथ ही, इस पहल का नाम शक्ति वंदन रखा गया है, जो हाल ही में संसद से पास हुए महिला आरक्षण बिल (महिला शक्ति वंदन अधिनियम बिल) से प्रेरित है। जिस तरह पीएम मोदी ने देश में आधी आबादी को उसका अधिकार देने की पहल की है और उसके लिए कानून बनाया है, कुछ उसी तर्ज पर इस कार्यक्रम के माध्यम से भी गोण्डा और उसके आसपास के जिलों की बेटियों को शक्ति का दर्जा देते हुए उनका वंदन किए जाने की योजना है। इसका संदेश सिर्फ गोण्डा ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश में जाएगा। इतना ही नहीं, इस कार्यक्रम के सफल होने के बाद इसे निरंतर कराए जाने का भी प्रस्ताव है।

ईवीएम की फर्स्ट लेवल चेकिंग के खिलाफ दायर याचिका खारिज

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली कांग्रेस की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की फर्स्ट लेवल चेकिंग को चुनौती दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह प्रक्रिया बहुत विस्तृत है और राजनीतिक पार्टियों का इसमें विश्वास है। यही प्रक्रिया पूरे देश में अपनाई जाती है।

इससे पहले दिल्ली कांग्रेस ने दिल्ली हाईकोर्ट में भी चुनाव आयोग की इस प्रक्रिया के खिलाफ याचिका दायर की थी लेकिन वहां से याचिका खारिज होने के बाद ही दिल्ली कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है लेकिन अब वहां से भी उन्हें झटका लगा है। दिल्ली कांग्रेस की शिकायत है कि ईवीएम की फर्स्ट लेवल चेकिंग प्रक्रिया के लिए राजनीतिक पार्टियों को तैयारी के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया। याचिका में मांग की गई थी कि कोर्ट चुनाव आयोग को फिर से यह प्रक्रिया कराने का आदेश दे। दिल्ली कांग्रेस ने आरोप लगाया कि बीते महीने पूरी हुई चुनाव आयोग की इस चेकिंग प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता नहीं बरती गई है और यह चुनाव आयोग के निर्देशों के मुताबिक नहीं हुई।

क्या है ईवीएम की फर्स्ट लेवल चेकिंग की प्रक्रिया

बता दें कि आम चुनाव एक बड़ी प्रक्रिया होती है, ऐसे में चुनाव आयोग आम चुनाव से पहले अपनी तैयारियों को जांचने के लिए मॉक पोल्स का आयोजन करता है, जो ईवीएम की फर्स्ट लेवल चेकिंग प्रक्रिया का हिस्सा होता है। यह प्रक्रिया पूरे देश चरणबद्ध तरीके से आयोजित की जाती है। इस प्रक्रिया के दौरान भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के इंजीनियर्स ईवीएम और वीवीपैट मशीनों में मैकेनिकल दिक्कतों को जांचती हैं। जिन मशीनों में दिक्कत होती है, उन्हें सुधार के लिए मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स भेज दिया जाता है।

आयुक्त के निर्देश पर श्रावस्ती के सहायक अध्यापक निलंबित

कर्मचारी आचरण नियमावली का पालन न करने पर हुई कार्रवाई

गोण्डा। आयुक्त देवीपाटन ने श्रावस्ती के ब्लाक गिलौला के प्राथमिक विद्यालय भदौरा के सहायक अध्यापक प्रशांत मिश्रा के खिलाफ मिली शिकायत पर कड़ा रूख अपनाते हुये जिलाधिकारी श्रावस्ती और सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक को जांच कर दोषी पाये जाने पर निलंबन की कार्रवाई करने के निर्देश दिये। आयुक्त के निर्देश पर श्रावस्ती की बीएसए अमिता सिंह द्वारा बीईओ गिलौला के माध्यम से जांच कराई गयी और जांच में प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर सहायक अध्यापक को निलंबित कर दिया गया। आयुक्त योगेश्वर राम मिश्रा ने बताया कि संबंधित अध्यापक के खिलाफ लगातार शिकायत प्राप्त हो रही थी कि अध्यापक बिना अनुमति के विद्यालय से लगातार अनुपस्थित चल रहे है और धरना प्रदर्शन में शामिल होते है। बिना अनुमति के विद्यालय से अनुपस्थित रहने, अपने पति दायित्व का निर्वहन न करने एवं कर्मचारी आचरण

नियमावली के विपरीत आचरण करने के कारण जांच कर विभागीय कार्रवाई की गई है।आयुक्त ने कहा कि सभी कर्मचारी अपने पदीय दायित्वों का गम्भीरता से निर्वहन करें एवं कर्मचारी आचरण नियमावली के विपरीत ऐसा कोई भी काम ना करें जिससे कि उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए मजबूर होना पड़े। उन्होंने कहा कि सभी कर्मचारी सक्षम स्तर से अनुमति लेने के बाद ही अपने कार्यस्थल से अनुपस्थित हो अन्यथा उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

डीएम नेहा शर्मा की बड़ी कार्यवाही, कौशल विकास प्रशिक्षण क्षेत्र में फर्जीवाड़े का खुलासा

लैब, बायो-मीट्रिक उपस्थिति, पठन-पाठन के मानक पूरे न होने पर लगाई फटकार

निज संवाददाता

गोण्डा। जिलाधिकारी श्रीमती नेहा शर्मा के औचक निरीक्षण में जनपद में संचालित कौशल विकास प्रशिक्षण केन्द्रों के फर्जीवाड़ा का खुलासा हुआ है। नियम विरुद्ध तरीके से प्रशिक्षण कार्य के लिए शासन की ओर से नामित संस्थाओं द्वारा कार्य को सबलेट किए जाने का सच सामने आया है। जिसके बाद, जिलाधिकारी द्वारा जनपद के सभी कौशल विकास प्रशिक्षण केन्द्रों की जांच सात दिन में पूरी कर रिपोर्ट देने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। जिलाधिकारी श्रीमती नेहा शर्मा सोमवार की शाम विकासखण्ड वजीरगंज अंतर्गत ग्राम हथिनाग (डुमरियाडीह) में संचालित आवासीय कौशल विकास प्रशिक्षण केन्द्र का आकस्मिक निरीक्षण करने पहुंची। यह केन्द्र शीतलादेवी मेमोरियल शिक्षण संस्थान के परिसर में संचालित है। केन्द्र पर अव्यवस्थाओं को देखकर डीएम ने जमकर फटकार लगाई।

इस केन्द्र में बालक एवं बालिका छात्रावास में कोई भी प्रशिक्षणार्थी नहीं रह रहा था। छात्रावास में ताले लगे हुए पाए गए। निरीक्षण के

दौरान प्रशिक्षण केन्द्र पर देवेन्द्र कुमार गुप्ता, अश्विनी कुमार मौर्या, मानस प्रताप सिंह व अवनीश तिवारी ट्रेनर के अतिरिक्त हॉस्टल केयर टेकर राजेश कुमार उपस्थित थे। निरीक्षण के समय 01 बालक (प्रांशु श्रीवास्तव) एवं 05 बालिकाएं (आफरीन खान, मुस्कान सिंह, ब्यूटी श्रीवास्तव, शिवावती व सुश्री कोमल) केन्द्र पर उपस्थित थीं। उनसे पूछताछ करने पर अवगत कराया गया कि वह सायंकालीन पाली में बायो-मीट्रिक उपस्थिति दर्ज कराने के लिए आये थे। बायोमीट्रिक उपस्थिति दर्ज करने का समय पूंछने पर उपस्थिति टीओटी द्वारा कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दिया जा सका।

संस्था कर रही है 9 रुपये प्रति घंटे का भुगतान

जिलाधिकारी द्वारा की गई पूछताछ के दौरान हॉस्टल केयर टेकर राजेश कुमार ने स्वीकार किया कि शासन द्वारा प्रशिक्षण के लिए बाहर की एक संस्था को नामित किया गया है। संबंधित संस्था ने उन्हें यह काम सबलेट किया है और 9 रुपये प्रति घंटे प्रति छात्र के हिसाब से भुगतान किया जा रहा है।

सभी केन्द्रों की जांच के आदेश

केन्द्र शीतलादेवी मेमोरियल शिक्षण संस्थान के परिसर में संचालित आवासीय कौशल विकास प्रशिक्षण केन्द्र में अव्यवस्थाओं के खुलासे के बाद जिलाधिकारी ने जनपद के सभी केन्द्रों की जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। डीएम ने साफ किया है कि जांच टीमों का गठन कर केन्द्रों में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षणार्थी के वास्तविक उपस्थिति, प्लेसमेंट से लेकर अन्य मानकों की जांच कराई जाए।

इसके लिए जिला समन्वयक कार्यक्रम प्रबंधन इकाई को सत्यापन टीनों का गठन कराते हुए मुख्य विकास अधिकारी के माध्यम से पत्रावली प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। डीएम ने साफ किया है कि सत्यापन टीमों द्वारा जांच उपरांत 7 दिन के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।

राष्ट्रीय आपदा मोचक बल एनडीआरएफ द्वारा

भारत, हिन्दुस्तान, इण्डियन पेट्रोलियम तथा एलपीजी प्लांट का किया गया निरीक्षण

गोण्डा। जिलाधिकारी नेहा शर्मा के निर्देश पर जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण तथा राष्ट्रीय आपदा मोचक बल एनडीआरएफ के द्वारा भारत, हिन्दुस्तान, इण्डियन पेट्रोलियम तथा एलपीजी प्लांट में किसी भी आपदा से निपटने हेतु की गई तैयारी के संबंध में बैठक किया गया तथा प्लांट का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान टीम कमांडर जितेंद्र सिंह के द्वारा बताया गया कि रासायनिक गैस रिसाव से किस तरीके से निपट जाए इसके लिए बैठक किया गया तथा जिला आपदा विशेषज्ञ राजेश श्रीवास्तव के द्वारा बताया गया कि राष्ट्रीय आपदा मोचें पर जनपद के स्कूलों में ग्रामों में तथा किसी भी किसी भी आपदा से बचाव हेतु क्या करें क्या ना करें के बारे में प्रशिक्षण टीम के द्वारा दिया जाएगा।

प्रतियोगिता के विजेताओं को विधिक सेवा प्राधिकरण ने किया सम्मानित

० स्वच्छता पर बेहतरीन निबंध लिख व चित्रकला कर छात्रों ने पाया पुरस्कार

निज संवाददाता

गोण्डा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गोण्डा ने दो अक्टूबर से आठ अक्टूबर तक स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया। अभियान के तहत जनपद के प्राथमिक विद्यालयों, माध्यमिक विद्यालयों, उच्च माध्यमिक विद्यालयों तथा महाविद्यालयों में निबन्ध एवं चित्रकला प्रतियोगिता हुई। इस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रतिभा दिखाने वाले छात्र-छात्राओं को मंगलवार को न्यायालय सभागार में जनपद न्यायाधीश द्वारा सम्मानित किया गया।

इसके साथ हिंदी दिवस के मौके पर प्रतिभा करने वाले न्यायिक कर्मचारियों व अन्य कर्मचारियों को भी स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जनपद न्यायाधीश ब्रजेन्द्र मणि त्रिपाठी अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गोण्डा ने स्वच्छता व साफ- सफाई के बारे में जागरुक करते हुए कहा कि साफ-सफाई से अनेक बीमारियां नहीं होती है। हम सभी को न केवल अपने शरीर बल्कि आसपास के वातावरण को भी स्वच्छ व साफ रखना है। उन्होंने सभी विजेताओं एवं प्रतिभाग करने वाले कर्मचारियों को बधाई दी। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नितिन श्रीवास्तव ने

बताया कि 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक संचालित स्वच्छता जागरूकता साप्ताहिक अभियान के क्रियान्वयन के संबंध में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन क्षेत्रीय आबादी को सम्मिलित करते हुए जनपद के प्राथमिक, माध्यमिक, महाविद्यालय को सम्मिलित करते हुए जनपद, तहसील, विकासखंड स्तर पर स्वच्छता जागरूकता अभियान का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी नेहा शर्मा, पुलिस अधीक्षक अंकित मित्तल, एडीजे प्रथम पूजा सिंह, अपर जिला जज सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नितिन श्रीवास्तव सहित अन्य न्यायिक अधिकारी गण व कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

इन विजेताओं को किया गया सम्मानित

प्राथमिक विद्यालय स्तर पर निबंध प्रतियोगिता में काजल को प्रथम अमन द्वितीय व सपना को तृतीय पुरस्कार व चित्रकला प्रतियोगिता में अभिषेक चतुर्वेदी को प्रथम, नेहा ओझा को द्वितीय व विनय कुमार वर्मा को तृतीय पुरस्कार दिया गया।

माध्यमिक विद्यालय के स्तर पर निबंध प्रतियोगिता में अवनेन्द्र तिवारी को प्रथम, मो आसिफ को द्वितीय व विवेक कुमार को तृतीय पुरस्कार तथा चित्रकला प्रतियोगिता में अतुल गुप्ता को प्रथम, अभिषेक कुमार को द्वितीय व मो काशिफ को तृतीय पुरस्कार दिया गया।

महाविद्यालय स्तर पर निबंध प्रतियोगिता में निधि शुक्ला को प्रथम, शक्ति पाण्डेय को द्वितीय एवं मन्तशा फातिमा की तृतीय व चित्रकला प्रतियोगिता में रुखसाना को प्रथम, निधि तिवारी को द्वितीय व कीर्ति सिंह को तृतीय पुरस्कार दिया गया। इसके अलावा जनपद न्यायाधीश द्वारा विगत 14 सितंबर को मनाये गये हिंदी दिवस कार्यक्रम में जनपद न्यायालय के कर्मचारियों के मध्य कविता, निबंध व सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया था जिसमें विभिन्न कर्मचारी द्वारा प्रतिभाग किया गया था। प्रतिभाग किए कर्मचारियों को भी जनपद न्यायाधीश द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इन कर्मचारियों में अजय सिंह, रवि प्रकाश वर्मा, जयप्रकाश शुक्ला, विजय यादव, पूर्णिमा वर्मा, माला वर्मा अरविंद कुमार व अन्य लोग शामिल रहे।

27 से चलेगा विशेष संक्षिप्त प्रशिक्षण कार्यक्रम

गोण्डा। गोण्डा की सभी सात विधानसभा क्षेत्रों की मतदाता सूची का संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान आगामी 27 अक्टूबर से चलाया जाएगा। एक जनवरी 2024 के आधार पर होने वाले विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के लिए डीएम जिला निर्वाचन अधिकारी ने समस्त एसडीएम, तहसीलदार, बीडीओ, चकबंदी अधिकारी व अन्य संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

उन्होंने बताया कि एकीकृत आलेख्य निर्वाचक नामावलियों का प्रकाशन 27 अक्टूबर को किया जाएगा। इस पर दावे व आपत्तियां 27 अक्टूबर से 9 दिसंबर तक ली जाएंगी। चार व पांच नवंबर, 25 व 26 नवंबर तथा दो व तीन दिसंबर को विशेष अभियान तिथि निर्धारित की गई है। दावे व आपत्तियों का निस्तारण 26 दिसम्बर को किया जाएगा। जबकि निर्वाचक नामावलियों का अन्तिम प्रकाशन पांच जनवरी शुक्रवार को किया जाएगा। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को मुख्य निर्वाचन अधिकारी के द्वारा दिए गए निर्देशों एवं आयोग की गाइडलाइन के अनुसार पुनरीक्षण कार्यक्रम को पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

शिक्षा विभाग के कार्यक्रमों की डीएम ने की समीक्षा

उच्च गुणवत्ता की शिक्षा बच्चों को दी जाए-डीएम

त्रिगुट संवाददाता

गोण्डा। जिलाधिकारी नेहा शर्मा की अध्यक्षता में माध्यमिक शिक्षा, बेसिक शिक्षा तथा तकनीकी शिक्षा विभाग से सम्बन्धित योजनाओं व कार्यक्रम की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में माध्यमिक शिक्षा, बेसिक शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, आईटीआई, कौशल विकास मिशन, द्वारा संचालित योजनाओं का संबंधित विभाग के अधिकारियों से गहन समीक्षा की गई ।समीक्षा के दौरान बेसिक शिक्षा विभाग में छात्र.छात्राओं का पंजीकरण, स्कूल यूनिफार्म , मिड डे मिल, आधार सीडिंग, आधार विहीन छात्र.छात्राओं की संख्या के संबंध में, डीबीटी व्यवस्था, बच्चों के पढ़ाई व्यवस्था, बेसिक शिक्षा विभाग के जर्जर विद्यालय भवनों के ध्वस्तीकरण, निपुण ऐप, प्रेरणा एप तथा माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित कस्तूरबा गांधी विद्यालय, महिला छात्रावास, इसके साथ ही व्यवसायिक शिक्षा राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण, कौशल विकास मिशन, इलेक्ट्रॉनिक, इंजीनियरिंग, पॉलिटेक्निक आदि सहित अन्य कई योजनाओं की संबंधित विभाग के अधिकारियों से समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इन सभी योजनाओं पर समय.समय पर विशेष ध्यान दिया जाय। ताकि इन सभी योजनाओं से लाभान्वित किया जा सके।

जिलाधिकारी ने बीएसए को निर्देश दिए गए कायाकल्प योजना के तहत सभी 19 बिंदुओं पर विद्यालय में कायाकल्प का कार्य करायें। नगरीय परिषदीय विद्यालयों में कायाकल्प कार्य की प्रगति धीमी पाई जाने प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आईटीआई में प्रशिक्षण लेने वाले छात्रों को उचित प्लेसमेंट दिलाने के निर्देश दिए।

एप्स के माध्यम से सुधारे शैक्षणिक गुणवत्ता

गोण्डा। डीएम ने सभी अधिकारियों से कहा कि शासन द्वारा विभिन्न एप्स के माध्यम से शैक्षणिक गुणवत्ता सुधारने का प्रयास किया जा रहा है अत: सभी प्रधानाचार्य इन एप्स का प्रयोग कर अपने विद्यालय में शैक्षणिक गुणवत्ता को सुधारे। शैक्षिक गुणवत्ता से किसी प्रकार का कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने विद्यालयों की मरम्मत में लगी एजेंसियों को भी निर्देश दिए कि वह मरम्मत कर व निर्माण कार्य में गुणवत्ता से कोई समझौता न करें यदि किसी एजेंसी द्वारा विद्यालय के निर्माण और मरम्मत में लापरवाही बढ़ती गई तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बच्चों के जीवन से किसी प्रकार का कोई खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा

इस अवसर पर सीएमओ डॉ रश्मि वर्मा, परियोजना निदेशक डीआरडीए चन्द्रशेखर, जिला विकास अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रेमचंद यादव, प्रिंसिपल राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान आईटीआई सहित जनपद के सभी खंड शिक्षा अधिकारी व संबंधित विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

जल्द सुधारें सड़कों की दशा: प्रमुख अभियंता

सुल्तानपुर। लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता ने रविवार को सड़क पर गड्ढा देखकर नाराजगी जताई। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को जल्द से जल्द सड़कों की दशा सुधार का निर्देश दिया है। वह सोमवार को कुछ सड़कों व शहर के निर्माणाधीन पुल का निरीक्षण करेंगे। अंबेडकरनगर से वापस होते समय लोक निर्माण विभाग लखनऊ के प्रमुख अभियंता वीके श्रीवास्तव ने दोस्तपुर क्षेत्र की तीन सड़कों का निरीक्षण किया। इस दौरान ग्रामीण सड़कें टूटी-फूटी मिलीं। सड़कों पर गड्ढे पाए गए। उन्होंने सड़कों की मरम्मत के बारे में जानकारी ली। शासन की ओर से गड्ढामुक्त करने के लिए धनराशि जारी होने के बाद भी मरम्मत न कराए जाने पर नाराजगी जताई। साथ ही कुल टूटी सड़कों की जानकारी भी ली। विभागीय इंजीनियरों ने बारिश का हवाला देते हुए अपनी खामियां छुपाईं। इस पर प्रमुख अभियंता ने सड़कों को गड्ढामुक्त कराने का निर्देश दिया। वह रात में डाकबंगले में ठहरे हुए हैं। सोमवार को शहर के निर्माणाधीन गोपालदास पुल के साथ निर्माण खंड तीन की कुछ सड़कों का निरीक्षण करने के बाद लखनऊ वापस हो जाएंगे। निरीक्षण के समय एक्सईएन संतोष तिवारी समेत अन्य मौजूद रहे।

दो घरों से नकदी समेत दो लाख के जेवरात चोरी

सुल्तानपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के भीखरपुर गांव में शनिवार रात चोरों ने दो घरों को निशाना बनाया। करीब दो लाख रुपये के जेवरात समेत हजारों की नकदी पर हाथ साफ कर दिया। भुक्तभोगियों ने घटना की तहरीर थाने पर दी है। भीखरपुर गांव निवासी प्रेम कुमार गौड़ का मकान कूरेभार-हलियापुर मार्ग पर है। उसी मकान से सटा उनके दादा राम बुधेश का मकान है। शनिवार देर रात चोर छत के रास्ते घरों में दाखिल हो गए। बताया जा रहा है कि जिस कमरे में परिजन सोए थे, चोरों ने उस कमरे के दरवाजे की सिटकिनी लगाकर बंद कर दिया। बगल के कमरे में रखी आलमारी और बक्से का ताला तोड़कर चोरों ने जेवरात व नकदी समेत अन्य सामान पर हाथ साफ कर दिया। रविवार सुबह जब प्रेम कुमार व राम बुधेश के घर के लोग सोकर उठे तो घटना के बारे में पता चला। पीड़ित प्रेम कुमार ने बताया कि चोरों ने उनके घर से जेवरात व पांच हजार की नकदी पर हाथ साफ कर दिया। राम बुधेश के घर से भी जेवरात उठा ले गए। पीड़ित परिजनों ने धनपतगंज थाने में तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ब्लॉक कार्यालय तक छुट्टा मवेशियों की धमाचौकड़ी

उन्नाव। विकासखंड क्षेत्र के कई गांवों में छुट्टा मवेशी किसानों व आम लोगों के लिए मुसीबत बने हैं। हालात यह है कि ब्लॉक कार्यालय तक छुट्टा मवेशियों की धमाचौकड़ी रहती है। फसलों को नुकसान पहुंचा रहे मवेशी, मार्गों पर भी वाहन सवार लोगों के लिए मुसीबत बने हैं। उन्नाव-पुरवा मुख्य मार्ग व ब्लॉक मुख्यालय गेट पर भी मवेशियों का जमावड़ा रहता है। अक्सर लोगों पर हमला कर घायल भी करते हैं। ग्रामीणों में कल्लू, रामू, सुरेश, सुंदरलाल, सावित्री, मोहना व शिवमोहन आदि ने बताया कि गोशाला न होने से छुट्टा घूम रहे मवेशी उनकी फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं। बिछिया, सकरन, जरगांव, पूरखेत, बदली खेड़ा व नेवरना में गोशाला नहीं है। इससे छुट्टा मवेशी सड़क से लेकर खेतों तक धमाचौकड़ी करते हैं। एडीओ पंचायत उदय वीर सिंह ने बताया कि किसानों से छोड़े मवेशियों को बांधने के लिए कहा गया है। शेष बचे मवेशियों को गोशाला भेजा जाएगा।

पुरवा सीएचसी में लिवर और किडनी की जांच ठप

उन्नाव। सीएचसी में लगी सेलेक्ट्रा मशीन माइक्रो पिपेट किट खराब होने से मरीजों की लिवर और किडनी की जांचें ठप हैं। जरूरतमंद मरीज निजी पैथोलॉजी से जांच कराने को मजबूर हैं। 1.67 लाख आबादी को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रोजाना औसतन 250 पेट संबंधित बीमारी व बुखार से पीड़ित पहुंचते हैं। ऐसे मरीजों को डॉक्टर जांच कराने की सलाह देते हैं लेकिन सीएचसी में लगी सेलेक्ट्रा मशीन की माइक्रो पिपेट किट एक माह से खराब है। इससे मरीजों का लिवर फंक्शन टेस्ट और किडनी फंक्शन टेस्ट नहीं हो पा रहा है। गंभीर मरीज निजी पैथोलॉजी में जांच महंगे दाम देकर करा रहे हैं। वहीं 14 जुलाई को सीबीसी मशीन सीएचसी में लगवाई गई थी। 29 जुलाई को मशीन औरास सीएचसी भेज दी गई। जबकि रोजाना औसतन 90 मरीज निजी लैब में जांच करा रहे हैं।

सीएचसी प्रभारी डॉ. दिनेश कुमार ने कहा कि डिमांड भेज दी गई है। जैसे ही माइक्रो पिपेट किट उपलब्ध हो जाएगी। जांच शुरू कर दी जाएगी।

श्रमिक के घर एक लाख की चोरी

उन्नाव। रायपुर गांव में चोरों ने श्रमिक के घर से जेवर-नकदी सहित करीब एक लाख का माल पार कर दिया। घटना के समय श्रमिक ससुराल गया था और उसकी दादी घर में अकेली थीं। कोतवाली के गांव रायपुर निवासी मजदूर आशीष रावत कुछ दिन पहले पत्नी को बच्चा होने पर ससुराल तौरा गांव गया था। घर में उसकी दादी राजरानी अकेली थीं। शनिवार रात राजरानी घर के बाहर बरामदे में लेटी थीं। देर रात घर में खटपट की आवाज आई। अंदर जाकर देखा तो एक युवक हाथ थैला लिए था। शोर मचाने पर वह छत के रास्ते से भाग गया। कमरे में बक्से का ताला टूटा था और उसमें रखे 50 हजार रुपये और इतने ही कीमत के जेवर चोरी हो गए थे। मोहल्ले के लोगों की सूचना पर आशीष रात में ही घर पहुंचा। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने जांच की। शक है कि घटना में किसी परिचित या आसपास के ही व्यक्ति का हाथ है। कोतवाल सुरेश सिंह ने बताया कि जांच की जा रही है।

अस्पताल व बैंक के पास से दो बाइक चोरी, केस

यमुना नगर। अस्पताल व बैंक के पास से दो बाइक चोरी हो गईं। पुलिस ने शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। भगवानगढ़ गांव निवासी सुरेंद्र कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि तीन अक्तूबर की रात आठ बजे सैनी अस्पताल में दवा लेने गया था। इस दौरान अपनी बाइक अस्पताल के बाहर खड़ी की थी। जब वह दवा लेकर वापस आया तो बाइक नहीं मिली। आसपास तलाश की, पर बाइक का पता नहीं चला। उधर, धौलरा गांव निवासी हुकमचंद ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह चार अक्तूबर को मेला देखने रादौर आया था। इस दौरान अपनी बाइक एक्सिस बैंक के पास खड़ी की थी। जब मेले से वापस आया तो बाइक नहीं थी। आसपास तलाश करने पर भी बाइक का पता नहीं चला।

वार्ड आठ, नौ में विशेष मरम्मत कार्य के टेंडर लगे

यमुना नगर। नगर निगम यमुनानगर-जगाधरी की ओर से वार्ड आठ व नौ के लिए विशेष मरम्मत कार्यों के टेंडर लगाए गए हैं। इस पर अन्य वार्डों के पार्षद नाराज हैं। उनका आरोप है कि नगर निगम अफसरों का केवल दो ही वार्डों की ओर ज्यादा ध्यान है जबकि अन्य वार्डों में मरम्मत व अन्य कामों के लिए फंड की कमी बताई जाती है। बताते हैं कि नगर निगम की ओर से वार्ड आठ और नौ में 4.23-4.23 लाख रुपये के ई-टेंडर लगाए गए हैं। जिससे दोनों वार्डों के विभिन्न स्थानों पर विशेष मरम्मत कार्य होंगे। दोनों वार्डों के यह अलग-अलग टेंडर सात अक्तूबर को वेबसाइट पर अपलोड किए गए। जिसका पता लगते ही विपक्षी पार्षद नाराज हो गए। कांग्रेसी पार्षदों में वार्ड चार से देवेंद्र सिंह, पांच से विनय कांबोज व 13 से निर्मल चौहान ने कहा कि साढ़े चार साल के कार्यकाल में नगर निगम अफसरों का पूरा फोकस वार्ड आठ व नौ के विकास कार्यों पर ही रहा। जहां पार्कों से लेकर सड़कों पर बार-बार करोड़ों रुपये खर्च किए गए। जबकि अन्य वार्डों में सदन में मंजूर ज्यादातर विकास कार्य साढ़े चार साल में भी शुरू नहीं हो पाए या पूरे नहीं हो पाए हैं। अब तीन माह का कार्यकाल शेष है, तब भी उन्हीं दो वार्डों में ही विशेष मरम्मत कार्य के टेंडर लगे हैं। अन्य वार्डों के टेंडर नहीं किए गए हैं जबकि सभी वार्डों में मानसून के बाद सड़कें क्षतिग्रस्त हैं। ऐसे ही अन्य मरम्मत कार्यों की भी मांग है। इसलिए मामले में नगर निगम आयुक्त से मिलकर सभी वार्डों के लिए विशेष मरम्मत कार्य कराए जाने की मांग करेंगे।

काम करके घर लौटे श्रमिक की बिगड़ी हालत

उन्नाव। जाफ़लानगर गांव में काम से लौटे श्रमिक की अचानक हालत बिगड़ गई। परिजन मियागंज सीएचसी लेकर पहुंचे जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। मामला संदिग्ध देख पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। मौत का कारण पता न चलने से विसरा सुरक्षित किया गया है। आसीवन थानाक्षेत्र के गांव जाफ़लानगर निवासी सोनेलाल (40) मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करता था। शनिवार देर रात घर पहुंचा। खाना खाने के कुछ देर बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई। परिजन मियागंज सीएचसी ले गए। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। अस्ताल से मिली सूचना पर पुलिस पहुंची। मृतक की पत्नी कांति ने बताया कि पति कई दिनों से परेशान थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह स्पष्ट न होने और जहर की आशंका पर विसरा सुरक्षित किया गया है। मृतक के दो बच्चों में लक्ष्मी (7) और शनि (5) हैं। थानाध्यक्ष संदीप कुमार मिश्र ने बताया कि परिजनों ने अभी कोई तहरीर नहीं दी है। जांच और तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

फंदे से लटका मिला युवक का शव

बीघापुर। थानाक्षेत्र के द्वारिकापुरी गांव निवासी रूपेश पासवान (28) मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करता था। रविवार सुबह उसका शव घर के दरवाजे पर लगे पंखे से फंदे से लटका मिला।

पत्नी किरन ने पुलिस को बताया कि शनिवार शाम रूपेश खाना खाने के बाद घर के बाहर सोने की बात कहकर चले गए।

उपचार से पहले होने वाले टेस्ट भी चिरायु योजना में होंगे शामिल

यमुना नगर। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि मरीजों के उपचार से पहले होने वाले टेस्ट भी चिरायु योजना में शामिल होंगे। वह बोले कि सरकार ने अधिकतर योजनाएं ऑनलाइन की हैं। सर्वे कराकर गरीबों को निशुल्क मोबाइल फोन देंगे। प्लाईवुड संचालकों की मांग पूरी कर दी है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि मरीजों के इलाज से पहले होने वाले टेस्ट भी चिरायु योजना में शामिल किए जाएंगे। वहीं प्रदेश में जिन गरीब परिवार के पास मोबाइल नहीं होगा, सर्वे कराकर उन्हें मुफ्त मोबाइल दिया जाएगा, ताकि वे परिवार भी ऑनलाइन सुविधाओं का लाभ ले सकें। वहीं यमुनानगर के प्लाईवुड फैक्टरियों के संचालकों की लंबे समय से चल रही मांग भी मुख्यमंत्री ने पूरी कर दी। इसके तहत लकड़ी की खरीद पर लगने वाले दो प्रतिशत मार्केट फीस को घटाकर एक प्रतिशत किया गया है। मुख्यमंत्री ने रविवार को यमुनानगर के दशहरा ग्राउंड में जनसंवाद के दौरान उक्त घोषणाएं कीं। सीएम के जनसंवाद को लेकर दशहरा ग्राउंड में दोपहर एक बजे से ही लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई थी। कार्यक्रम में करीब 2:45 बजे पहुंचे मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सरकार की योजनाओं से लोगों को अवगत कराया साथ ही समस्याएं सुन समाधान का भरोसा दिया। लगभग 4:30 बजे तक चले जनसंवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को कई सौगात दी। उन्होंने कहा कि चिरायु योजना के लाभार्थियों की समस्याओं को देखते हुए प्रदेश सरकार ने निर्णय लिया है कि अब मरीजों के उपचार से पहले होने वाली जांच को भी योजना में शामिल किया जाएगा। सरकार ने अधिकतर जन सुविधाएं ऑनलाइन कर दी हैं और इनसे संबंधित जानकारी भी मोबाइल पर दी जा रही है। ऐसे में जिन गरीबों के पास अब तक मोबाइल नहीं है, उन्हें सरकार की ओर से निशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा।

उन्होंने कहा कि प्लाईवुड फैक्टरियों की मार्केट फीस कम होने से संचालकों को प्रति वर्ष आठ करोड़ से अधिक का लाभ होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले एएवाई कार्ड धारकों को दो लीटर सरसों का तेल मिलता था, अब सरकार ने निर्णय लिया है कि सभी बीपीएल कार्ड धारकों को दो लीटर सरसों का तेल दिया जाएगा।

अज्ञात वाहन की टक्कर से प्रौढ़ की मौत

सुल्तानपुर। लखनऊ-वाराणसी हाईवे पर कूड़वार थाना क्षेत्र के रवनिया गांव स्थित प्लाई फैक्टरी के पास शनिवार देर रात अज्ञात वाहन की टक्कर से एक प्रौढ़ (50) गंभीर रूप से घायल हो गया। कुछ देर बाद घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। रविवार सुबह ग्रामीणों ने घटना की जानकारी कुड़वार थाना पुलिस को दी।

थाने के उप निरीक्षक विकास सिंह घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय दीप नारायण सिंह, अमर बहादुर, आशाराम, महेश व बब्लू यादव से पंचनामा भरवाने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इंस्पेक्टर गौरीशंकर पाल ने बताया कि शव की शिनाख्त का प्रयास जारी है।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर दो कारें भिड़ीं, तीन घायल

सुल्तानपुर। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर हलियापुर गांव के पास रविवार सुबह एक कार को दूसरी बेकाबू कार ने टक्कर मार दी। हादसे में एक कार पलट गई। उस पर सवार युवक समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पीछे वाली कार पर सवार लोगों को मामूली चोट आई। घायलों को यूपीडा कर्मियों ने कुमारगंज के पिठला हॉस्पिटल में भर्ती कराया। हलियापुर गांव के पास रविवार सुबह लखनऊ की ओर जा रही कार को एक बेकाबू कार ने पीछे से टक्कर मार दी जिससे वह पलट गई। उस पर सवार बड़हलगंज निवासी मुख्तार अहमद (35), साकिर(40) व चालक आरिफ अंसारी (32) गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि मुख्तार व उनके साथ के लोग किसी रिश्तेदार के यहां लखनऊ जा रहे थे। टक्कर मारने वाली कार पर सवार आजमगढ़ जिले के मुकरीगंज सदर निवासी वासिफ रजा (32), आरिफ (30) व गोकुल दास अग्रवाल (40) लखनऊ की ओर जा रहे थे। चालक आरिफ ने बताया कि हलियापुर के पास अचानक झपकी आ जाने से हादसा हो गया। दुर्घटना की जानकारी होने पर यूपीडा कर्मी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने घायल मुख्तार, साकिर व आरिफ को एंबुलेंस से कुमारगंज के पिठला हॉस्पिटल में भर्ती कराया।

दहेज उत्पीड़न में पति छह लोगों पर केस

यमुना नगर। क्षेत्र के एक गांव निवासी विवाहिता ने पति सहित ससुराल पक्ष के छह लोगों को दहेज प्रताड़ना का आरोप लगाय। महिला का आरोप है कि दहेज की मांग को लेकर न केवल उसके साथ मारपीट की गई बल्कि उसे जान से मारने की धमकी भी दी गई। शिकायत पर पुलिस ने आरोपी पति पति अरुण, ससुर जगमाल, सास रोशनी, ननंद निशा व रितु व ननदोई रोकी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर लिया। शिकायत में विवाहिता ने बताया कि उसकी शादी 11 फरवरी 2019 को अरुण के साथ हुई थी। शादी के कुछ दिन बाद ही ससुराल पक्ष के लोग दहेज की मांग करने लगे। जिसको लेकर कई बार पंचायत भी हुई, लेकिन ससुराल पक्ष के लोगों का रवैया ठीक नहीं हुआ। जब बार-बार उसे परेशान किया जाने लगा तो उसने यह बात अपने पिता को बताई। जिसके बाद कुछ समय तक सब ठीक रहा, लेकिन उसके बाद फिर से उसे दहेज के लिए परेशान किया जाने लगा। आरोप है कि उसकी नौकरी भी छुड़वा दी गई। प्रताड़ना के चलते वह मानसिक रूप से बीमार भी रहने लगी। उसके पिता ने उसका इलाज कराया। इस दौरान ससुराल पक्ष के लोग उनसे 20 लाख रुपये की मांग करने लगे। 20 सितंबर की रात करीब साढ़े 8 बजे ससुराल पक्ष के लोगों ने चुन्नी से उसका गला दबाकर मारने का प्रयास किया, लेकिन किसी तरह वह बच गई। जहां से मायके आकर शिकायत पुलिस को दी।

चार साल से नहीं बन रहे जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र

सुल्तानपुर। जिले में करीब चार साल से सात केंद्रों से जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र जारी करने का काम ठप हो गया है। बाद में तीन केंद्रों की यूजर आई निष्क्रिय होने से मौजूदा समय में कुल 10 केंद्रों से प्रमाणपत्र जारी करने का काम बंद हो गया। प्रमाण पत्र न बनने से प्रतिमाह सैकड़ों लोगों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसके पीछे शासन से नई यूजर आईडी जारी न होने का मामला सामने आया है। इसके लिए शासन को पत्र लिखा गया है। करीब पांच साल पहले आबादी के हिसाब से नई ग्राम पंचायतों के गठन की प्रक्रिया में जिले में दर्जन भर से अधिक नई ग्राम पंचायतें बना दी गईं। इसी बीच शासन ने जन्म व मृत्यु प्रमाणपत्र के लिए अवधि का निर्धारण करते हुए ग्राम पंचायतों को पंचायत भवन से प्रमाणपत्र जारी करने की जिम्मेदारी दे दी। इसके साथ ही मृत्यु व जन्म प्रमाणपत्र के संबंध में पीएचसी व सीएचसी की सेवा को नियमित अवधि के लिए बहाल रखा गया। नई के गठन के बाद पुरानी से अलग होने वाली दो ग्राम पंचायतों दोस्तपुर के कल्याणपुर, कुड़वार के देवलपुर सेकेंड व लंभुआ की रामगढ़ ग्राम पंचायत की पीएचसी को अभी तक नई यूजर आईडी शासन से जारी नहीं हो सकी है। इसके साथ ही ग्रेंट कुड़वार, रतनपुर, कोटवा व नरायनपुर की यूजर आईडी निष्क्रिय हो गई। ग्राम पंचायतों के साथ ही स्वास्थ्य विभाग की पीएचसी सेमरी, पीएचसी बेलसौना व सीएचसी लंभुआ की यूजर आईडी निष्क्रिय हो गई। नई यूजर आईडी जारी न होने व कुछ के निष्क्रिय हो जाने से जिले में पीएचसी, सीएचसी व ग्राम पंचायतों को मिलाकर 10 केंद्रों से ग्रामीणों का जन्म व मृत्यु प्रमाणपत्र जारी करने का काम रुक गया है। इस वजह से ग्रामीणों का पारिवारिक लाभ, भूमि की वरासत, बाल विकास के पुष्टाहार समेत अन्य कार्य ठप हो गए हैं। इससे लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

पीड़ितों ने बताई अपनी व्यथा

कुड़वार विकास खंड के ग्रेंट कुड़वार निवासी कलावती ने बताया कि उनके पति की मौत हो चुकी है। मृत्यु प्रमाणपत्र न बनने से वह पारिवारिक लाभ के लिए आवेदन नहीं कर पा रही हैं। इसी गांव के कपिल देव ने बताया कि उनके पिता की मौत के बाद छह माह से मृत्यु प्रमाणपत्र नहीं बन सका। दोस्तपुर विकास खंड के कल्यानपुर गांव निवासी कुसुम, राम प्रकाश व राम नयन समेत कई लोग अपने परिवार के सदस्यों की मौत के बाद मृत्यु प्रमाणपत्र बनवाने के लिए परेशान हैं। पंचायत सचिव राघवेंद्र ने बताया कि यूजर आईडी न होने से काम रुका है। कुड़वार के एडीओ पंचायत दयावंत सिंह ने बताया कि इसके लिए विभाग को पत्र भेजा गया है।

चंडीगढ़ से चालान का भुगतान कर लौट रहे चार रिश्तेदारों की कार दुर्घटनाग्रस्त, दो की मौत, दो गंभीर

यमुना नगर। नेशनल हाईवे-344 पर फर्कपुर क्षेत्र के गांव फूंसगढ़ के पास बोलेरो से भिड़ंत हुई है। यूपी के रामपुर जिले के खाता चितमन गांव निवासी शिवम और वेदपुर गांव निवासी अमरपाल के रूप में मृतकों की पहचान हुई है। चंडीगढ़ से चालान का भुगतान कर घर लौट रहे उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले के चार रिश्तेदारों की ट्राइबर कार आगे चल रही बोलेरो कार से टकरा गई। हादसा नेशनल हाईवे-344 पर फर्कपुर क्षेत्र के गांव फूंसगढ़ के पास रात एक बजे हुआ। आरोप है कि बोलेरो कार चालक ने अचानक ब्रेक लगाए, जिससे हादसा हुआ। भिड़ंत में दोनों कारों के परखच्चे उड़ गए। हादसे में ट्राइबर कार में सवार दो रिश्तेदारों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो को अस्पताल में उपचार दिया जा रहा है। पुलिस ने आरोपी बोलेरो कार चालक पर केस दर्ज कर लिया है।

उत्तर प्रदेश के जिला रामपुर के वेदपुर गांव निवासी विपिन ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि उसकी मौसी का लड़का रामपुर जिले के ही गांव खाता चितमन (रढौंडा) निवासी शिवम-21 की ट्राइबर कार का 22 अगस्त को चंडीगढ़ में चालान हो गया था। इसका भुगतान करने के लिए शनिवार को वे शिवम की कार में चंडीगढ़ गए थे। उनके साथ उसके ताऊ का बेटा अमरपाल-22, मामा का बेटा रामपुर जिले के गांव हरैया निवासी विजेंद्र उर्फ विक्की भी थे। चालान का भुगतान करने के बाद रात करीब 10 बजे वे चंडीगढ़ से शिवम की ट्राइबर कार में सवार होकर वापस घर लौट रहे थे। कार शिवम ही चला रहा था। उसके साथ वाली सीट पर अमरपाल और पिछली सीट पर विजेंद्र और वह बैठा था। नेशनल हाईवे-344 पर रात करीब एक बजे जब वे फूसगढ़ गांव के पास पहुंचे तो उनके आगे चल रही बोलेरो कार चालक ने बिना किसी संकेत के अचानक ब्रेक लगाकर कार को रोक लिया। अचानक कार रुकने से उनकी कार उसमें टकरा गई। हादसा इतना तेज था कि दोनों कारों के परखच्चे उड़ कर दूर तक बिखर गए। उनकी कार आगे से काफी क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में कार की अगली सीट पर बैठे उसके मौसी के बेटे शिवम और ताऊ के बेटे अमरपाल की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उसे व विजेंद्र को गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। लोगों ने उन्हें बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन की। पुलिस ने रविवार को दोनों मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम कराया।

बताया जा रहा है कि जो कार बोलेरो से टकराई, उसकी गति बहुत तेज थी। जैसे ही बोलेरो चालक ने ब्रेक लगाए तो कार चालक शिवम तेज गति होने के कारण नियंत्रण खो बैठा और उनकी कार बोलेरो में पीछे जा टकराई। हादसा इतना तेज हुआ कि कार आगे से सिमट गई। इससे कार की अगली सीट पर बैठे शिवम और अमरपाल उसमें फंस गए। जब राहगीरों ने उन्हें निकालने का प्रयास किया तो वे कार की बॉडी में बुरी तरह फंसे हुए थे। इसके बाद राहगीरों ने खिड़कियां तोड़कर कड़ी मशक्कत के बाद दोनों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक वे दम तोड़ चुके थे। फर्कपुर थाना प्रभारी शीलावंती का कहना है कि मामले में आरोपी बोलेरो कार चालक पर केस दर्ज कर लिया गया है। दोनों मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। हादसे में घायल हुए दो अन्य रिश्तेदारों को अस्पताल में उपचार दिया जा रहा है। आरोपी चालक की तलाश की जा रही है। जल्द उसे गिरफ्तार किया जाएगा।

ओमान में फंसे युवक के स्वदेश आने की बढ़ी उम्मीद

सुल्तानुपर। ओमान में रोजगार के लिए गए तहसील क्षेत्र के एक युवक को वहां के एक ठेकेदार ने बंधुआ मजदूर बना रखा है। चोरी से परिवार वालों को सूचना मिलने पर समाजसेवी ने उसे देश वापस लाने का प्रयास शुरू कर दिया है।

युवक के देश में आने की उम्मीद बढ़ गई है। क्षेत्र के हमजापुर पठान गांव निवासी अबरार अहमद ने अपने पुत्र दाऊद को रोजगार के लिए ओमान भेजा था। दाउद ओमान में इलेक्ट्रिशियन का काम करने के लिए इलेक्ट्रिक ठेकेदार फहद जायद अलमुश्फिरी के चंगुल में फंस गया। 5 जुलाई 2022 से 15 महीने तक दाउद को काम कराने के बाद भी ठेकेदार ने पैसे नहीं दिए। पैसा नहीं देने व अकामा (लाइसेंस) न बनवाने के कारण दाउद एवं ठेकेदार के बीच विवाद हो गया। दाउद ने ठेकेदार के खिलाफ ओमान की अदालत में मुकदमा दायर कर दिया। अदालत में ठेकेदार से दाउद को भारत भेजने की शर्त पर समझौता हुआ। समझौते के बाद भी ठेकेदार ने उसे भारत वापस नहीं भेजा।

दाउद के पिता ने सामाजिक कार्यकर्ता अब्दुल हक से संपर्क किया। अब्दुल हक ने अपने प्रयास से इसी जिले के ओमान में रह रहे तौफीक से संपर्क किया। उनके प्रयास से तौफीक ने तैंतीस हजार रुपये अकामा का जुर्माना जमा कराकर उसके भारत आने का रास्ता साफ कराया।

अब्दुल हक ने बताया कि पासपोर्ट की जांच के बाद दाउद चार-पांच दिन में अपने घर पहुंच जाएगा। दाउद के घर आने की खबर से परिजनों में खुशी है। अभी तक अब्दुल हक ने विदेश में फंसे लगभग 55 लोगों को स्वदेश लाने में मदद की है।

एयरपोर्ट रनवे के लिए 23 किसानों ने दी जमीन, 290 एकड़ जमीन का बैनामा पूरा कराने का लक्ष्य

वाराणसी। एयरपोर्ट के रनवे विस्तार और नए टर्मिनल भवन के लिए चिह्नित जमीन की खरीद के लिए राज्य सरकार ने 550 करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी कर दी है। लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के विस्तारीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अब तक 23 किसानों ने एयरपोर्ट में रनवे विस्तार के लिए अपनी करीब एक एकड़ जमीन का बैनामा कर दिया है। नवंबर तक 5932 किसानों से विस्तारीकण के लिए चिह्नित 290 एकड़ जमीन का बैनामा पूरा कराने का लक्ष्य रखा गया है। किसानों से जमीन लेने के बाद दिसंबर में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को स्वामित्व सौंपा जाएगा। एयरपोर्ट के रनवे विस्तार और नए टर्मिनल भवन के लिए चिह्नित जमीन की खरीद के लिए राज्य सरकार ने 550 करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी कर दी है। अब प्रशासन ने सहमति के आधार पर किसानों से बैनामा लेना शुरू कर दिया है। खेतों में खड़ी फसल कटने के बाद इस पर कब्जे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसमें सगुनहा, घमहापुर, करमी, बैकुंठपुर, पुरा रघुनाथपुर और बसनी समेत अन्य गांव शामिल हैं। इन गांवों की 290 एकड़ जमीन चिह्नित की गई है। इसके लिए 5955 किसानों की गाटावार जमीन का ब्योरा भी जुटाया गया है। दरअसल, 109 एकड़ में रनवे का विस्तार और 181 एकड़ जमीन पर नए टर्मिनल भवन का निर्माण प्रस्तावित है। रनवे विस्तार के लिए पुरा रघुनाथपुर व बसनी में 109 एकड़ जमीन ली जाएगी। टर्मिनल भवन सहित अन्य सुविधाओं के लिए घमहापुर, धरमनपुर, सगुनहा, बैकुंठपुर कर्मी और मंगारी से 181 एकड़ जमीन ली जाएगी। जमीन की खरीद के लिए 1018 करोड़ रुपये खर्च का आंकलन किया गया है।

बोइंग और मालवाहक विमानों की आसान होगी लैंडिंग व टेकऑफ

वर्तमान में एयरपोर्ट के रनवे की लंबाई 2743 मीटर है और नए प्रस्ताव के मुताबिक इसे 4075 किया जाना है। सिडनी की तर्ज पर रनवे के नीचे से सड़क गुजारने की भी योजना है। 650 मीटर के टनल पर 400 करोड़ रुपये के खर्च का अनुमान है।

डेंगू और वायरल फीवर का प्रकोप- सरकारी अस्पतालों में वार्ड फुल, कहीं फिजिशियन तो कहीं बाल रोग विशेषज्ञ ही नहीं

वाराणसी। मंडलीय अस्पताल कबीरचौरा में कुल 330 बेड हैं। इस समय यहां करीब 300 मरीज भर्ती हैं। रविवार को अस्पताल का डेंगू वार्ड, इमरजेंसी और चिल्ड्रेन वार्ड मरीजों से भरा पड़ा था। इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर और पैरामेडिकल स्टाफ मरीजों की जांच, इलाज में लगे थे। किसी को जोड़ों में दर्द अधिक है तो किसी का बुखार कम नहीं हो रहा है। प्लेटलेट्स भी 50 हजार के नीचे आ गया। तेज बुखार से बच्चे भी परेशान हैं। वह दर्द से कराह रहे हैं। सरकारी अस्पतालों में ऐसे तमाम लोग भर्ती भी हैं। चिल्ड्रेन, मेडिकल और सर्जिकल वार्ड सहित अन्य वार्ड फुल हैं। पर्याप्त डॉक्टर नहीं हैं। इससे इलाज में दिक्कत आ रही है। जो डॉक्टर ओपीडी में परामर्श दे रहे हैं, वही वार्ड में भर्ती मरीजों को भी देख रहे हैं।

254 बेड का जिला अस्पताल, 240 पर मरीज भर्ती

डेंगू, वायरल फीवर के प्रकोप जारी है। 254 बेड वाले दीनदयाल उपाध्याय जिला अस्पताल में 240 मरीज भर्ती हैं। इसमें बच्चे, महिलाएं भी शामिल हैं। मरीजों की संख्या भी हर दिन बढ़ रही है। यहां स्वीकृत 50 पदों के सापेक्ष 31 पर स्थायी डॉक्टर हैं। 13 संविदा और चार पुनर्नियोजन के डॉक्टरों से काम चलाया जा रहा है।

यहां फिजिशियन के पांच पदों में केवल 3 चिकित्सक हैं, जबकि चर्म रोग विशेषज्ञ, चेस्ट फिजिशियन, हृदय रोग विशेषज्ञ नहीं है। स्थिति यह है कि ओपीडी में 150 से 200 लोगों को परामर्श देने के बाद डॉक्टर वार्ड में भी मरीजों को देख रहे हैं। सीएमएस डॉ. दिग्विजय सिंह के अनुसार, अस्पताल के लिए जो उपलब्ध संसाधन हैं, उनमें सभी मरीजों का बेहतर इलाज हो रहा है। शिफ्टवार डॉक्टरों की ड्यूटी लगाई गई है।

शास्त्री अस्पताल में भी बेड फुल

शास्त्री अस्पताल रामनगर में 153 बेड का अस्पताल मरीजों से भरा पड़ा है। यहां 120 से अधिक मरीज अलग-अलग वार्ड में हैं। डेंगू के साथ ही मेडिकल वार्ड व इमरजेंसी में भी हर बेड पर मरीज हैं। यहां डॉक्टरों के कुल 32 पदों में से 16 खाली हैं। हृदय रोग, बाल रोग, दंत चिकित्सक, प्लास्टिक और न्यूरो सर्जन तो हैं ही नहीं।

यही नहीं इमरजेंसी में आने वाले मरीजों के इलाज के लिए इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर के चार पदों में कोई नहीं है। यहां भी 20 बेड बढ़ाने का फैसला लिया गया है। जब पहले से ही डॉक्टरों का संकट है तो बेड बढ़ने के बाद कैसे इलाज होगा। सीएमएस डॉ. अमरेंद्र चंद दूबे के अनुसार खाली पदों के बारे में अधिकारियों को जानकारी दी जा चुकी है। अस्पताल में मौजूद डॉक्टारों को ओपीडी के साथ ही वार्ड में भर्ती मरीजों के इलाज के लिए लगाया गया है।

डेंगू वार्ड, इमरजेंसी फुल, चिल्ड्रेन वार्ड में भी जगह नहीं

मंडलीय अस्पताल कबीरचौरा में कुल 330 बेड हैं। इस समय यहां करीब 300 मरीज भर्ती हैं। रविवार को अस्पताल का डेंगू वार्ड, इमरजेंसी और चिल्ड्रेन वार्ड मरीजों से भरा पड़ा था। इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर और पैरामेडिकल स्टाफ मरीजों की जांच, इलाज में लगे थे। यहां भी अगर पदों की बात करें तो कुल 41 स्वीकृत पदों के सापेक्ष 30 डॉक्टर सेवा दे रहे हैं।

इसमें भी हृदय रोग विशेषज्ञ, रेडियोलॉजिस्ट, चेस्ट फिजिशियन का संकट दूर नहीं हो पाया है। चेस्ट फिजिशियन में दो पदों में दोनों खाली चल रहे हैं। ईएनटी में भी एक चिकित्सक नहीं है। ऐसे में मरीजों का इलाज इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर सहित अन्य जो विशेषज्ञ हैं, उनके सहारे चल रहा है।

अस्पताल के एसआईसी डॉ. एसपी सिंह ने बताया कि जो भी मरीज अस्पताल आ रहे हैं, उनका जहां भी जगह मिल रहा है, रखकर इलाज किया जा रहा है। डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ की निगरानी की जा रही है।

जेंडर इक्वालिटि और राजनीति में महिलाओं की भागीदारी से आप संतुष्ट हैं?- गीतांश

वाराणसी। महिलाएं अपनी शक्ति को याद रखें । उनकी हर क्षेत्र में बराबर की हिस्सेदारी है। जब उन्होंने राजनीति के क्षेत्र में कदम रखा तो आसपास और रिश्तेदार कहते थे कि ये क्षेत्र महिलाओं के लिए ठीक नहीं है। कुछ नहीं कर पाएंगी। लेकिन, मैंने हार नहीं मानी। परिवार का साथ मिला और आज यहां हूं। आप दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को संभाल रही हैं। बड़े निर्णय लेते समय मानसिक संतुलन बनाए रखने के लिए क्या करती हैं? आदित्य मिश्रा, कोई भी काम करते समय या निर्णय लेते समय हमें सच्चाई, ईमानदारी और अनुशासन का ख्याल रखना चाहिए। अगर आप कोई भी काम सच्चाई के साथ करते हैं तो मन में कोई डर नहीं आता। और जब मन में डर न हो तो मानसिक दबाव नहीं झेलना पड़ता। परिवार और दोस्त मानसिक संतुलन को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण हैं। कॉलेज के दौरान की चैलेंजिंग लाइफ से कभी आपको तनाव का सामना करना पड़ा। आपने अपना बचाव कैसे किया? – दिव्या गांधी

जिंदगी में कभी हार नहीं मानना चाहिए। इसी सोच के साथ हमेशा जीवन में आगे बढ़ी। आपकी समस्या का समाधान केवल आप ही कर सकते हैं। लोग बस आपको सुझाव दे सकते हैं। खुद को समय दें। खुद से बात करें और खुद में ये दृढ़ निश्चय करें कि हम कुछ भी कर सकते हैं। कोई काम कठिन नहीं। इस सोच के साथ आगे बढ़ेंगे तो आप सबकुछ कर सकते हैं। सिंगल मदर को तमाम चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इससे निजात दिलाने की कोई व्यवस्था है क्या? अरुणांश सिन्हा केंद्र सरकार की तरफ से कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। किसी महिला को यह नहीं सोचना चाहिए कि वह कमजोर है। मजबूती के साथ आगे बढ़ना चाहिए। महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। नौकरी के साथ ही परिवार भी संभाल रही हैं।

अब संस्कृत में होगी पर्यावरण की भी पढ़ाई

अग्निमीले पुरोहितं यज्ञस्य देवमृत्विजम होतारं रत्नधातमम अर्थात हम अग्निदेव की स्तुति करते हैं। अग्निदेव यज्ञ के पुरोहित, देवता ऋत्विज, होता और याचकों को रत्नों से विभूषित करने वाले हैं। ऋग्वेद का पहला मंत्र जल्द ही पर्यावरण पाठ्यक्रम का अंग होगा। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय जल्द ही वैदिक परंपरा पर आधारित पर्यावरण पाठ्यक्रम तैयार करने जा रहा है। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में शास्त्री की कक्षाओं में छात्र-छात्राएं नए सत्र से पर्यावरण का नया पाठ्यक्रम पढ़ेंगे। वेद, उपनिषद और पुराणों को आधार बनाकर पर्यावरण का नया पाठ्यक्रम जल्द ही तैयार होगा। इसके लिए सात सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया। वैदिक परंपरा के आधार पर पर्यावरण का पाठ्यक्रम तैयार करने वाला यह पहला विश्वविद्यालय होगा। पाठ्यक्रम में पर्यावरण के स्वरूप, तत्व, भेद, रक्षा के उपाय, प्रभाव, विभिन्न श्रेणियां, पर्यावरण से संरक्षण के फायदे, लक्ष्य, तनाव प्रबंधन, सामान्य प्रबंध के साथ ही पर्यावरण के जरिए विश्व बंधुत्व के भाव को भी समाहित किया जाएगा। छात्र कल्याण संकायाध्यक्ष प्रो. हरिशंकर पांडेय के नेतृत्व में पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए समिति ने अपना कार्य शुरू कर दिया है। वेद, संहिता, उपनिषद और भारतीय संस्कृति के अध्ययन के आधार पर पाठ्यक्रम तैयार किया जाएगा। प्रो. पांडेय ने बताया कि कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्मा के निर्देशन में इस पाठ्यक्रम को तैयार किया जा रहा है। नए सत्र से इसे लागू भी कर दिया गया है। कहा कि पहले वेद ऋग्वेद के पहले मंत्र की शुरूआत ही प्रकृति की आराधना से होती है। इसमें अग्नि की आराधना की गई है। पुराणों में वर्णन है कि दशकूप समा वापी, दशवापी समोहृदः। दशहृद समः पुत्रो, दशपुत्रो समो द्रुमः। इसका तात्पर्य है कि दस पुत्रों की तुलना एक वृक्ष से की गई है। इसको आधार बनाकर ही पर्यावरण का नया पाठ्यक्रम तैयार किया जा रहा है। भगवान शिव के अष्टमूर्ति स्वरूप को केंद्र में रखकर इस पाठ्यक्रम को तैयार किया जा रहा है। प्रो. पांडेय ने बताया कि संविवि देश का पहला विश्वविद्यालय होगा जिसमें वैदिक परंपरा के आधार पर पर्यावरण का पाठ्यक्रम तैयार किया गया है।

कृपासिंधु बोले मुसुकाई, सोइ करु जेहिं तव नाव न जाई...

वाराणसी। कृपासिंधु बोले मुसुकाई, सोइ करु जेहिं तव नाव न जाई। बेगि आनु जलपाय पखारू, होत बिलंबु उतारहि पारू। अर्थात कृपा के समुद्र श्री रामचंद्रजी केवट से मुस्कुराकर बोले भाई ! तू वही कर जिससे तेरी नाव न जाए।

जल्दी पानी ला और पैर धो ले। देर हो रही है, पार उतार दे। रविवार को रामनगर की रामलीला का केवट और राम के संवाद का प्रसंग नेमियों को भाव विभोर कर गया। केवट बिना चरण पखारे प्रभु श्रीराम को नाव पर बैठाने से इंकार कर देता है। गंगा पार कराने के बाद पारिश्रमिक लेने के बजाय पैर पकड़ लेता है। हवाला देता है कि हम दोनों खेवनहार हैं। आज मैंने आपको गंगा पार कराया कल आप मुझे भवसागर पार करा दीजिएगा। रामनगर की विश्व प्रसिद्ध रामलीला के ग्यारहवें दिन दसवें लीला में गंगावतरण, भारद्वाज समागम, यमुनावतरण, वाल्मीकि समागम, चित्रकूट निवास व सुमंत का अयोध्या गमन आदि लीलाओं का मंचन किया गया। प्रसंगानुसार प्रभु श्रीराम को वट वृक्ष के दूध से जटा बनाते देख सुमंत रो पड़ते हैं। श्रीराम सुमंत को समझाते हुए कहते हैं कि आप अयोध्या जाकर महाराज दशरथ को समझाइए कि वह हमारे शोक में दुखी न हो। इसी समय लक्ष्मण के महाराज दशरथ पर क्रोधित होने पर श्रीराम डांट कर चुप कराते हैं। प्रभु की आज्ञा का पालन करते हुए सुमंत अयोध्या लौट जाते हैं। श्रीराम निषादराज के साथ गंगा किनारे जाते हैं और केवट से आग्रह कर गंगा पार कर प्रयागराज पहुंच जाते हैं। त्रिवेणी स्नान ध्यान कर सपरिवार भारद्वाज ऋषि आश्रम पहुंच उन्हें प्रणाम करते हैं।

रास्ते में ग्रामवासी प्रभु से मिलकर धन्य होते हैं तो तपस्वी वेषधारी हनुमानजी प्रभु श्रीराम व सीता को प्रणाम करते हैं। श्रीराम उन्हें गले लगाते हैं और उनकी आज्ञा से निषादराज वापस लौट जाते हैं। श्रीराम आगमन की जानकारी पर वाल्मीकि मुनि उन्हें चित्रकूट में निवास की सलाह देते हैं। चित्रकूट पहुंचकर श्रीराम सपरिवार मंदाकिनी में स्नान करते हैं और विश्वकर्मा भगवान सुंदर कुटिया का निर्माण करते हैं। इसी के साथ आरती संग रामलीला को विश्राम दिया जाता है।

संक्षिप्त समाचार

जिला जज न्यायालय में गवाही देने पहुंचे केंद्रीय मंत्री, विधानसभा चुनाव 2022 में हुआ था हमला

आगरा। केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल विधानसभा चुनाव 2022 में करहल से चुनाव लड़े थे। उस दौरान उनके काफिले पर हमला हुआ था। मैनपुरी में 2022 के विधानसभा चुनाव में हुई घटना से संबंधित मुकदमे में गवाही देने के लिए मंगलवार को केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल मैनपुरी पहुंचे। उन्होंने जिला जज न्यायालय में जिला शासकीय अधिवक्ता के माध्यम से अपनी गवाही दी। मामला करहल विधानसभा क्षेत्र में हुए चुनाव के दौरान केंद्रीय मंत्री के काफिले पर हमले का है। विधानसभा चुनाव में मैनपुरी की करहल सीट से भाजपा ने केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल को प्रत्याशी बनाया था। वहीं सपा प्रमुख अखिलेश यादव खुद यहां से चुनावी मैदान में थे। चुनावी जनसंपर्क के लिए जा रहे केंद्रीय मंत्री के काफिले पर अराजक तत्वों ने हमला बोल दिया दिया था। मामले में जानलेवा हमला करने समेत अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने मामले में जांच के बाद न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था। इसी मामले में जिला जज न्यायालय में मंगलहार को सुनवाई हुई। सुनवाई में केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल सोमवार को सुबह 11 बजे गवाही देने के लिए पहुंचे। उन्होंने जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी वीरेंद्र कुमार मिश्रा के माध्यम से न्यायलय में गवाही दी। न्यायालय में गवाही देने के बाद कुछ देर वे दीवानी में रुके और फिर आगरा लौट गए।

मारपीट कर दबाया पत्नी का गला, मौत

औरैया। अजीमतल कोतवाली क्षेत्र के नवलपुर ब्योरा में पति ने मारपीट के बाद गला दबाकर पत्नी की हत्या कर दी। जानकारी पर पहुंची पुलिस ने मौके से शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की सूचना पर पहुंचे एएसपी ने मौके पर जांच की। हत्या की जानकारी पर एसपी की ओर से गठित टीम ने घटना के बाद फरार हुए हत्यारोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। कानपुर देहात के मंगलपुर थाना क्षेत्र अचरौली निवासी गौरीशंकर ने पुलिस को बताया कि बेटी मनीषा (30) की शादी 10 साल पहले अजीतमल कोतवाली क्षेत्र के नवलपुर ब्योरा निवासी सतीश पाल के साथ की थी। वह रोडवेज में संविदा पर कार्य करता है। उनका एक सात वर्षीय बेटा आयुष व पांच वर्षीय बेटी जाह्नवी है। दहेज के लिए आरोपी दामाद अपनी भाभी शीला के साथ मिलकर आए दिन बेटी के साथ मारपीट करता था। इसके चलते दो साल तक बेटी मायके में रही। अभी छह माह पहले ही लौटी थी। सोमवार को आरोपी दामाद सतीश उसकी भाभी शीला व मां सावित्री ने मिलकर बेटी की मारपीट के बाद गला दबाकर हत्या कर दी। पड़ोसियों से मिली जानकारी पर वह मौके पर पहुंचा, तो उसे बेटी का शव संदिग्ध हालात में घर के अंदर जमीन पर पड़ा मिला। आरोपियों ने उसे भी जान से मारने की धमकी दी है।

मृतका के फोन की तलाश कर रही पुलिस

महिला की हत्या के पीछे फोन पर बात करने को लेकर विवाद होने की बात सामने आयी है। हत्या के पीछे की सही वजह क्या है। इसके लिए पुलिस मृतका फोन तलाश कर रही है। फोन मिलने पर कई तथ्य सामने आ सकते हैं। सास सावित्री देवी ने बताया है कि रात में दोनों के बीच काफी झगड़ा हुआ था। परिजनों ने पहले पुलिस को महिला के सीढ़ियों से गिरने से मौत होने की जानकारी देकर गुमराह करने का प्रयास किया, लेकिन जांच के दौरान महिला के चेहरे और गले पर चोटों के निशान मिलने से पूरी पोल खुल गई। - दिगंबर कुशवाहा, एएसपी

पत्नी की हत्या के बाद फरार हुए हत्यारोपी पति को टीम गठित कर गिरफ्तार कर लिया है। वहीं पुलिस को मौके पर जांच के दौरान मृतका के चेहरे व गले पर चोटों के निशान मिले हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पीड़ित परिजनों की ओर से अभी तहरीर नहीं दी गई है। तहरीर मिलने पर उसी अनुसार कार्रवाई की जाएगी। - चारु निगम, एसपी

10 मिनट पहले ही फोन पर बेटे ने जाना था मां का हालचाल

औरैया। अब उनका बेटा उन्हें कभी नहीं मिल पाएगा। यह कहकर मृतक एसएसई वीरेंद्र की मां रामप्यारी फफक पड़ी। रामप्यारी के अनुसार पिता की मौत के बाद वीरेंद्र उनका खूब ध्यान रखता था। घटना के 10 मिनट पहले ही मां से फोन करके उनका हाल चाल लिया था। घटना की जानकारी होने पर दिबियापुर की रेलवे कालोनी स्थित एसएसई आवास पर पहुंची रामप्यारी के अनुसार लगभग 14 माह पहले वीरेद्र इटावा में पीडब्ल्यूआई थे। पिता विजय बहादुर की बीमारी के बीच उनका अपने गांव के नजदीक फफूंद रेलवे स्टेशन पर स्थानांतरण हो गया। इसके चलते वह काफी खुश थे। वह चाहते थे कि बीमार पिता विजय बहादुर की सेवा करें, लेकिन स्थानांतरण के एक माह बाद ही पिता का निधन हो गया था। इसके बाद मां रामप्यारी के हाल चाल लेने और खेती बाड़ी की देखरेख करने के लिए प्रत्येक सप्ताह गांव जाते थे। रामप्यारी के अनुसार रविवार की सुबह भी वीरेंद्र गांव गए थे। पूरा दिन रुकने के बाद शाम को दिबियापुर चले आए थे। सोमवार की सुबह भी घटना से लगभग 10 मिनट पहले ही वीरेंद्र ने फोन कर उनका हाल चाल लिया था, लेकिन उन्हें क्या पता था कि फोन पर उनकी बेटे से बातचीत आखिरी होगी। इधर, जीआरपी चौकी भर्थना से पहुंचे दरोगा मुनेंद्र सिंह ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। मुनेंद्र सिंह ने बताया कि शव की शिनाख्त उनके रिश्तेदारों ने की है।

एसएसई ने चार वर्ष पहले खोया था बड़ा बेटा

रामप्यारी ने बताया कि वीरेंद्र के दो बेटे थे। इनमें से बड़े बेटा इंजीनियर ऋषभ बंगलौर में नौकरी कर रहा था। लगभग चार वर्ष पहले हार्ट अटैक से ऋषभ की मृत्यु हो गई थी। बड़े बेटे की मौत के बाद वीरेंद्र काफी टूट गए थे। उनका छोटा बेटा कपिल गाजियाबाद में तैयारी कर रहा है। उसके सोमवार देर शाम तक दिबियापुर पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है।

प्रतिदिन ट्रेन से जाते थे ड्यूटी

मां रामप्यारी ने बताया कि वीरेंद्र प्रतिदिन ट्रेन से जाते थे और खाना के लिए टिफन लेकर जाते थे। लेकिन सोमवार को लेट होने के कारण वह स्कूटी से गए थे। खाना घर से ही खाकर निकले थे, इसके चलते टिफन नहीं लेकर गए थे।

12 वर्षीय भतीजे की रस्सी से पिटाई, किया ऐसा हाल...; पीठ के निशान देख खड़े हो जाएंगे रोंगटे

आगरा। परिवार के ही चाचा ने 12 वर्षीय भतीजे के साथ बर्बता की हदों को पार कर दिया। रस्सी से उसकी इस कदर पिटाई की कि पूरी पीठ लाल निशानों से भर गई। परिवार के लोगों ने जब ये देखा तो आरोपी के खिलाफ एसएसपी से शिकायत की। मथुरा के सौंख में दबंगों ने 12 वर्षीय किशोर को रस्सी से पिटाई लगा दी। जिससे किशोर की शरीर पर रस्सी के निशान बन गए। पीड़ित का आरोप है कि चाचा ने किशोर को रस्सी से मारपीट की है। मामले में पीड़ित किशोर की लेकर एसएसपी से न्याय की गुहार लगाई। एसएसपी के आदेश पर पुलिस जांच कर रही है।

यहां का है मामला

थाना मगोर्रा गांव कोसीखुर्द निवासी बनिया पुत्र रतन सिंह सोमवार की सुबह अपने घर पर खेल रहा था। तभी परिवार के ही चाचा गीतम सिंह व रोहितास ने किशोर बनिया को पकड़ कर रस्सी से मारपीट कर दी। इससे किशोर के शरीर पर रस्सी के निशान बन गए। किशोर का रो-रोकर बुरा हाल है। इसे लेकर पीड़ित के सगे चाचा बल्ल सिंह उसको लेकर एसएसपी कार्यालय पहुंचे और न्याय की गुहार लगाई।

जांच के आदेश

एसएसपी शैलेष कुमार पांडेय के आदेश पर थाना मगोर्रा पुलिस सक्रिय हुई और जांच में जुट गई है। थाना प्रभारी पुष्पेंद्र सिंह का कहना है कि परिवार का आपसी मामला है। बताया जा रहा पीड़ित पक्ष पूर्व में कई बार अपने बच्चों से मारपीट करके शिकायत करता आ रहा है।

बरेली-मथुरा नेशनल हाईवे पर आगे चल रहे ट्रक से टकराया दूसरा ट्रक, चालक की मौत

बदायूं। रेली-मथुरा नेशनल हाईवे पर बिनावर कस्बे में थाने के नजदीक हादसा हो गया। यहां आगे चल रहे ट्रक से पीछे से दूसरा ट्रक टकरा गया। हादसे में ट्रक चालक की मौत हो गई। बदायूं में बरेली-मथुरा नेशनल हाईवे पर मंगलवार तड़के दो ट्रकों की टक्कर हो गई, जिससे बरेली के संजय नगर निवासी चालक अनिल की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि अनिल पुत्र जगदीश अपना ट्रक लेकर बदायूं से बरेली जा रहा था। उसके ट्रक में धान की बोरियां लदी थीं। हेल्पर के तौर पर उसका भाई भी ट्रक में सवार था। यह ट्रक मंगलवार सुबह करीब 3ः30 बजे बिनावर थाने के नजदीक पहुंचा था। उसके आगे चल रहे ट्रक ने अचानक ब्रेकर पर ब्रेक लगाए कि तभी पीछे से तेज रफ्तार से आ रहा अनिल का ट्रक टकरा गया, जिससे उसके ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। इस हादसे में चालक की मौत हो गई। उसका शव ट्रक के केबिन में फंस गया। हादसे की सूचना पर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने जैसे तैसे चालक के शव को बाहर निकाला। हादसे में उसका भाई भी घायल हुआ है, उसे जिला अस्पताल भेजा गया, जहां से उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। हादसे की सूचना मिलने पर उसके परिवार में कोहराम मच गया।

डीएम के प्रयास से निर्विवादित वरासत में जनपद को प्रदेश में मिला अव्वल स्थान

04 माह 09 दिवस की अल्पावधि में 10278 वरासतों का हुआ अंकन

त्रिगुट संवाददाता

बहराइच। मा. मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश श्री योगी आदित्यनाथ जी के निर्देश पर जिलाधिकारी मोनिका रानी के मार्गदर्शन एवं कुशल नेतृत्व में जनपद में 29 मई 2023 से 09 अक्टूबर 2023 तक की अवधि में निर्विवादित वरासत से सम्बन्धित प्राप्त हुए 11731 आवेदन-पत्रों में से निर्विवादित 10278 आवेदन पत्रों में आदेश पारित कराकर उनके परिजनों के नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज कराते हुए निःशुल्क खतौनी वितरण कराया गया है।

उल्लेखनीय है कि विगत 05 अक्टूबर 2023 को मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन द्वारा की गई राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक में पाया गया कि आकांक्षात्मक जनपद बहराइच ने निर्विवादित वरासत दर्ज करने में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जिले को यह उपलब्धि प्राप्त होने पर जिलाधिकारी मोनिका रानी द्वारा जनपद के समस्त उप जिलाधिकारियों, तहसीलदारों, राजस्व निरीक्षकों एवं लेखपालों की भूरि-भूरि प्रशंसा की गयी है। डीएम ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों से यह भी अपेक्षा की है कि जिले में कोई भी प्रकरण चिन्हित होने से छूटे न क्योंकि यह अनवरत समीक्षा एवं पर्यवेक्षण का कार्य है। सभी अधिकारी कृषकों के हितो एवं सम्मान के लिए भविष्य में भी इसी प्रकार रूचि, निष्पक्षता एवं ऊर्जा से कार्य करें, ताकि निर्विवादित मृतक खातेदारों के वारिसानों का नाम अभिलेखों में समय से दर्ज हो और उन्हें किसी प्रकार की कोई कठिनाई न होने पाये। जनपद में कुल उपलब्धि तहसीलवार योगदान की बात की जाय तो तहसील बहराइच सदर में 1659, नानपारा में 2123, कैसरगंज 2210, महसी में 1702, पयागपुर 1494, मिहींपुरवा (मोतीपुर) में 1090 निर्विवादित मृतक खातेदारों के वारिसानों का नाम अभिलेखों में दर्ज कर उन्हें खतौनी का वितरण किया गया।

मैनपुरी जिला जज न्यायालय में गवाही देने पहुंचे केंद्रीय मंत्री, विधानसभा चुनाव 2022 में हुआ था हमला

आगरा। मैनपुरी में 2022 के विधानसभा चुनाव में हुई घटना से संबंधित मुकदमे में गवाही देने के लिए मंगलवार को केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल मैनपुरी पहुंचे। उन्होंने जिला जज न्यायालय में जिला शासकीय अधिवक्ता के माध्यम से अपनी गवाही दी। मामला करहल विधानसभा क्षेत्र में हुए चुनाव के दौरान केंद्रीय मंत्री के काफिले पर हमले का है। विधानसभा चुनाव में मैनपुरी की करहल सीट से भाजपा ने केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल को प्रत्याशी बनाया था। वहीं सपा प्रमुख अखिलेश यादव खुद यहां से चुनावी मैदान में थे। चुनावी जनसंपर्क के लिए जा रहे केंद्रीय मंत्री के काफिले पर अराजक तत्वों ने हमला बोल दिया दिया था। मामले में जानलेवा हमला करने समेत अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने मामले में जांच के बाद न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था। इसी मामले में जिला जज न्यायालय में मंगलहार को सुनवाई हुई। सुनवाई में केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल सोमवार को सुबह 11 बजे गवाही देने के लिए पहुंचे। उन्होंने जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी वीरेंद्र कुमार मिश्रा के माध्यम से न्यायलय में गवाही दी। न्यायालय में गवाही देने के बाद कुछ देर वे दीवानी में रुके और फिर आगरा लौट गए।

"उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान" हेतु 10 नवम्बर तक प्रस्तुत किये जा सकते हैं नामांकन

बहराइच। उत्तर प्रदेश के ऐसे ख्यातिलब्ध महानुभावों, जिन्होंने विभिन्न विधाओं एवं कार्य क्षेत्रों यथा-कला व संस्कृति, कृषि, उद्यमिता, कौशल विकास, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, साहित्य, शिक्षा, खेल, समाजसेवा, पर्यावरण, महिला सशक्तिकरण, ग्राम विकास आदि में अपने व्यक्तिगत प्रयासों से उत्कृष्टता के आयाम स्थापित करते हुए राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर गौरव हासिल किया है, उन्हें वित्तीय वर्ष 2023-24 में उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान से अलंकृत किया जायेगा। उ.प्र. गौरव सम्मान हेतु चयनित/पुरस्कृत कलाकार/महानुभावों को रू. 11.00 लाख (रू. ग्यारह लाख) नकद धनराशि, अंगवस्त्र एवं ताम्रवस्त्र/मोमेन्टो भेंट स्वरूप प्रदान किया जायेगा। पुरस्कार हेतु इच्छुक महानुभाव 10 नवम्बर 2023 तक अपने नामांकन निर्धारित प्रपत्र पर प्रेषित कर सकते हैं। यह जानकारी देते हुए जिलाधिकारी मोनिका रानी ने बताया कि शास्त्रीय संगीत/लोक संगीत (गायन, वादन, नृत्य)/ललित कलायें/नाट्य विधायें/फिल्म व मीडिया, समाजसेवा, समाज कल्याण, युवा कल्याण, महिला कल्याण एवं दिव्यांग कल्याण, कृषि, उद्यान, दुग्ध विकास, गोसेवा, पशुपालन, वन एवं वन्यजीव तथा पर्यावरण संरक्षण आदि, उद्यमिता, कौशल विकास, रोजगार सृजन, स्वावलंबन सहित अन्य क्षेत्रों यथा (शिक्षा, साहित्य, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, खेल इत्यादि के क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान करने वाले महानुभाव) जिन्हें स्क्रीनिंग समिति सुपात्र समझे उन्हें "उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान" प्रदान किया जायेगा। उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान हेतु उत्तर प्रदेश के ऐसे मूल निवासी जिन्होंने विभिन्न विधाओं/कार्य क्षेत्रों के ऐसे राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के ख्याति प्राप्त महानुभाव, जिन्होंने अपनी प्रतिभा, दीर्घ साधना के आधार पर श्रेष्ठ उपलब्धि प्राप्त की हो। जिन्होने देश एवं विदेश में उत्तर प्रदेश का नाम रोशन किया हो। राज्य सरकार अथवा भारत सरकार से पूर्व में किसी अन्य राष्ट्रीय/राज्य पुरस्कार अथवा सम्मान प्राप्त महानुभाव को सामान्यतया इस पुरस्कार की पात्रता परिधि में नहीं रखा जायेगा। उ.प्र. गौरव सम्मान के लिये संस्तुतकर्ता द्वारा नामांकित महानुभाव/कलाकार की विशिष्ट उपलब्धियों का सम्पूर्ण विवरण स्पष्ट रूप से अंकित करते हुए निदेशक, संस्कृति निदेशालय को प्रेषित किया जायेगा। निदेशक, संस्कृति निदेशालय द्वारा परीक्षणोपरान्त मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित स्कीनिंग कमेटी के समक्ष प्रस्ताव प्रेषित किया जायेगा। स्क्रीनिंग कमेटी की संस्तुतियों पर मा. मुख्यमंत्री जी का अनुमोदन प्राप्त किया जायेगा।

मारपीट कर दबाया पत्नी का गला, मौत

औरैया। अजीमतल कोतवाली क्षेत्र के नवलपुर ब्योरा में पति ने मारपीट के बाद गला दबाकर पत्नी की हत्या कर दी। जानकारी पर पहुंची पुलिस ने मौके से शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की सूचना पर पहुंचे एएसपी ने मौके पर जांच की। हत्या की जानकारी पर एसपी की ओर से गठित टीम ने घटना के बाद फरार हुए हत्यारोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। कानपुर देहात के मंगलपुर थाना क्षेत्र अचरौली निवासी गौरीशंकर ने पुलिस को बताया कि बेटी मनीषा (30) की शादी 10 साल पहले अजीतमल कोतवाली क्षेत्र के नवलपुर ब्योरा निवासी सतीश पाल के साथ की थी। वह रोडवेज में संविदा पर कार्य करता है। उनका एक सात वर्षीय बेटा आयुष व पांच वर्षीय बेटी जाह्नवी है। दहेज के लिए आरोपी दामाद अपनी भाभी शीला के साथ मिलकर आए दिन बेटी के साथ मारपीट करता था। इसके चलते दो साल तक बेटी मायके में रही। अभी छह माह पहले ही लौटी थी। सोमवार को आरोपी दामाद सतीश उसकी भाभी शीला व मां सावित्री ने मिलकर बेटी की मारपीट के बाद गला दबाकर हत्या कर दी। पड़ोसियों से मिली जानकारी पर वह मौके पर पहुंचा, तो उसे बेटी का शव संदिग्ध हालात में घर के अंदर जमीन पर पड़ा मिला। आरोपियों ने उसे भी जान से मारने की धमकी दी है।

मृतका के फोन की तलाश कर रही पुलिस

महिला की हत्या के पीछे फोन पर बात करने को लेकर विवाद होने की बात सामने आयी है। हत्या के पीछे की सही वजह क्या है। इसके लिए पुलिस मृतका फोन तलाश कर रही है। फोन मिलने पर कई तथ्य सामने आ सकते हैं। सास सावित्री देवी ने बताया है कि रात में दोनों के बीच काफी झगड़ा हुआ था। परिजनों ने पहले पुलिस को महिला के सीढ़ियों से गिरने से मौत होने की जानकारी देकर गुमराह करने का प्रयास किया, लेकिन जांच के दौरान महिला के चेहरे और गले पर चोटों के निशान मिलने से पूरी पोल खुल गई। - दिगंबर कुशवाहा, एएसपी

पत्नी की हत्या के बाद फरार हुए हत्यारोपी पति को टीम गठित कर गिरफ्तार कर लिया है। वहीं पुलिस को मौके पर जांच के दौरान मृतका के चेहरे व गले पर चोटों के निशान मिले हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

मिड डे मील खाते वक्त विद्यार्थियों पर गिरा पानी टैंक

बदायूं। बधौली गांव के प्राथमिक स्कूल में मिड डे मील खाते वक्त विद्यार्थियों पर सोमवार दोपहर पानी टैंक गिर गया। इसके नीचे दबकर दो छात्र और एक रसोइया गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

एक छात्र की हालत गंभीर है। बताया जा रहा है कि बंदर स्कूल की छत पर धमाचौकड़ी कर रहे थे। इसी दौरान टैंक नीचे आकर गिर गया। विकास खंड अंबियापुर क्षेत्र के गांव बधौली स्थित प्राथमिक स्कूल में दोपहर करीब 12 बजे स्कूल परिसर में बैठकर विद्यार्थी मिड डे मील खा रहे थे। इसी दौरान स्कूल की छत पर रखे पानी के टैंक के पास कुछ बंदर आ गए, जिन्होंने टैंक को जोर से हिलाना शुरू कर दिया। टैंक के ठीक नीचे कक्षा एक के छात्र प्रशांत कुमार पुत्र विद्याराम, छात्रा कल्पना पुत्री रामनारायन एवं रसोइया रेखा देवी बैठे थे। उनके सिर पर ही अचानक टैंक गिर गया, जिससे तीनों लोग घायल होने के बाद बेहोश हो गए। स्कूल स्टाफ से एंबुलेंस बुलाकर तीनों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा।

प्रेमी के साथ गई पत्नी 7 महीने बाद लौटी, गुस्साए पति ने उठाया ऐसा कदम; कांप गए लोग

आगरा। पत्नी की जिद थी कि वो प्रेमी के साथ ही रहेगी। कई बार उसे समझाया भी गया, लेकिन वो नहीं मानी। पति को छोड़कर प्रेमी के साथ रहने लगी। इससे गुस्साए पति ने सरेआम प्रेमी को चाकू से गोदकर मार दिया। बीच सड़क पर हुए इस हत्याकांड को देखने वाले लोगों कै पैर कांप गए आगरा के थाना जगदीशपुरा से चंद कदम की दूरी पर आनंद नगर गली नंबर-6 में सोमवार को पति ने पत्नी के प्रेमी को चाकू से गोदकर मार डाला। सरेआम इस हत्याकांड से अफरातफरी मच गई। लोगों ने हत्यारोपी को पकड़ कर पीटा। मगर, वो बचकर भाग निकला और खुद थाने पहुंच गया। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। मृतक के परिजन के हंगामा करने पर पुलिस ने किसी तरह उन्हें समझाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घटना अपराह्न करीबन 3ः30 बजे की है। 35 वर्षीय बंटू जूता कारीगर था। डीसीपी सिटी सूरज राय ने बताया कि 7 माह पहले बंटू मोहल्ले के ही विनोद की पत्नी को ले गया था। तब से बोदला में किराये पर मकान लेकर रह रहा था। पुलिस से शिकायत नहीं की गई। रविवार को बंटू महिला को लेकर अपने घर लौट आया। इस बात की जानकारी विनोद को हो गई। वह बौखला गया।

बंटू घर से निकलकर जा रहा था। तभी रास्ते में विनोद ने उसे पकड़ लिया। दोनों में मारपीट होने लगी। मोहल्ले के लोग आते, तब तक विनोद ने चाकू निकाल लिया। आरोप है कि उसने चाकू से बंटू पर एक के बाद एक कई प्रहार किए। इससे वो लहूलुहान होकर गिर पड़ा। यह देखकर लोग आ गए। उन्होंने आरोपी को पकड़ लिया और उसे पीटा। मगर, वह भाग निकला। परिजन घायल बंटू को एसएन मेडिकल कॉलेज ले गए। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उधर, विनोद ने थाने पहुंचकर घटना की जानकारी दी। बताया कि झगड़ा हो गया है। पुलिस ने उसका मेडिकल कराया और केस दर्ज किया।

मोहल्ले में तनाव पर बुलाई फोर्स

मृतक बंटू और आरोपी विनोद के घर 100 मीटर की दूरी पर हैं। घटना से दोनों परिवार में तनाव की आशंका पर सर्किल के थानों की फोर्स बुला ली गई। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी की। इस पर परिजन हंगामा करने लगे। महिलाओं ने जाने नहीं दिया। महिला पुलिसकर्मियों ने किसी तरह रोका। बाद में लोगों को समझाकर शव को ले जाया गया। भागते बंटू को चाकू मारता रहा विनोद बंटू की बहन रजनी ने बताया कि उसकी चचेरी बहन ने बच्चे को जन्म दिया है। वह अस्पताल में भर्ती है। बंटू उसको देखने जा रहा था। तभी एक युवक आया। वह उसे बुलाकर बाहर ले गया। विनोद ने घेर लिया। बंटू पर चाकू से कई प्रहार किए।

वह बचने के लिए भागा। मगर, विनोद उसकी गर्दन, पीठ, कमर, पेट पर चाकू से ताबड़तोड़ प्रहार करता रहा। पूरी गली में खून ही खून फैल गया। आरोपी के घरवाले भी मौजूद थे। उन्होंने आरोपी के परिजन के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग की।

दातागंज में पहले दिन 50 दुकानें जमींदोज, आज भी चलेगा बुलडोजर, 200 और गिराई जाएंगी

बदायूं। एक सप्ताह पूर्व मिले अल्टीमेटम के बाद सभी दुकानदारों ने अपनी-अपनी दुकानें पहले ही खाली कर ली थीं। इसलिए अभियान के दौरान टीम को दिक्कत नहीं आई। शाहजहांपुर रोड चौड़ीकरण के लिए करीब 250 दुकानों को हटाया जाएगा। बदायूं के दातागंज में अरेला मोहल्ले की अवैध दुकानों पर तहसील प्रशासन ने सोमवार को बुलडोजर चलवा दिया। पहले दिन बगैर विरोध के करीब 50 दुकानें जमींदोज कर दी गईं। इनमें दो धर्मस्थलों की नौ दुकानें भी शामिल हैं। अवैध निर्माण तोड़ने में दो और मलबा उठाने के लिए एक जेसीबी लगाई गई थी। मंगलवार को भी कार्रवाई जारी रहेगी। अभी 200 दुकानें और गिराई जानी हैं। सोमवार सुबह करीब नौ बजे एसडीएम धर्मेंद्र कुमार सिंह और सीओ कर्मवीर सिंह के नेतृत्व में कार्रवाई शुरू हुई। इंस्पेक्टर सौरभ सिंह भी कोतवाली से पुलिस बल लेकर पहुंच गए। पीएसी के कुछ जवानों को भी मौके पर बुला लिया गया था। नगर पालिका प्रशासन से तीन जेसीबी मंगवाकर कार्रवाई शुरू दी गई।

दुकानदारों ने खाली कर ली थीं दुकानें हालांकि, एक सप्ताह पूर्व मिले अल्टीमेटम के बाद सभी दुकानदारों ने अपनी-अपनी दुकानें पहले ही खाली कर ली थीं। इसलिए अभियान के दौरान टीम को दिक्कत नहीं आई। कुछ दुकानदार अंतिम समय तक दुकानें बचाने के लिए अधिकारियों और स्थानीय नेताओं से गुहार लगाते रहे लेकिन उनकी मेहनत काम नहीं आई। कार्रवाई के दौरान संबंधित व्यापारी और कस्बे के तमाम लोग मौके पर पहुंच गए लेकिन किसी तरह का विरोध प्रदर्शन नहीं किया। अधिकारियों का कहना था कि पूरा अतिक्रमण टूटने के बाद शाहजहांपुर रोड काफी चौड़ी हो जाएगी। लोगों को जाम से भी राहत मिलेगी। आवागमन भी बढ़ जाएगा। अभियान के दौरान मस्जिद की चार दुकानें और देवी मंदिर की पांच दुकानें भी गिरा दी गईं। तहसील प्रशासन के अनुसार जब तक चिह्नित दुकानें ढहाई नहीं जाती तब तक यह अभियान चलता रहेगा।

सोमवार को कार्रवाई के दौरान एक दुकान का पिलर बिजली के खंभे पर जा गिरा, जिससे खंभा झुक गया। बताते हैं कि अभियान शुरू करने से पहले ही बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई थी। अभियान के खत्म होने के बाद खंभा भी ठीक करा दिया जाएगा।

एसडीएम धर्मेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि कस्बे के अरेला मोहल्ले में कार्रवाई पूरी होने के बाद सड़क भी ठीक करा दी जाएगी।

राज्य सूचना आयुक्त के जनपद भ्रमण कार्यक्रम में हुआ संशोधन

भ्रमण के दौरान राज्य सूचना आयुक्त अधिकारियों के साथ करेंगे बैठक

बहराइच। राज्य सूचना आयुक्त सुभाष चन्द्र सिंह के पूर्व प्रस्तावित जनपद भ्रमण कार्यक्रम में संशोधन हो गया है। राज्य सूचना आयुक्त अपने संशोधित भ्रमण कार्यक्रम के अनुसार अब 12 अक्टूबर 2023 को बहराइच पहुंचकर सूचना का अधिकार अधिनियम-2005 एवं उ0प्र0 सूचना का अधिकार नियमावली-2015 में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत पूर्वान्ह 11:00 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में कार्यालयाध्यक्ष/जन सूचना अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक/आरटीआई जागरूकता बैठक करेंगे।

यह जानकारी नगर मजिस्ट्रेट/प्रभारी अधिकारी वीआईपी शालिनी प्रभाकर ने दी है।

शादी का झांसा देकर संबंध बनाने वाले दोषी को आजीवन कारावास

औरैया। विशेष न्यायाधीश पॉक्सो अधिनियम मनराज सिंह ने लगभग दो साल पुराने महिला थाना औरैया में पंजीकृत मामले के नामजद आरोपी को नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने का दोषी माना। इस मामले में कोर्ट ने दोषी को आजीवन कारावास तथा पचास हजार रुपये अर्थदंड की सजा से दंडित किया। आरोपी पर शादी का झांसा देकर पीड़िता से शारीरिक संबंध बनाने व उससे शादी न करने का आरोप है। अभियोजन की ओर से पैरवी कर रहे डीजीसी अभिषेक मिश्रा व विशेष लोक अभियोजक पॉक्सो जितेंद्र सिंह तोमर व मृदुल मिश्रा ने बताया कि 18 अगस्त 2021 को पीड़िता के पिता ने महिला थाना औरैया में यह मामला पंजीकृत कराया। रिपोर्ट में वादी ने लिखा कि उसकी पुत्री से गांव सिखौला थाना औरैया निवासी विकास यादव का प्रेम प्रसंग चल रहा था। विकास उसकी पुत्री से शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाता रहा। जिससे उसकी पुत्री गर्भवती हो गई। वर्तमान में उसकी पुत्री नौ माह की गर्भवती है। विकास अब मेरी पुत्री से शादी करने से इंकार कर रहा है। शिकायत पर महिला थाना में दुष्कर्म व पॉक्सो अधिनियम के तहत मुकदमा लिखा गया। पुलिस ने विवेचना कर विकास के विरूद्ध कोर्ट में चार्जशीट प्रस्तुत की। यह मुकदमा विशेष न्यायाधीश पॉक्सो अधिनियम मनराज सिंह की कोर्ट में चला। अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक पॉक्सो जितेंद्र सिंह तोमर व मृदुल मिश्रा ने बहस की, कि शादी का झांसा देकर पीड़िता के साथ शारीरिक संबंध बनाए गए। जिससे पीड़िता एक बेटी की मां बन गई। पुलिस ने डीएनए परीक्षण कराया, तो रिपोर्ट में यह स्पष्ट हुआ कि पीड़िता के जन्मी बेटी का पिता अभियुक्त विकास ही है। दोनों पक्षकारों को सुनने के बाद एडीजे मनराज सिंह ने अभियुक्त विकास यादव को दुष्कर्म व पॉक्सो अधिनियम का दोषी माना। तथा उसे आजीवन कारावास की सजा से दंडित किया।

शहर मुफ्ती के दफ्तर का ताला काटकर माहौल बिगाड़ने की साजिश

आगरा। जामा मस्जिद में शहर मुफ्ती के दफ्तर का ताला काटकर शहर की शांत फिजा को बिगाड़ने का प्रयास किया गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया है। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता भी नामजद हैं। आगरा की शाही जामा मस्जिद परिसर में शहर मुफ्ती के कार्यालय का ताला काटकर सामान चोरी करने की साजिश को पुलिस ने नाकाम कर दिया। तड़के ताला काटने पहुंचे दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उनके पास कटर भी मिला। पुलिस का कहना है कि माहौल बिगाड़ने की साजिश की जा रही थी। मामले में कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता सहित सात-आठ लोगों को आरोपी बनाया गया है। शाही जामा मस्जिद की इंतजामिया कमेटी और शहर मुफ्ती अब्दुल खुबैब रूमी के बीच विवाद चल रहा है। मस्जिद में चौपाल लगाने पर पिछले दिनों शहर मुफ्ती सहित 4 लोगों के विरुद्ध इंतजामिया कमेटी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके बाद मुफ्ती समर्थकों ने कमेटी के पदाधिकारियों पर रिपोर्ट दर्ज करा दी। सोमवार की सुबह फजर की नमाज के समय दो युवकों को पुलिस ने सूचना पर ताला काटने से पहले दबोच लिया।

इंस्पेक्टर मंटोला सत्यदेव शर्मा ने बताया कि राम बरात से एक दिन पहले माहौल बिगाड़ने की साजिश रची गई थी। ताला काटने के लिए आए आरोपियों में नाई की मंडी निवासी मोहम्मद दानिश व कटरा खान छत्ता निवासी बिलाल शामिल हैं। आरोपियों ने बताया कि उन्हें शहर मुफ्ती के दफ्तर का ताला काटकर वहां सामान चोरी करना था। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को जानबूझकर ठेस पहुंचाने, नुकसान पहुंचाने के लिए प्रवेश करना, चोरी करना, अपराध करने की दिशा का कार्य करना व आपराधिक षड्यंत्र के तहत केस दर्ज किया है। मुकदमे में कांग्रेस नेता हाजी जमील उद्दीन कुरैशी, जिशान उर्फ अली शान और 8-10 अज्ञात लोगों का भी जिक्र है।

एसीपी की भूमिका ठीक नहीं

कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता हाजी जमील उद्दीन कुरैशी का कहना है कि उन्हें फंसाने की साजिश की गई है, क्योंकि वह शहर मुफ्ती के पक्ष में हैं। उनकी कॉल डिटेल निकाली जाए। मामले की जांच दूसरी एजेंसी कराई जाए। इसमें एसीपी छत्ता की भूमिका भी ठीक नहीं है। वहीं शहर मुफ्ती खुबैब रूमी का कहना है कि पुलिस किसके इशारे पर काम कर रही है किसी से छिपा नहीं हैं। उनके समर्थक क्यों चोरी कराएंगे।

पुख्ता साक्ष्य मिले

डीसीपी सिटी सूरज कुमार राय ने बताया कि पुलिस ने दो लोगों की गिरफ्तारी पुख्ता साक्ष्यों पर की है।

शौर्य जागरण यात्रा का हुआ स्वागत

आजमगढ़। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के संयुक्त तत्वावधान में निकाली गई शौर्य जागरण यात्रा सोमवार को मऊ जनपद से सठियांव के रास्ते जनपद की सीमा में प्रवेश की। जो नगर के सिधारी हरबंशपुर होते हुए रानी की सराय स्थित एक मैरेज हाल में पहुंची जहां जनसभा का आयोजन किया। नगर क्षेत्र में बजरंग दल के रामकृष्ण मिश्रा के नेतृत्व में शौर्य जागरण यात्रा निकाली गई। जो नगर के शारदा तिराहा, कलेक्ट्रेट चौराहा, सिविल लाइन, गिरजाघर होते हुए रानी की सराय पहुंची। इस दौरान कार्यकर्ताओं द्वारा लगाए जा रहे जयकारे से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। रानी की सराय प्रतिनिधि के अनुसार यात्रा काशीनाथ मंदिर के पास स्थित एक मैरिज हाल में जनसभा में तब्दील हो गई। कार्यक्रम की शुरूआत भगवान श्रीराम के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर ढहरा कुटी के पूज्य महंत मौनी बाबा महाराज जी ने किया। कहा कि यात्रा का प्रमुख उद्देश्य हजारों वर्षों से हिंदू समाज व सनातन धर्म के विरुद्ध हो रहे षड्यंत्र एवं कुचक्रों से सावधान करना एवं जागरूकता बढ़ाना है। कार्यक्रम के समापन कार्यक्रम के संयोजक महेंद्र गुप्ता ने सभी का आभार प्रकट किया। इस मौके पर जय गुप्ता, अजय सैनी, बबलू गुप्ता, विजय प्रजापति, धर्मेंद्र मद्धेशिया, राम अवतार, मनोज मोदनवाल आदि उपस्थित थे।

तहसील स्तरीय समिति ने ग्राम भरथापुर का किया भ्रमण

ग्रामवासियों के समक्ष पढ़े गये सर्वे सूची में दर्ज नाम

बहराइच। तहसील मिहींपुरवा (मोतीपुर)अन्तर्गत ग्राम पंचायत भरथापुर के विस्थापन के सम्बन्ध में गठित तहसील स्तरीय समिति ने ग्राम भरथापुर पहुंचकर जनसामान्य की मौजूदगी में सर्वे रिपोर्ट में अंकित लाभार्थियों के नामों को पढ़ कर सुनाया गया तथा जनसामान्य की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया। इस अवसर पर मौजूद ग्रामवासियों को यह भी जानकारी दी गई कि पढ़ी गयी सर्वे रिपोर्ट के सम्बन्ध में यदि उनको कोई आपत्ति है तो वें इस सम्बन्ध में 01 सप्ताह के अन्दर अर्थात 16 अक्टूबर 2023 तक लिखित रूप में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। प्राप्त आपत्ति की जांच कर सही पाये जाने की स्थिति में सर्वे सूची में शामिल किया जायेगा। ग्रामवासियों को यह भी बताया गया कि इस सम्बन्ध में तहसील स्तर पर एक कन्ट्रोल रूम का गठन की किया जायेगा। जहाँ पर कोई भी व्यक्ति भरथापुर के विस्थापन से सम्बन्धित अपनी लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सकेंगे। ग्राम भरथापुर के भ्रमण के दौरान तहसील स्तरीय पात्रता निर्धारण समिति के अध्यक्ष उपजिलाधिकारी मिहीपुरवा (मोतीपुर) संजय कुमार, सदस्य उप प्रभागीय वनाधिकारी गिरिजापुरी कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग बहराइच, प्रभारी अधीक्षक सामु.स्वा. केन्द्र मिहींपुरवा, क्षेत्रीय वनाधिकारी कतर्नियाघाट, अवर अभियन्ता लो.नि.वि. बहराइच व सर्वे दल के सदस्य राजस्व निरीक्षक धर्मापुर जीतेन्द्र नाथ मिश्रा, क्षेत्रीय लेखपाल रवि वर्मा, अरुण कुमार, सहायक विकास अधिकारी पंचायत व सहायक विकास अधिकारी सहकारिता भी उपस्थित रहे।

त्रिगुट

बुधवार 11 अक्टूबर 2023

दुनिया के देश तृतीय विश्व युद्ध के मुहाने पर

फिलिस्तीन आतंकियों ने इजराइल में हमला कर दिया। इजराइल अप्रैल से उकसा रहा था हमास को। ताजा हमले के संकेत अप्रैल से मिलने लगे थे। वेस्ट बैंक इलाके में बार-बार इजराइली सैन्य अभियान चलाए जा रहे थे। उसके बाद गाजा ने इजराइल को उसी भाषा में जवाब देना तय किया। मई में इजराइल और हमास में छोटी झडप हुई। इजराइली हवाई हमलों में हमास के 3 नेता मारे गए। मिस्त्र, यूएन की मध्यस्थता से संघर्ष विराम हुआ था। उसके बाद फिर संघर्ष हुआ। आतंकी संगठन हमास ने दुनिया के सबसे मजबूत डिफेंस सिस्टम वाले इजराइल पर शनिवार की सुबह हमला किया। इसमें 5000 से ज्यादा रॉकेट दागे गए, एक ही झटके में सैकड़ो इजरायली नागरिकों की मौत हो गई। हमास के आतंकवादियों ने बुलडोजर से मजबूत दीवार को ढहाकर इजराइल में घुस कर सैकड़ो लोगों का अपहरण कर लिया। यह भी कहा जा रहा है, कि महिलाओं को नग्न कर उनके साथ हैवानियत भी की। घरों में घुसकर गोलियों से परिवार को भून डाला। कुछ महिलाओं को अगवा कर गाजापट्टी ले गए। आतंकवादियों का दावा है, कि उन्होंने इतने इजराइली नागरिकों का अपहरण कर लिया है। उसके बदले वह इजरायल की जेल में बंद अपने सभी कैदियों को छुड़ा सकते हैं। इजराइल का डिफेंस सिस्टम सबसे मजबूत माना जाता था। इजरायल की इंटेलीजेंस इस हमले से पूरी तरह से विफल साबित हुई। पूरी दुनिया को सेंसर सर्विलांस उपकरण, एंटी ड्रोन मशीनरी और एंटी मिसाइल तंत्र के उपकरण और हथियार बेचने वाला इजरायल जब अपने ही देश की सुरक्षा नहीं कर पाया। निश्चित रूप से आने वाले समय में इजरायल ने जो दावे कर रखे थे। वह पूरी तरीके से गलत साबित होते हुए दिख रहे हैं। इस हमले से दुनिया के देश मुस्लिम- ईसाई और यहूदी के बीच धार्मिक आधार पर बंटते हुए नजर आ रहे हैं। यूरोप और ईसाई धर्म मानने वाले देश, इजराइल को समर्थन करते हुए नजर आ रहे हैं। वहीं ईरान सहित अन्य मुस्लिम देश हमास संगठन के पक्ष में खड़े हो रहे हैं। इजराइल ने गाजापट्टी के ऊपर जवाबी हमला किया। इजराइल का दावा है, कि उसने भी सैकड़ो लोगों को मार गिराया है। हजारों लोग घायल हो गए हैं। यह हमला ऐसे समय पर किया गया है, जब इजराइल और फिलीस्तीन के पहले हमले के 50 साल पूरे हुए है। हमास संगठन के सैकड़ो लोग इजरायल की जेलों में बंद है। हमास संगठन उन्हें छुड़ाने का लंबे समय से प्रयास कर रहा था। हमास को सफलता नहीं मिल रही थी। यहूदी लोग इस दिन उपवास करके प्रायश्चित करते हैं। पिछले 50 वर्षों में हमास और इजरायल के बीच चार युद्ध हो चुके हैं। यरूसलम स्थित अल अक्सा मस्जिद है। दोनों ही धार्मिक समुदाय के लोग इस पर दावा करते हैं। मक्का और मदीना के बाद यह इस्लाम का तीसरा सबसे पवित्र स्थल माना जाता है। 70 के दशक में दोनों देशों के बीच सहमति बनी थी, कि गैर मुसलमानों को मस्जिद परिसर में आने की इजाजत होगी। लेकिन वह यहां पर प्रार्थना नहीं कर पाएंगे। यहूदियों द्वारा पिछले कुछ समय से मस्जिद में प्रार्थना करने की कोशिश की गई थी। जिसके कारण यह तनाव बढ़ गया। धार्मिक आधार पर यह युद्ध तृतीय विश्व युद्ध का एक आधार बनता हुआ दिख रहा है। जितने भी देश हैं, इन दिनों आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। सत्ता में अपनी पकड़ को मजबूत बनाए रखने के लिए वह धार्मिक आधार को मजबूत करना चाहते हैं। ताकि जनता, सत्ता के खिलाफ विद्रोह ना कर सके। इजराइल भी इस समय घरेलू मोर्चे पर स्थानीय जनता के विरोध का सामना कर रहा है। न्यायिक शक्तियों को कम करने के कारण इजराइल में नागरिक सरकार के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं। इसी कमजोरी का लाभ उठाकर हमास ने इजराइल पर हमला कर दिया। हमास के दो ही मुख्य उद्देश्य हैं, कि मस्जिद में गैर मुसलमान प्रार्थना नहीं करें। दूसरा इजरायल की जेलों में जो फिलिस्तीन के नागरिक बंद है, उन्हें रिहा किया जाए। भारत की भूमिका अभी तक एक निष्पक्ष देश के रूप में दोनों देशों के बीच समन्वय बनाने की होती थी। 2014 के बाद इजरायल के साथ भारत के बहुत गहरे रिश्ते बने हैं। उसको देखते हुए प्रधानमंत्री मोदी का यह बयान भारत की मुश्किल बढ़ा सकता है। जिसमें उन्होंने कहा, कि हम इस मुश्किल की घड़ी में इजरायल के साथ हैं। इससे भारत की जो निष्पक्ष भूमिका होती थी। उसमें अब अंतर आ जाएगा है।

युद्ध पर दोहे

डॉ. भरत मिश्र प्राची

1
युद्ध कभी हित में नहीं, जाने सभी जहान।
फिर भी माने है नहीं, युद्ध से करे स्नान ।।
2.
महाविनाशक युद्ध है , कहता है इतिहास।
जो इसके पाले पड़ा, हुआ उसी का नाश।।
3.
रूस यूक्रेन युद्ध का, देख लीजिए हाल।
विनाश हर पल हो रहा ,फिर भी ठोके ताल।।
4.
इसके पीछे है छिपा, विश्व युद्ध की चाल।
युद्ध में उलझते रहें, बिकता जाये माल।।
5.
ताकत लेकर के यहां, जिसने किया घमंड।
महायुद्ध के बीच में , हो गया खंड-खंड ।।
6.
आज सब ने बना लिये, घातक से हथियार।
विश्वयुद्ध यदि हो गया, मिट जाये संसार।।
7.
जब - जब भी गूंजी यहां, महायुद्ध टंकार।
उसमें बहती है सदा, निर्दोष लहू धार।।
8.
एक इंच धरती लिये, हुआ महासंग्राम।
निर्दोष लहू धार से, लाल हुआ मैदान।।
9.
जब - जब भी होता रहा, विश्वयुद्ध की मार।
देख दया आई नहीं, होता नरसंहार ।।
10.
विश्व युद्ध के क्षेत्र में, गूंजे शस्त्र टंकार।
हैवानियत जीत गई, मानवता की हार।।
11.
सब चला गया युद्ध में, बचा न कुछ अवशेष।
युद्ध पीछे छिपा हुआ, घमंड का परिवेश।।
12,
जब भी युद्ध हुआ कहीं, होता गया विनाश।
बंजर धरती हो गई, ,कहता है हतिहास ।।

कट्टरपंथियों की असहिष्णुता का शिकार अहमदिया मुसलमान

तनवीर जाफ़री

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में जून 2022 में लगे एक पुस्तक मेले में जाने का अवसर मिला। यहाँ अन्य तमाम बुक स्टाल के साथ ही एक बुक स्टाल अहमदिया समुदाय के मुसलमानों द्वारा भी लगाया गया था। जबकि इस्लाम धर्म के अन्य किसी वर्ग यहाँ तक कि किसी दूसरे धर्म के लोगों का भी कोई बुक स्टाल यहां नज़र नहीं आया। उत्सुकतावश अहमदिया समुदाय के स्टाल पर कुछ समय के लिये रुकना हुआ।यहाँ मेरी मुलाक़ात जिन लोगों से हुई उनमें ज़ैन चौधरी नामक एक उत्साही व होनहार युवा भी थे जोकि अहमदिया समुदाय की पंजाब शाखा से सम्बद्ध थे। उनसे हुई संक्षिप्त बातचीत में यही लगा कि यह एक शिक्षित समुदाय है जोकि प्रमुखता से विश्व शांति व सद्भाव की बातें करता है। इस समुदाय के लोगों की दिलचस्पी किसी दूसरे धर्म,समुदाय अथवा वर्ग के लोगों में कमियां निकलने,उनकी निंदा करने या उन्हें ग़लत साबित करने में नहीं बल्कि वैश्विक शांति व सद्भाव में ही है। मैंने अपने जीवन में कभी भी अहमदिया समुदाय के किसी भी समागम में हिस्सा नहीं लिया न ही इनके द्वारा आयोजित किसी कार्यक्रम में कभी शिरकत करने का कोई मौक़ा मिला। परन्तु कुछ दिनों पूर्व 27 मई को चंडीगढ़ में जब अहमदिया समुदाय की पंजाब शाखा ने एक सर्व धर्म समागम का आयोजन किया गया और शिरकत के लिये मुझे भी आमंत्रित किया गया तब पहली बार इस समुदाय के किसी कार्यक्रम को व्यक्तिगत रूप से देखने सुनने का अवसर मिला।

अहमदिया समुदाय द्वारा आयोजित इस सर्वधर्म समागम में अहमदिया समुदाय के अतिरिक्त हिन्दू समुदाय की ओर से इस्कॉन मंदिर रोहिणी के प्रमुख,ईसाई समुदाय के पादरी सिख समुदाय के धर्मगुरु व एस जी पी सी के सदस्य , कई गुरुद्वारे के प्रमुख,ब्रह्माकुमारी मिशन व बुद्धिस्ट समुदाय के अतिरिक्त कई शिक्षाविद भी उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत भारतीय राष्ट्रगान जन गण मन से हुई। इस पूरे कार्यक्रम के दो ही मुख्य सार थे। एक तो यह कि लगभग सभी धर्म व समुदाय के वक्ताओं ने अहमदिया समुदाय को एक मज़लूम (अत्याचार सहने वाले) समुदाय के रूप में चिन्हित किया। और दूसरा यह कि अहमदिया समुदाय के किसी भी वक्ता द्वारा मुस्लिम समुदाय के किसी भी वर्ग के विषय में कोई भी नकारत्मक बात नहीं की गयी न ही उनकी चर्चा की गयी। केवल विश्व शांति सद्भाव के सन्देश दिए गए। इस विषय पर जब मैंने आयोजक गण से जानना चाहा कि उन्होंने अन्य कई समुदाय के धर्मगुरुओं को तो आमंत्रित किया परन्तु मुस्लिम समुदाय के किसी भी वर्ग के धर्मगुरु को आमंत्रित क्यों नहीं किया ? इसपर जवाब मिला कि ऐसा इसीलिये है कि उनका विरोध ही केवल मुस्लिम समुदाय के लगभग सभी वर्गों द्वारा किया जाता है। यहाँ तक कि मुसलमानों के जो दो वर्ग आपस में भी लड़ते हैं वे भी अहमदिया विरोध के नाम पर एकजुट हो जाते हैं।

मैंने भी अन्य लोगों की ही तरह जब भी अहमदिया मुसलमानों के बारे में कभी सुना या पढ़ा तो यही कि पाकिस्तान में इनकी मस्जिदें तोड़ी गयीं या उनमें आग लगाई गयी। या इनके क़ब्रिस्तानों में क़ब्रों को तोड़ा गया। या किसी अहमदिया मुसलमान की बेरहमी से हत्या की गयी। इत्तेफ़ाक़ से यह उसी पाकिस्तान देश में सबसे ज़्यादा होता है जहाँ धर्म के नाम का ढोल सबसे अधिक पीटा जाता है। जिस देश की बुनियाद ही धर्म के नाम पर पड़ी, दुर्भाग्यवश वही देश सबसे अधिक अधर्म का भी शिकार है। इस देश में एक बड़ा कट्टरपंथी वर्ग यह तय करता है कि कौन मुसलमान है तो कौन ग़ैर मुस्लिम। कौन जन्नत में जायेगा तो कौन जहन्नुम में। किसे स्वयं को मुसलमान कहने का अधिकार है और किसे नहीं। और इसी कट्टरपंथी व रूढ़िवादी वर्ग के लोग अहमदिया मुसलमानों की जान व माल के दुश्मन बने हुए हैं। चाहे इनके तन पर कपड़े व पेट में रोटी हो न हो पर शिया,अहमदिया,सिख,हिन्दू,ईसाई या अल्पसंख्यक वर्ग के किसी व्यक्ति या समुदाय के विरुद्ध फ़तवा जारी कर देना इनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। पाकिस्तान को गर्त में ले जाने वाले इन कट्टरपंथियों की हद दर्जे की संकीर्णता व असहिष्णुता का अंदाज़ा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इन्होंने पाकिस्तान के पहले नोबेल पुरस्कार विजेता अब्दुस सलाम जिन्हें 1979 में भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार हासिल हुआ था उनका नाम ही स्कूलों की पाठ्य पुस्तिकाओं से केवल इसलिये हटा दिया था क्योंकि वह अहमदिया समुदाय से सम्बन्ध रखते थे। यहाँ तक कि अब्दुल सलाम की क़ब्र पर लगे पत्थर से उनके नाम के साथ लगा मुस्लिम शब्द भी मिटा दिया गया था। ग़ौर तलब है कि अहमदिया समुदाय को पाकिस्तान में मुसलमान नहीं माना जाता है। अब पाकिस्तान की शान बढ़ाने के लिये अब्दुल सलाम की क़ब्र पर यह ज़रूर लिखा गया है-पहला नोबेल पुरस्कार विजेता। हाँ नवाज़ शरीफ़ ने अपने कार्यकाल में इस्लामाबाद की क़ायद-ए-आज़म यूनिवर्सिटी के नेशनल सेंटर फ़ॉर फ़िज़िक्स का नाम बदल कर सलाम के नाम पर रखने को मंजूरी ज़रूर दे दी थी। हालांकि यह भी कट्टरपंथियों को बहुत नागवार गुज़रा था। भारतीय राज्य पंजाब के लुधियाना के क़स्बा कादियान में 1889 में स्थापित हुये अहमदिया समुदाय के संस्थापक मिर्ज़ा गुलाम अहमद थे। मिर्ज़ा गुलाम अहमद स्वयं को पैग़ंबर मोहम्मद का अनुयायी तो बताते थे परन्तु उन्हें इस्लामी मान्यताओं के अनुसार आख़िरी पैग़ंबर नहीं मानते थे। बल्कि वे स्वयं को अल्लाह की ओर से भेजा गया मसीहा मानते थे। उनकी विचारधारा इस विश्वास पर आधारित थी कि मुस्लिम धर्म और समाज को पतन से बचाने के लिए पवित्र रूप से सुधारों की ज़रूरत है। अहमदिया मुस्लिम समुदाय की मान्यताओं के मुताबिक़ मिर्ज़ा गुलाम अहमद को ईश्वर ने धार्मिक युद्धों को ख़त्म करने, ख़ून ख़राबे की निंदा करने और नैतिकता-न्याय के साथ शांति बहाल करने के लिए पृथ्वी पर भेजा था। अहमदिया मुसलमानों द्वारा हज़रत मुहम्मद को आख़री पैग़ंबर नहीं मानना और मिर्ज़ा गुलाम अहमद को अल्लाह की ओर से भेजा गया मसीहा मानना,साथ ही स्वयं को अहमदिया मुसलमान भी लिखना मुस्लिम धर्म के कुछ वर्गों को नहीं भाता।

यहाँ तक कि वे इन्हें देखना इनसे वास्ता रखना तक नहीं पसंद करते। ऐसे में और भी कई सवाल खड़े होते हैं। क्या इस्लाम धर्म से सम्बंधित सभी वर्गों की मान्यताएं एक जैसी हैं? विभिन्न इस्लाम सम्बंधित समुदायों में नमाज़ पढ़ने व वज़ू करने के तरीक़े अलग हैं। अज़ानें भिन्न हैं। रोज़ा इफ़्तार का वक़्त व सहरी का समय भिन्न है। क़ुरआन शरीफ़ के अनुवाद में अंतर है। कोई वर्ग हज़रत मुहम्मद की रिसालत के दौर के बाद चार ख़लीफ़ाओं के दौर -ए -ख़िलाफ़त को मानता है तो कोई इसे मानने के बजाये बारह इमामों के इमामत के दौर पर यक़ीन रखता है। इसी तरह खोजा-बोहरा समुदाय के लोगों की मान्यतायें अलग हैं। इसका मतलब यह तो नहीं कि जिनसे आपकी मान्यताएं या विश्वास मेल न खायें उनकी मस्जिदें तोड़ दी जायें,उनकी दरगाहों व इमाम बारगाहों को ध्वस्त कर दिया जाये। उनके जुलूसों पर हमले किये जाएँ,आत्मघाती हमलावरों की फ़ौज बना दी जाये और मस्जिदों में नमाज़ियों को शहीद किया जाये ? इन कट्टरपंथियों को याद रखना चाहिए कि करबला में हज़रात मुहम्मद के परिजनों को बेरहमी से भूखा प्यासा शहीद करने वाले भी ऐसी ही कट्टरपंथी विचारधारा के लोग थे जिनमें तमाम मुफ़्ती ,हाफ़िज़,क़ारी और मुअज़्ज़िन (अज़ान देने वाले) भी शामिल थे। करबला का यह कलंक इस्लाम के माथे से कभी मिटने वाला नहीं है। अल्लामा इक़बाल ने यूँ ही नहीं कहा था कि - क्या तमाशा हुआ इस्लाम की तक़दीर के साथ= क़त्ल शब्बीर हुए नारा- ए-तकबीर के साथ ? दुर्भाग्यवश आज तक खून बहाने का यह सिलसिला जारी है और पाकिस्तान में अल्पसंख्यक हिन्दू,ईसाई, सिख बरेलवी व शिया समुदायों की ही तरह अहमदिया मुसलमान भी कट्टरपंथियों की असहिष्णुता का शिकार बना हुआ है।

यादों का सहारा ना होता हम छोड़ के दुनिया चल देते....

चैतन्य भट्ट

हाल ही में अमेरिका में शोध हुआ है इस शोध में ये जानकारी साझा हुई है कि अतीत की यादों से अगर आप जुड़ते हैं तो ये बहुत फायदेमंद होता है। इस शोध में कहा गया है कि पुरानी फिल्में देखें, पुराने गाने सुने, बचपन की यादों को याद करें तो आप रिफ्रेश हो जाएंगे,इसमें तो कोई संदेह नहीं है कि अतीत हमेशा सुखदायक होता है आशिक और महबूबा जब एक दूसरे के नहीं हो पाते हैं तो पुरानी यादों में खोकर अपने दुख को कम कर लेते हैं पुराने गाने सुनकर बचपन की मोहब्बत भी याद आ जाती है इसलिए किसी ने लिखा है बचपन की मोहब्बत को दिल से ना जुदा करना जब याद मेरी आए मिलने की दुआ करना पुराने दोस्त जब मिल जाते हैं तो उनके बीच कैसी प्यार की गाली गलौज होती है जो फिर से बचपन की याद दिला देती है। अतीत की यादें बड़ी सुखदायक हैं जब तीन रुपया किलो घी, आठ आने किलो गेंहू मिलता था, मैट्रिक में पढ़ने के दौरान जेब खर्च के रूप में अठन्नी रोज मिलती थी, एक रुपया साथ पैसे में रिजर्व क्लास की फिल्म की टिकट आ जाती थी, 10 पैसे में बुढ़िया माई के आलू अंडे मिल जाते थे, एक लोहे की रॉड लेकर गपनी खेलते खेलते मीलों निकल जाते थे, साइकिल के टायर को एक लकड़ी की सहायता से दौड़ाते थे, फ्री फोकट के खेल अठठू , गिल्ली डंडा, छुपम छुपाई, डॉक्टर डॉक्टर सब आज भी यादों में बसे हुए हैं लेकिन कभी-कभी उन पुरानी यादों को याद करके हाथ पैर कांपने लगते हैं जब प्राइमरी में पंडित जी पहाड़ा याद न करने के कारण पीठ पर बेंत से सुताई करते थे।

यादें जिंदगी में कभी पीछा नहीं छोड़ती चाहे वो अच्छी हो या बुरी। ये शोध कहता है पुरानी यादों को अपने दिलों दिमाग में ताजा बनाए रखें इससे खुद के प्रति ईमानदार होने में भी मदद मिलती है। यादों पर तो कितनी फिल्में बन चुकी है यादें फिल्म तो एक ऐसी फिल्म थी जिसमें एक ही कलाकार सुनील दत्त थे, यादों की बारात, याद ही याद जैसी अनेक फिल्में आई। गानों में तो यादों ने जबरदस्त स्थान पाया है याद ना जाए बीते दिनों की दिल क्यों बुलाए उन्हें याद किया दिल ने कहा हो तुम झूमती बाहर है कहां हो तुम यादों की बारात निकली है आज दिल के द्वारे संग हमारे, और एक गीतकार ने तो बहुत बड़ी बड़ी बात कह दी है यादों का सहारा ना होता हम छोड़कर दुनिया चल देते हैं ऐसे अनेक गाने हैं जो यादों पर आधारित हैं इंसान बुड्ढा हो जाता है लेकिन अपनी जवानी की यादों में खोया रहता है,महिलाएं भले ही डुकरिया हो जाएं लेकिन अपनी जवानी की फोटो देख-देख कर अपने आप को अभी भी वैसा ही हसीन और जवान समझने की भूल करती रहती हैं, अपने को तो ये लगता है कि भगवान ने यदि यादें ना दी होती तो शायद इंसान परेशान ही रहता क्योंकि वर्तमान उसे कभी खुश नहीं रहने देता खुश रखती है तो पुरानी यादें।

मामा भी कह रहे याद आऊंगा

जब यादों की ही चर्चा चल रही है तो अपने प्रदेश के मुख्यमंत्री मामा शिवराज सिंह जी का बयान बेहद मायने रखता है, किसी सभा में उन्होंने कहा मैं चला जाऊंगा तो बहुत याद आऊंगा बड़े गहरे अर्थ हैं इस वाक्य के। पिछले 17 साल से मामा इस प्रदेश पर राज करते आ रहे हैं लेकिन इस बार पता नहीं क्या हो रहा है कि भाजपा हाई कमान चुनाव में कोई चेहरा सामने नहीं ला रहा, हाई कमान का कहना है कि चुनाव तो मोदी जी के चेहरे पर लड़ा जाएगा दो-तीन सूची भी जारी हो गई है लेकिन मामा जी का नाम किसी भी सूची में नहीं है इतना ही नहीं जब मोदी जी भोपाल आए तो उन्होंने अपने पूरे भाषण में मामा जी का नाम तक नहीं लिया, रात दिन मेहनत करने वाले मामा जी को इस बात का बड़ा रंज है और उन्हें शायद भीतर भीतर ये लगने लगा होगा कि हाई कमान की निगाह में उनकी अब वो हैसियत नहीं रह गई जो पहले कभी हुआ करती थी चूंकि मामाजी संवेदनशील नेता माने जाते हैं इसलिए हाई कमांड के इस रुख से उनके अंदर का दुख फट पड़ा और उन्होंने यह बयान दे दिया कि जब चला जाऊंगा तो बहुत याद आऊंगा। सही कह रहे हैं मामा जी महिलाएं तो मामा को जरूर याद रखेंगी भले ही राजनेता उन्हें भूल जाए क्योंकि राजनीति में कब कौन साइड लाइन हो जाए कोई कह नहीं सकता और एक बार किसी नेता के साइड लाइन होते ही उसका क्या अर्थ होता है ये हर राजनेता को मालूम होता है।

ये शोध तो पूरी तरह गलत

एक शोध और हो गया जो हंड्रेड परसेंट अपने हिसाब से गलत है इस शोध में कहा गया है जो अमेरिकी मनोवैज्ञानिकों ने किया है कि महिलाओं की खामोशी उन्हें बीमार कर रही है, चुप रहने की प्रवृत्ति से माइग्रेन, हार्ट अटैक, अलमाइजर जैसी बीमारी उन्हें हो रही हैं इस शोध ने यह भी कह दिया है कि अपने जीवनसाथी के साथ होने वाले झगड़े में अपनी बात दमदारी से ना कर पाने के कारण महिलाओं में मौत की आशंका ज्यादा होती है, लगता है जिन मनोवैज्ञानिकों ने ये शोध किया है उनकी सब की पत्नियां अंधमूक बधिर रही होगी वरना दुनिया में ऐसी कौन सी महिला है जो चुप रहती होगी उनके मुंह चलाने के बारे में तो एक बड़ी प्रसिद्ध कहानी है कि जब एक पर्यटक नियाग्रा फाल घूमने गया तो वहां 8-10 महिलाएं आपस में बातचीत कर रही थी थोड़ी देर बाद उसने उन महिलाओं से कहा बहन जी आप लोग थोड़ी देर के लिए चुप हो जाएं ताकि मैं नियाग्रा फॉल की आवाज सुन सकूं। किसी भी पति से सुन लो कि झगड़े में कौन चुप होता है, महिलाएं और खामोशी दोनों एक दूसरे के विरुद्धार्थी शब्द हैं महिला चुप हो जाए या चुप रह जाए यह तो असंभव सा लगता है। पता नहीं इन मनोवैज्ञानिकों ने कौन सी महिलाओं पर यह शोध किया यह पता लगाना जरूरी है ताकि पूरे संसार की महिलाओं को उनसे कुछ शिक्षा मिल सके।

सुपर हिट ऑफ़ द वीक

श्रीमान जी की पत्नी का निधन हो गया शोक मनाने आए दोस्त ने पूछा ये सब कैसे हुआ ?

क्या बताऊं यार अच्छी भली चाय पी रही थी कि अचानक=

बात बीच में काटते हुए दोस्त ने कहा वो वाली चाय की पत्ती अभी बची है क्या ?

आपके सार्वजनिक बोलने के कौशल को बढ़ाने के लिए

विजय गर्ग

सार्वजनिक रूप से बोलना एक मूल्यवान कौशल है जो व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन दोनों में कई अवसरों के द्वार खोल सकता है। चाहे आप काम पर प्रस्तुति दे रहे हों, किसी सामाजिक कार्यक्रम में बोल रहे हों, या बड़े दर्शकों को संबोधित कर रहे हों, अपने सार्वजनिक बोलने के कौशल में सुधार करने से एक संचारक के रूप में आपका आत्मविश्वास और प्रभावशीलता बढ़ सकती है।

एक कुशल सार्वजनिक वक्ता बनना समर्पण और अभ्यास से संभव है। चाहे आप एक अनुभवी वक्ता हों जो अपने कौशल को निखारना चाहते हों या शुरुआत से ही नौसिखिया हों, ये सात रणनीतियाँ आपको आत्मविश्वास बढ़ाने और अधिक प्रभावी संचारक बनने में मदद करेंगी।

अभ्यास, अभ्यास, अभ्यास=

कहावत अभ्यास परिपूर्ण बनाता है सार्वजनिक बोलने के लिए सच है। अपने भाषणों या प्रस्तुतियों का नियमित रूप से अभ्यास करने से आप सामग्री और वितरण के साथ अधिक सहज हो सकते हैं। बहुमूल्य प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए दर्पण के सामने अभ्यास करें, स्वयं को रिकॉर्ड करें, या दोस्तों और परिवार के साथ अभ्यास करें।

अपनी सामग्री में महारत हासिल करें=

अपनी सामग्री को अंदर और बाहर से जानना आवश्यक है। विषय को अच्छी तरह से समझें, और अपने भाषण को स्पष्ट शुरुआत, मध्य और अंत के साथ तार्किक रूप से व्यवस्थित करें। यह परिचितता आपकी प्रस्तुति के दौरान प्रश्नों या अप्रत्याशित स्थितियों को संभालना आसान बना देगी।

घबराहट पर काबू पाएं=

सार्वजनिक रूप से बोलने से पहले घबराहट महसूस होना सामान्य बात है, लेकिन उन नसों को प्रबंधित करना सीखना महत्वपूर्ण है। अपनी चिंता को शांत करने के लिए गहरी साँस लेने के व्यायाम, विज़ुअलाइज़ेशन तकनीक या माइंडफ़ुलनेस आज़माएँ। याद रखें, थोड़ी सी घबराहट सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा दे सकती है।

अपने दर्शकों को शामिल करें=

अपनी प्रस्तुति को इंटरैक्टिव बनाकर अपने दर्शकों को मंत्रमुग्ध करें। उपाख्यानों का उपयोग करें, प्रश्न पूछें और जब उपयुक्त हो तो भागीदारी को प्रोत्साहित करें। अपने दर्शकों के साथ जुड़ने से एक संबंध बनता है और आप जो कहना चाहते हैं उसमें उनकी रुचि बनी रहती है।

अपनी शारीरिक भाषा पर काम करें=

गैर-मौखिक संचार सार्वजनिक बोलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अच्छी मुद्रा बनाए रखें, अपने दर्शकों से नज़रें मिलाएँ और मुख्य बिंदुओं पर ज़ोर देने के लिए इशारों और चेहरे के भावों का उपयोग करें। आत्मविश्वासपूर्ण आचरण आपकी विश्वसनीयता बढ़ा सकता है।

विज़ुअल एड्स का बुद्धिमानी से उपयोग करें=

दृश्य सामग्री, जैसे स्लाइड या प्रॉप्स, आपकी प्रस्तुति को बेहतर बना सकते हैं, लेकिन उनका उपयोग संयमित और प्रभावी ढंग से करें। सुनिश्चित करें कि आपके दृश्य आपके भाषण पर हावी होने के बजाय उसे पूरक बनाते हैं। स्लाइडों पर बहुत अधिक जानकारी ठूंसने से बचें और स्पष्ट, संक्षिप्त डिज़ाइन बनाए रखें।

रचनात्मक प्रतिक्रिया लें=

अपने सार्वजनिक बोलने के कौशल में लगातार सुधार के लिए फीडबैक की आवश्यकता होती है। प्रत्येक प्रस्तुति के बाद, साथियों, आकाओं या यहां तक कि अपने दर्शकों से रचनात्मक आलोचना के लिए पूछें। सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने और अपने कौशल को निखारने के लिए उनके इनपुट का उपयोग करें।

अपूर्णता से पूर्णता की ओर

मनुष्य का बाह्य जीवन वस्तुतः उसके आंतरिक स्वरूप का प्रतिबिम्ब मात्र होता है। जैसे ड्राइवर मोटर की दिशा में मनचाहा बदलाव कर सकता है। उसी प्रकार, जीवन के बाहरी ढर्रे में भारी और आश्चर्यकारी परिवर्तन हो सकता है। वाल्मीकि और अंगुलिमाल जैसे भयंकर डाकू क्षण भर में परिवर्तित होकर इतिहास प्रसिद्ध संत बन गये। गणिका और आम्रपाली जैसी वीरांगनाओं को सती-साध्वी का प्रातः स्मरणीय स्वरूप ग्रहण करते देर न लगी। वामित्र और भतृहरि जैसे विलासी राजा उच्च कोटि के योगी बन गये। नृशंस अशोक बौद्ध धर्म का महान प्रचारक बना। तुलसीदास की कामुकता का भक्ति भावना में परिणत हो जाना प्रसिद्ध है। ऐसे असंख्य चरित्र इतिहास में पढ़े जा सकते हैं। छोटी श्रेणी में छोटे-मोटे आश्चर्यजनक परिवर्तन नित्य ही देखने को मिल सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि जीवन का बाहरी ढर्रा जो चिर प्रयत्न से बना हुआ होता है, विचारों में भावनाओं में परिवर्तन आते ही बदल जाता है।

राशिफल

शुभ संवत 2080, शाके 1945, सौम्य गोष्ठ, आश्वनि कृष्ण पक्ष, शरद ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथि एकादशी, मंगलवार, अश्लेषा नक्षत्रे, सिद्ध योगे, विवकरणे, सिंह की चंद्रमा, इंदिरा एकादशी क्रत, एकादशी श्राद्ध, सर्वार्थ सिद्ध उग्रकर्म, पूर्व दिशा की यात्रा शुभ होगी।

आज जन्म लिया बालक.....

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, उद्यमी, शिक्षक, लेक्चरार, प्रोफेसर, प्रिन्सपल, उत्तम व्यापारी, हार्डवेयर, मैकेनिक, इंजीनियर होगा।

मेष :- व्यवसायिक क्षमता अनुकूल है, किसी तनाव में विवादग्रस्त होने से बचें।

वृष :- स्त्री-वर्ग से भोग-ऐश्वर्य की प्राप्ति तथा कार्य संतोषप्रद होगा, ध्यान रखें।

मिथुन :- सामाजिक कार्यों में मान-प्रतिष्ठा, प्रभुत्व-वृद्धि, कार्यकुशलता से संतोष होगा।

कर्क :- कार्यकुशलता से संतोष एवं नवीन योजना फलप्रद हो, रुके कार्य बन ही जायेंगे।

सिंह:- मान-प्रतिष्ठा, प्रभुत्व वृद्धि किन्तु अधिकारियों की उपेक्षा से कार्य हानि अवश्य होगी।

कन्या :- दैनिक कार्यों में सुधार, तत्परता से रुके कार्य निपटा लेवें, चिन्तामुक्त होंगे।

तुला :- तनाव, अशांति व कष्ट, घटनाग्रस्त होने से बचें, रुके कार्य निपटा लेवें, कार्य बनेंगे।

वृश्चिक :- स्त्री-शरीर सुख, मनोबल उत्साहवर्धक होगा, विरोध होगा, ध्यान अवश्य रखें।

धनु :- स्वभाव में उद्विघ्नता, क्लेश, मन अशांति से बचें, कार्य अवरोध अवश्य होगा।

मकर :- सफलता के साधन जुटायें, मनोबल उत्साहवर्धक होगा, समय का ध्यान अवश्य रखें।

कुम्भ :- विशेष कार्य स्थिगित रखें, मानसिक-विभ्रम व उद्विघ्नता से आप अवश्य बचेंगे।

मीन :- किसी तनाव व क्लेश से बचें, मानसिक उद्विघ्नता बनेगी, परेशानी होगी, ध्यान दें।

और अब राहुल का दशानन हो जाना

राकेश अचल

आज न राजनीति पर लिखना था और न नीति पर ,लेकिन भाजपा ने विवश कर दिया लिखने पर। महाबली नेतृत्व वाली भाजपा ने आखिर मान ही लिया की राहुल गांधी का प्रताप लगातार बढ़ रहा है और वे दशानन बन चुके है । दशानन का अर्थ दस सिर वाला नहीं होता ,बल्कि दशानन का अर्थ एक ही सिर वाले व्यक्ति के पास दिव्यदृष्टि का हो जाना भी होता है । भाजपा ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर राहुल गांधी का एक पोस्टर जारी किया और उन्हें नए जमाने का रावण बताया। पार्टी ने लिखा- नए जमाने का रावण यहां है। वे दुष्ट, धर्म और राम विरोधी हैं। उनका एक मात्र लक्ष्य देश को बर्बाद करना है।

मोदी युग में अपने प्रतिद्वंदी को रावण कहा जाना कतई हैरानी की बात नहीं है। हैरानी की बात तो ये है कि भाजपा के विद्वान आईटी सेल वाले न राम को ठीक -ठीक जानते हैं और न रावण को। रावण के दस सिर माने जाते थे लेकिन भाजपा के रावण के 7 सिर ही हैं। त्रेता के राम ने कभी चाय नहीं बेची थी लेकिन भाजपा के राम चाय बेचते हुए रामलीला करने आये हैं। भाजपा के रावण के कोई भाई नहीं है जबकि त्रेता के रावण के पास कुंभकर्ण ,बिभीषण जैसे महाबली भाई थे । रावण की बहन सूर्पणखा अविवाहित थी भाजपा के राबण की बहन न कुरूप है और न अविवाहित,वो दो बच्चों की मां है । उसे कोई भूले से भी सूर्पणखा नहीं कह सकता। अब आइये भाजपा के राम को पहचाने। भाजपा के राम के चार नहीं पांच भाई है। भाजपा के राम की पत्नी को त्याग दिया गया है जबकि बेचारी का किसी रावण ने अपहरण नहीं किया । वो कभी अशोक वाटिका में नहीं रहीं । उसे किसी अग्निपरीक्षा का सामना नहीं करना पड़ा । उसने अपने राम को किसी धनुष यज्ञ से नहीं बल्कि बाकायदा सप्तपदी से वरण किया था भाजपा के राम रणछोड़ भी हैं और निपूते भी। त्रेता के राम विवाहित भी थे और उनके दो सुंदर बेटे भी थे। ऐसे में मोदी युग के राम और रावण की कोई तुलना बन नहीं रही। यानि मोदी युग में बनाया गया रावण किसी को पच नहीं रहा । मोदी की भाजपा जिसे रावण मानती है उसने न कभी किसी सीता का हरण किया और न राम से कभी कोई बैर पाला उस बेचारे ने तो राम जी को संसद में खुले आम झप्पी दी। भला कोई रावण किसी को झप्पी देता है ?

भाजपा की तरफ से जारी पोस्टर में राहुल के 7 सिर दिखाए गए हैं। इस पर लिखा है- भारत खतरे में है। तस्वीर के ठीक नीचे बड़े अक्षरों में रावण लिखा हुआ है। इसके नीचे अंग्रेजी में, CONGRESS PARTY PRODUCTION डायरेक्टेड बाय जॉर्ज सोरोस लिखा है।भाजपा के इस प्रयोग से जाहिर है की भाजपा राहुल गांधी से बेहद आतंकित है । राहुल की भारत जोड़ो यात्रा के सामने मोदी सरकार की तमाम उपलब्धियां बौनी साबित हो रही हैं। भाजपा ने आरोप लगाया कि जॉर्ज सोरोस के लोग कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए थे। इसके अलावा भाजपा नेताओं ने ओपन सोसाइटी फाउंडेशन नाम के एक गैर-सरकारी संगठन का नाम लिया है। भाजपा नेताओं का दावा है कि यह स्वयंसेवी संगठन अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस की ओर से वित्त पोषित है और इसके उपाध्यक्ष सलिल शेट्टी कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए थे। भाजपा का बस चले तो वो राहुल रावण को न्यूज क्लिक के मालिकों और सलाहकारों की तरह यूएपीए के तहत आरोपी बनाकर जेलाटन करा दे। किन्तु मन होंसिया ,करम गढ़िया हो तो कोई क्या करे। ? भाजपा ने जार्ज सोरोस को शायद राहुल का भाई मान लिया है। भाजपा को जार्ज में कुम्भकरण दिखाई देता है क्योंकि जॉर्ज सोरोस अमेरिका के बिलेनियर कारोबारी हैं। सोरोस ने इसी साल म्यूनिख सिक्योरिटी काउंसिल में कहा था कि -भारत लोकतांत्रिक देश है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी लोकतांत्रिक नहीं हैं। उनके तेजी से बड़ा नेता बनने की अहम वजह मुस्लिमों के साथ की गई हिंसा है। सोरोस ने भारत में नागरिकता संशोधन कानून [सीएए] और कश्मीर से धारा 370 हटाए जाने पर भी माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा था। सोरोस ने दोनों मौकों पर कहा था कि -भारत हिंदू राष्ट्र बनने की तरफ बढ़ रहा है। दोनों ही मौकों पर उनके बयान बेहद तल्ख थे और वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोलते दिखाई दिए थे।

आपको बता दें की सोरोस भाजपा सरकार की आँख कीक किरकिरी उसी तरह हैं जिस तरह की राहुल गांधी यानि राहुल रावण ।सोरोस की संस्था ने 1999 में पहली बार भारत में एंट्री की। पहले ये भारत में रिसर्च करने वाले स्टूडेंट को स्कॉलरशिप देती थी। 2014 में ओपन सोसाइटी ने भारत में दवा, न्याय व्यवस्था को बेहतर बनाने और विकलांग लोगों को मदद करने वाली संस्थाओं को आर्थिक सहायता देना शुरू किया। 2016 में भारत सरकार ने देश में इस संस्था के जरिए होने वाली फंडिंग पर रोक लगा दी। भाजपा के अंगद यानि विदेश मंत्री जयशंकर अमेरिका के बिलेनियर कारोबारी जॉर्ज सोरोस को बूढ़ा, अमीर, जिद्दी और खतरनाक कह चुके हैं । जयशंकर ने ऑस्ट्रेलिया में कहा था- ऐसे लोगों को लगता है कि अगर उनकी पसंद का व्यक्ति चुनाव जीतता है, तो वो चुनाव अच्छा था, लेकिन अगर नतीजा कुछ और निकले तो वो देश के लोकतंत्र में खामियां ढूंढ़ने लगते हैं।

बहरहाल मै भाजपा की आईटी सेल के इस सृजन से बहुत खुश हूँ ,क्योंकि इसमें मौलिकता है। राजनीति में मौलिकता का नितांत अभाव है। देश में अब रामलीलाएं लगातार कम हो रहीं हैं ऐसे में सियासी लीला में राम और रावण की एन्ट्री सुखद है । मै तो सुझाव देना चाहूंगा की इस साल दशहरे पर भाजपा पूरे देश में रावण की झग राहुल रावण के पुतले जलाये। राहुल की नाभि में लोकप्रियता का जो अमृत कुंड है उसे किसी तीर से सोख ले ताकि न रहे बांस और न बजे बांसुरी। क्योंकि जब तक देश की राजनीति में राहुल मौजूद हैं वे भाजपा के लिए समस्या बने रहेंगे । मुमकिन है उनके रहने से भाजपा का 2047 तक सत्ता में रहने का सपना भी चकनाचूर हो जाये। क्योंकि राहुल रावण की सेना लगातार एक के बाद एक मोर्चा फतह करती जा रही है । राहुल रावण की फ़ौज देश को कांग्रेस विहीन करने के भाजपा के महा अभियान का सबसे बड़ा रोड़ा हैं।

राहुल को रावण बताना मानहानि का मुद्दा है या नहीं ये वकील जानें। मै तो इतना जानता हूँ कि भाजपा के सर पर राहुल पहले केवल भूत बनकर सवार थे और अब रावण बनकर सवार हैं। राहुल को रावण बताना राहुल का अपमान है या कांग्रेस का या खुद रावण की बिरादरी वालों का ये तय करना जनता का काम है और जनता नवंबर में होने वाले पांच राज्यों कि विधानसभा चुनावों में इसका उत्तर जरूर देगी। 2024 में होने वाले आम चुनाव में ये तय हो जाएगा की देश की राजनीति में कौन रावण है और कौन राम ? आप तो केवल सियासत की छुद्र रामलीला देखते जाइये। दृश्य अभी और भी हैं।

पितरों की आत्मा की शांति के लिए इन जगहों पर करें पिंडदान

इस साल 29 सितंबर से पितृ पक्ष शुरू हो गए हैं। वहीं 14 अक्टूबर को आश्विन महीने की अमावस्या को पितृ पक्ष समाप्त हो जाएंगे। पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए पितृ पक्ष में श्राद्ध और पिंडदान किया जाता है। इन जगहों पर श्राद्ध करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है। भाद्रपद महीने की पूर्णिमा तिथि से पितृ पक्ष शुरू हो जाता है। जो आश्विन महीने की अमावस्या तक चलती है। यह पितृ पक्ष 15 दिनों तक चलता है। इस साल आज से यानी की 29 सितंबर के पितृ पक्ष की शुरूआत हो रही है। वहीं 14 अक्टूबर को पितृ पक्ष खत्म हो जाएगा। हांलाकि हम सभी यह जानते हैं कि पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए पितृ पक्ष में श्राद्ध और पिंडदान किया जाता है। पितरों का श्राद्ध और तर्पण करने से पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। आज हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर श्राद्ध कर्म करने से पुण्य मिलता है और पितरों की आत्मा को शांति मिलती है। आइए जानते हैं इन फेमस जगहों के बारे में...

भारत के सबसे पवित्र तीर्थ स्थलों में हरिद्वार गंगा के तट पर बसा हुआ एक खूबसूरत शहर है। शाम के समय इसकी खूबसूरती और भी ज्यादा बढ़ जाती है। मान्यका के अनुसार, हरिद्वार में गंगा स्नान करने से व्यक्ति को पापों से मुक्ति मिल जाती है। वहीं हरिद्वार में अंतिम संस्कार करने से उसकी आत्मा सीधे स्वर्ग जाती है। हरिद्वार के नारायणी शिला पर तर्पण करने से पितरों को मोक्ष मिलता है। पुराणों में भी इस बात का वर्णन मिलता है। यहां पर पिंडदान समारोह का भी आयोजन किया जाता है। इस स्थान पर श्राद्ध कर्म करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है।

मथुरा में पिंडदान

भव्य मंदिरों से सुशोभित मथुरा को भगवान श्रीकृष्ण का जन्मस्थल भी माना जाता है। यह पवित्र तीर्थ स्थान पिंड दान समारोहों के लिए पसंदीदा स्थानों में से एक है। यमुना नदी के तट पर स्थित बोधिनी तीर्थ, विश्रांती तीर्थ और वायु तीर्थ पर इस तरह के अनुष्ठान आयोजित किए जाते हैं। मृतक और पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए सात पिंड या चावल में

मिक्स गेहूं के आटे से बने गोले, शहद और दूध के साथ प्रसाद के रूप में तैयार किए जाते हैं। इस प्रसाद को मंत्रों के जाप के साथ अर्पित किया जाता है।

उज्जैन में पिंडदान

मध्यप्रदेश का उज्जैन पिंड दान समारोहों के लिए एक आदर्श स्थान माना जाता है। यहां पर शिप्रा नदी के तट पर पिंडदान किया जाता है। बता दें कि शिप्रा नदी के किनारे पिंडदान करना लाभकारी माना जाता है। यहां पर असंख्य तीर्थस्थलों के अलावा कालिदास अकैडमी और भर्तृहरि गुफाएं भी स्थित है। उज्जैन से पर्यटक ओंकारेश्वर, बसवारा, भोपाल और चित्तौड़गढ़ समेत कई स्थलों की यात्रा के लिए पहुंचते हैं।

बोधगया में पिंडदान

पितरों के पिंडदान के लिए बिहार में गया एक महत्वपूर्ण स्थाना माना जाता है। फाल्गु नदी के तट पर पिंडदान समारोह आयोजित किया जाता है। मान्यता के अनुसार, कथित शुद्धिकरण शक्तियों के लिए श्राद्ध करने के लिए अहम स्थान है। रामायण और महाभारत दोनों में गयापुरी का उल्लेख मिलता है। गया में पिंडदान करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है। गया में महाबोधि मंदिर, ब्रह्मयोनी हिल और अन्य संबंधित स्थल पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

वाराणसी की इस जगह पर मौत के इंतजार में आते हैं लोग, हजारों की संख्या में पा चुके हैं मोक्ष

काशी में कई ऐसी चीजें हैं, जिनके बारे में शायद ही आपने कभी सुना होगा। हम आपको काशी की एक ऐसी जगह के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर रुककर लोग मौत का इंतजार करते हैं। काशी की इस जगह को मुक्ति भवन कहा जाता है। बनारस को काशी और धर्म नगरी भी कहा जाता है। यहां पर आपको चारों तरफ मंदिर और मंदिर से आती घंटियों की आवाज सुनाई देगी। जो इस जगह को पवित्र और धर्ममयी बना देती है।

इस शहर के धार्मिक नजारे को देखने के लिए विदेशों से भी लोग यहां पर पहुंचते हैं। काशी में कई ऐसी चीजें हैं, जिनके बारे में शायद ही आपने कभी सुना होगा। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको काशी की एक ऐसी जगह के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर रुककर लोग मौत का इंतजार करते हैं। काशी की इस जगह को मुक्ति भवन कहा जाता है। वाराणसी को मोक्ष की नगरी कहा जाता है। काशी लाभ-मुक्ति भवन में देशभर से लोगों को देखा जा सकता है। बता दें कि इस भवन तक की लोगों की यह यात्रा दुनिया के अंतिम यात्रा होती है। क्योंकि यहां आने पर वह लोग सीधे परलोक सिधारते हैं।

मुक्ति के लिए काशी का निर्माण

हिंदू मान्यता के मुताबिक भगवान शंकर द्वारा काशी का निर्माण किया गया था। जो लोग मोक्ष प्राप्ति की इच्छा रखते हैं, वह काशी में अपनी देह त्याग करते हैं। बता दें कि देह त्याग की इच्छा रखने वाले लोगों को मुक्ति भवन में फ्री रहने की सुविधा दी जाती है।

इस भवन में इतने लोगों ने त्यागे प्राण

बता दें कि काशी लाभ मुक्ति भवन में करीब 14 हजार से भी ज्यादा लोगों ने मोक्ष प्राप्त किया है। किसी ना किसी को रोज मुक्ति भवन में मुक्ति मिलती है।

साल 1958 में समर्पित कर दिया भवन

विष्णु बिहारी डालमिया ने इस भवन को साल 1958 में उन लोगों को समर्पित कर दिया, जो भगवान शिव की नगरी काशी में मोक्ष की इच्छा से आते हैं। यहां पर लोगों के फ्री में रहने की व्यवस्था की गई है।

मुक्ति भवन में 10 कमरे

पहले इस भवन में 8 पुजारी और 1 सेवक हुआ करते थे। लेकिन अब यहां पर सिर्फ 3 पुजारी और 1 सेवक है। इस भवन में 10 कमरे बने हैं।

पूर्वजों को श्रद्धांजलि देना ही श्राद्ध है

रमेश सर्राफ धमोरा

हिन्दू धर्म में माता-पिता की सेवा को सबसे बड़ी पूजा माना गया है। इसलिए हिंदू धर्म शास्त्रों में पितरों का उद्धार करने के लिए पुत्र की अनिवार्यता मानी गई हैं। जन्मदाता माता-पिता को मृत्यु-उपरान्त लोग विस्मृत न कर दें। इसलिए उनका श्राद्ध करने का विशेष विधान बताया गया है। श्रद्धया इदं श्राद्धम, अर्थात जो श्रद्धा से किया जाये वही श्राद्ध है। श्राद्ध प्रथा वैदिक काल के बाद शुरू हुई और इसके मूल में इसी श्लोक की भावना है। उचित समय पर शास्त्र सम्मत विधि द्वारा पितरों के लिए श्रद्धा भाव से मन्त्रों के साथ जो दान-दक्षिणा आदि दिया जाय वही श्राद्ध कहलाता है। भाद्रपद मास की पूर्णिमा के दिन सूर्य के कन्या राशि में प्रवेश करने पर इस दिन इसे कनायत भी कहते हैं और इसी दिन से पितृ पक्ष शुरू होता है।

श्राद्ध हिन्दू धर्म में किया जाने वाला एक कर्म है। जो पितरों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता अभिव्यक्त करने तथा उन्हें याद करने के निमित्त किया जाता है। इसके पीछे मान्यता है कि जिन पूर्वजों के कारण हम आज अस्तित्व में हैं। जिनसे गुण हमें विरासत में मिलें हैं। उनका हम पर न चुकाये जा सकने वाला ऋण हैं। पितरों की आत्मा की शांति के लिए पितृ पक्ष में जो तर्पण किया जाता है। उसके पीछे धार्मिक मान्यता है कि इससे पितरों को स्वर्ग प्राप्त होता है और उनकी आत्मा को शांति मिलती है। मंदिरों और नदियों के किनारे पितरों को तर्पण देने की सदियों से चली आ रही धार्मिक परम्परा आज भी अनवरत रूप से जारी है।

श्राद्ध सूक्ष्म शरीरों के लिए वही काम करते हैं, जो कि जन्म के पूर्व और जन्म के समय के संस्कार स्थूल शरीर के लिए करते हैं। इसलिए शास्त्र पूर्व जन्म के आधार पर ही कर्मकाण्ड में श्राद्धादि कर्म का विधान निर्मित करते हैं। सभी संस्कारों विवाह को छोडकर श्राद्ध ही ऐसा धार्मिक कृत्य है, जिसे लोग पर्याप्त धार्मिक उत्साह से करते हैं। विवाह में बहुत से लोग कुछ विधियों को छोड़ भी देते हैं। परन्तु श्राद्ध कर्म में नियमों की अनदेखी नहीं की जाती है। क्योंकि श्राद्ध का मुख्य उद्देश्य परलोक की यात्रा की सुविधा करना है।

भाद्रपद मास की पूर्णिमा से पितृ पक्ष शुरू होकर करीब 16 दिनों तक चलने वाले श्राद्ध में अश्विन मास की अमावस्या तक पितृ पृथ्वी पर वास करेंगे। इन 16 दिनों तक पितरों को प्रसन्न करने के लिए उन्हे यज्ञ, जल से तर्पण दिया जाएगा। इस दौरान पितरों की आत्मा की शांति के लिए जगह-जगह पिंडदान, नारायण बलि, जल तर्पण आदि कर्मकांड़ों से उन्हें प्रसन्न करने की कोशिश की जाती है।

आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से लेकर अमावस्या तक ब्रह्माण्ड की ऊर्जा तथा उस उर्जा के साथ पितृप्राण पृथ्वी पर व्याप्त रहता है। धार्मिक ग्रंथों में मृत्यु के बाद आत्मा की स्थिति का बड़ा सुन्दर और वैज्ञानिक विवेचन भी मिलता है। पुराणों के अनुसार पितृपक्ष में जो तर्पण किया जाता है उससे वह पितृप्राण स्वयं आप्यापित होता है। पुत्र या उसके नाम से उसका परिवार जौ तथा चावल का पिण्ड देता है। उसमें से अंश लेकर वह अम्भप्राण का ऋण चुका देता है। ठीक आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से वह चक्र उर्ध्वमुख होने लगता है। 15 दिन अपना-अपना भाग लेकर शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से पितर उसी ब्रह्मांडीय उर्जा के साथ वापस चले जाते हैं। इसलिए इसको पितृपक्ष कहते हैं और इसी पक्ष में श्राद्ध करने से पित्तरों को प्राप्त होता है।

श्राद्ध का वैज्ञानिक पहलू भी है। वेदों में, दर्शन शास्त्रों में, उपनिषदों एवं पुराणों आदि में हमारे ऋषियों-मनीषियों ने इस विषय पर विस्तृत विचार किया है। श्रीमद्भागवत गीता में भी स्पष्ट रूप से बताया गया है कि जन्म लेने वाले की मृत्यु और मृत्यु को प्राप्त होने वाले का जन्म निश्चित है। यह प्रकृति का नियम है। शरीर नष्ट होता है मगर आत्मा कभी भी नष्ट नहीं होती है। वह पुनः जन्म लेती है और बार-बार जन्म लेती है। इस पुनः जन्म के आधार पर ही कर्मकाण्ड में श्राद्धदि कर्म का विधान निर्मित किया गया है। पुराणों में इसके आयोजन को लेकर कई कथाएं हैं। जिसमें कर्ण के पुनर्जन्म की कथा काफी प्रचलित है। हिन्दू धर्म में सर्वमान्य श्री रामचरित में भी श्री राम के द्वारा राजा दशरथ और जटायु को गोदावरी नदी पर जलांजलि देने का उल्लेख है। भरत के द्वारा दशरथ हेतु दशगात्र विधान का उल्लेख भरत कीन्हि दशगात्र विधाना तुलसी रामायण में हुआ है । भारतीय धर्मग्रंथों के अनुसार मनुष्य पर तीन प्रकार के ऋण प्रमुख माने गए हैं- पितृ ऋण, देव ऋण तथा ऋषि ऋण। इनमें पितृ ऋण सर्वोपरि है। पितृ ऋण में पिता के अतिरिक्त माता तथा वे सब बुजुर्ग भी सम्मिलित हैं, जिन्होंने हमें अपना जीवन धारण करने तथा उसका विकास करने में सहयोग दिया। पितृपक्ष में हिन्दू लोग मन कर्म एवं वाणी से संयम का जीवन जीते हैं। पितरों को स्मरण करके जल चढ़ाते हैं। निर्धनों एवं ब्राह्मणों को दान देते हैं।

विष्णु पुराण के अनुसार दरिद्र व्यक्ति केवल मोटा अन्न, जंगली साग, फल और न्यूनतम दक्षिणा यदि वह भी ना हो तो सात या आठ तिल अंजलि में जल के साथ लेकर ब्राह्मण को देना चाहिए या किसी गाय को दिन भर घास खिला देनी चाहिए। अन्यथा हाथ उठाकर दिक्पालों और सूर्य से याचना करनी चाहिए कि हे प्रभु मैंने हाथ वायु में फैला दिये हैं, मेरे पितर मेरी भक्ति से संतुष्ट हों।

अपने पूर्वजों के निमित्त दी गई वस्तुएं सचमुच उन्हें प्राप्त होती हैं या नहीं, इस विषय में कुछ लोगों को संदेह है। हमारे पूर्वज अपने कर्मानुसार किस योनि में उत्पन्न हुए हैं। जब हमें इतना ही नहीं मालूम तो फिर उनके लिए दिए गए पदार्थ उन तक कैसे पहुंच सकते हैं? क्या एक ब्राह्मण को भोजन कराने से हमारे पूर्वजों का पेट भर सकता है? न जाने इस तरह के कितने ही सवाल लोगों के मन में उठते होंगे। वैसे इन प्रश्नों का सीधे-सीधे उत्तर देना सम्भव भी नहीं है। क्योंकि वैज्ञानिक मापदण्डों को इस सृष्टि की प्रत्येक विषयवस्तु पर लागू नहीं किया जा सकता। दुनिया में ऐसी कई बातें हैं। जिनका कोई प्रमाण न मिलते हुए भी उन पर विश्वास करना पड़ता है। उल्लेखनीय है कि देश में श्राद्ध के लिए हरिद्वार, गंगासागर, जगन्नाथपुरी, कुरुक्षेत्र, चित्रकूट, पुष्कर, बद्रीनाथ सहित कई स्थानों को महत्वपूर्ण माना गया है। लेकिन गया का स्थान उसमें सर्वोपरि कहा गया है। गया में फल्गु नदी के किनारे श्राद्ध कर्म करना सबसे ज्यादा पुण्य प्रदान करने वाला माना जाता है। जो व्यक्ति गया में श्राद्ध करने जाता है उसको पूरे पितृ पक्ष वहीं रह कर श्राद्ध क्रिया पूरी करनी पड़ती है। गया में पिंडदान करने से सात पीढियों का उद्धार हो जाता है। गया जी को विश्व में पितरों की मुक्ति के लिए सर्वश्रेष्ठ तीर्थस्थल माना गया है। गया जी में पूरे साल पिंडदान किया जाता है।

एकाग्रता की चिंता

विजय गर्ग

माता-पिता की अपने बच्चों के बारे में आम शिकायत उनकी एकाग्रता की कमी है। पढ़ाई के दौरान, वे अक्सर कई चीजों से विचलित हो जाते हैं जिसके परिणामस्वरूप सीखना उनके लिए एक बड़ा काम बन जाता है। इसके कई कारण हो सकते हैं- बेचैनी, चंचलता, स्वप्निल स्वभाव, पढ़ाई में रुचि या समझ की कमी या कोई तनाव।

हम कुछ सरल सुझाव सुझाते हैं जो आपके बच्चे की एकाग्रता को कुछ हद तक बढ़ाने में मदद करेंगे। उन्हें कोशिश...

नोट लेना

कक्षाओं के दौरान नोट्स लिखना एक आदत है जिसे बच्चों में विकसित किया जाना चाहिए। शिक्षक द्वारा सिखाई जा रही किसी महत्वपूर्ण चीज़ को नोट करने से बच्चे को जो सिखाया गया है उसे सुदृढ़ करने में मदद मिलती है। पाठ को दोहराते समय, ये नोट्स उसकी एकाग्रता में सुधार करने में मदद करेंगे क्योंकि उसे शिक्षक क्या कह रहा है उस पर पूरा ध्यान देना होगा और बाद में अपने नोट्स को याद करने की कोशिश पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

एक बात पर ध्यान दें

मल्टीटास्किंग हर किसी के बस की बात नहीं है। खासकर बच्चों के लिए यह काफी कठिन काम हो सकता है। यह सुनिश्चित करना कि बच्चा एक ही काम पर ध्यान केंद्रित करे, उसकी एकाग्रता के स्तर में काफी हद तक सुधार हो सकता है।

इसके ऊपर सो जाओ

शोध से साबित हुआ है कि जब आप बिस्तर पर जाने से पहले किसी विषय का अध्ययन करते हैं, तो जानकारी दीर्घकालिक स्मृति में स्थानांतरित हो जाती है। इससे साबित होता है कि एकाग्रता और अच्छी याददाश्त के लिए पर्याप्त आराम बेहद जरूरी है। यदि उचित नींद के बिना जानकारी की अधिकता है, तो सीखना व्यर्थ होगा।

एक ब्रेक ले लो

यह देखा गया है कि जब बच्चों को दो अध्ययन सत्रों के बीच ब्रेक दिया जाता है तो वे बेहतर ध्यान केंद्रित करते हैं। ये ब्रेक उन्हें अपनी रुचि को फिर से जीवंत करने और नई ऊर्जा के साथ फिर से शुरुआत करने में मदद करते हैं। इससे दूसरे विषय या टॉपिक पर शिफ्ट होना आसान हो जाता है। वे इस अवकाश का उपयोग खेलने, पढ़ने, संगीत सुनने या कोई भी आरामदायक गतिविधि करने में कर सकते हैं।

जीवन शैली में परिवर्तन

एकाग्रता की कमी के लिए केवल बच्चे की आदतों को ही दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिए। कई बार, उसके आस-पास के लोग और वातावरण जैसे कुछ अन्य कारक भी होते हैं जिनमें सुधार की आवश्यकता होती है। स्कूल के अलावा, घर पर भी, व्यक्ति को यह सुनिश्चित करने की ज़रूरत है कि उसकी एकाग्रता इष्टतम हो। चारों ओर उन आदतों की तलाश करें जो उसका ध्यान भटकाने में सहायक हो सकती हैं, जैसे तेज़ आवाज़ में संगीत या टीवी सुनना। परिवार के किसी सदस्य या पड़ोसियों का ज़ोरदार व्यवहार भी बिगड़े हुए खेल का कारण हो सकता है। इसी तरह जांचें कि क्या आपके बच्चे की पढ़ाई के हर पहलू पर निगरानी रखने की आपकी आदत उसके एकाग्रता स्तर को प्रभावित कर रही है?

यह भी सुनिश्चित करें कि वह पढ़ने के लिए अच्छे रोशनी वाले कमरे में बैठे, जिसमें अच्छा वेंटिलेशन हो और पृष्ठभूमि में कम से कम शोर हो। ये छोटी लेकिन महत्वपूर्ण चीजें उसे अपना एकाग्रता स्तर वापस पाने में काफी मदद कर सकती हैं।

तनाव स्तर

उसकी आदतों के अलावा, आपके बच्चे को कुछ मनोवैज्ञानिक समस्याओं का भी सामना करना पड़ सकता है, जो उसके एकाग्रता स्तर को ख़राब कर सकती हैं। उदाहरण के लिए- माता-पिता के बीच लगातार झगड़े, स्कूल या घर पर बदमाशी, साथियों के साथ प्रतिस्पर्धा या किसी प्रकार का भय ऐसे कुछ उदाहरण हैं जो बच्चे को विचलित रखते हैं। समस्या की पहचान करना और उसे यथाशीघ्र ठीक करना महत्वपूर्ण है।

तकनीकी प्रलोभन

इन दिनों, बच्चों के पास मनोरंजन के लिए कई इलेक्ट्रॉनिक गैजेट हैं। चाहे वह टेलीविजन शो, वर्चुअल गेम्स, सोशल मीडिया आदि और अन्य आकर्षक गैजेट हों, जो निश्चित रूप से एकाग्रता बढ़ाने वाले हैं। अपने बच्चे के एकाग्रता स्तर को प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें इन अनावश्यक विकर्षणों से दूर रखें।

रिश्तों की दीवारें दरकने लगी हैं इन दीवारों को बचाना होगा ?

नरेन्द्र भारती

बढती महत्वकाक्षाएं भी रिश्तों के विघटन का कारक बन रही हैं।संपति के कारण आज न जाने कितने परिवार खत्म हो गये, और कितने ही सलाखों के पीछे है। मानव धनलिप्सा की मृगतृष्णा में फंसता जा रहा है वह अपनी सोचने की शक्ति खो चुका है। इस मृगमरीचिका का परिणाम क्या होगा इसके पीछे मानव वैसे ही भाग रहा है जैसे हिरन पानी के पीछे भागता है। आखिर समाज किस ओर जा रहा है यह बहुत ही चितंनीय है कि लोग समस्या का समाधान करने के बजाए हिसां का रास्ता अपनाकर जघन्य अपराधों को कर रहा है यह बहुत ही घातक है।जमीन के टुकडों के लिए खून बहाया जा रहा है।समाज के बुद्विजीवी लोगों पर इस पर मंथन करना होगा।इन वारदातों पर रोक लगानी होगी।समाज को मिलजुल कर इस पर संज्ञान लेना होगा।रिश्तों की दीवारें दरकने लगी हैं इन दीवारों को बचाना होगा क्योंकि यदि दीवार का एक भी पत्थर निकल जाए तो दीवार कभी भी धराशायी हो सकती है। रिश्तों में बिखराव बेहद घातक है छोटे-छोटे स्वार्थो के लिए खूनी रिश्तों की बलि चढाई जा रही है। रिश्तों के रूप बदलते जा रहे है, रिश्तों में छल -कपट घर करता जा रहा है। समाज का यह विकृत चेहरा बेहद भयानक है यदि समय रहते इस पर रोक न लगाई तो आने वाला कल निश्चित रूप से घातक सिद्व होगा।रिश्तों पर जमी नफरत की इस बर्फ को पिघलाना होगा। खूनी रिश्तों को अटूट बनाना होगा।एक उदारवादी दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।ताकि समाज में आ रहे इस तरह के संकंट से मुक्ति मिल सके।और खूनी रिश्तों में मिठास घुल सके। आज संवेदनाएं मृतप्राय हो चुकी हैं।खून के रिश्ते अर्थहीन होते जा रहे हैं। एक समय था कि रिश्तों में मिठास होती थी लेकिन आज खटास आती जा रही है। आज जमीन के एक छोटे से टुकडे के लिए हत्या की जा रही है। वर्तमान समाज में खूनी रिश्तों में इतनी नफरत बढ रही है कि खूनी रिश्ते ही एक दूसरे का खून बहा रहे है रिश्तों में आ रही कडवाहट एक त्रासदी बन रही है आज जर, जोरू, जमीन के कारण रिश्तों का कत्लेआम हो रहा है, जायदाद के लिए बेटे मॉ-बाप को मौत के घाट उतार रहे हैं। सहनशीलता न होने के कारण आज ऐसी वारदातें हो रही हैं कि आत्मा सिहर उठती है भाई-भाई एक दूसरे की हत्या कर रहे हैं। आज रिश्तों की परिभाषा बदलती जा रही है रिश्तों में पाश्विकता आ गई है आज भेड बकरियों की तरह एक दूसरे का खून बहाया जा रहा है यह बहुत ही लज्जाजनक है कि बेटे मां-बाप के खून के प्यासे हो रहे है।रिश्तों की डोर ढीली पडती जा रही है आज का इन्सान माया के कारण इतना अंधा हो गया है कि रिश्तों की अहमियत भूलता जा रहा है अपनों के खून से ही अपने हाथ रंग रहा है।देश में ऐसी वारदातें हर रोज घटित हो रही है।

संक्षिप्त समाचार

कैंडल मार्च निकालकर उठाई न्याय की मांग

अमेठी। मुसाफिरखाना के राम शाहपुर गांव निवासी दिव्या शुक्ला को श्रद्धांजलि देने व उसके मासूम बच्चे को न्याय के लिए रविवार को अधिवक्ता कालिका प्रसाद मिश्र की अगुवाई में कैंडल मार्च निकाला गया। कैंडल मार्च सूरज नगर चौराहा, ग्राम पंचायत सरुवांवा, ब्लॉक भेटुआ में क्षेत्रीय ग्रामीणों द्वारा निकाला गया जिसमें ग्राम मरेड़िका, सेमरा, पांडेय का पुरवा आदि के अश्वनी शुक्ल, बाबूलाल तिवारी, मुन्नू पांडेय, शिवपाल, राजेश यादव, राहुल आदि उपस्थित रहे। पर्चे बांटकर और कैंडल मार्च के माध्यम से पीड़ित परिवार को एक करोड़ की आर्थिक सहायता, दोषियों को सजा, परिवार को नौकरी और दस माह के मासूम बच्चे के समुचित भरण पोषण की व्यवस्था की गई। कहा गया कि जब तक मांगें पूरी नहीं होंगी, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

तीन दुकान व स्कूल का तोड़ा ताला, नकदी व सामान ले गए चोर

अलीगढ़। रात में अज्ञात चोरों ने ताला तोड़ कर वेल्डिंग मशीन, ग्राइंडर, बरमा, दो हजार रुपये और बीड़ी व गुटखा सहित अन्य सामान चुरा लिया। पास ही में गांव बिहारीपुर निवासी राजबहादुर पुत्र रामजीत सिंह की दुकान का ताला तोड़ा। यहां से दो मशीन, चार स्पीकर, एक मिक्सर, एक बॉक्स, चार लाइट चोरी कर ले गए। अलीगढ़ में थाना गंगीरी के गांव बिहारीपुर मोड़ पर तीन दुकानों और एक स्कूल से चोरी हो गई। सभी ने अपने चोरी की तहरीर थाने में दी है। गांव मुगोला निवासी मूलचंद्र पुत्र मेघ सिंह की वेल्डिंग की दुकान है। रविवार की शाम को वह अपनी दुकान बंद कर घर चले गये। रात में अज्ञात चोरों ने ताला तोड़ कर वेल्डिंग मशीन, ग्राइंडर, बरमा, दो हजार रुपये और बीड़ी व गुटखा सहित अन्य सामान चुरा लिया। पास ही में गांव बिहारीपुर निवासी राजबहादुर पुत्र रामजीत सिंह की दुकान का ताला तोड़ा। यहां से दो मशीन, चार स्पीकर, एक मिक्सर, एक बॉक्स, चार लाइट चोरी कर ले गए। इसके बाद गेंदालाल पुत्र रोहन सिंह की परचून की दुकान से कपड़ा, दो हजार रुपये, बीड़ी गुटखा चोरी कर ले गये। कुछ दूरी पर सीबीएस कॉन्वेंट स्कूल का ताला तोड़ कर जेनरेटर का ऑल्टनेटर चोरी कर ले गए। सोमवार सुबह को जब तीनों दुकानदारों ने दुकान खोली व स्कूल खुला तो ताले व दीवार कटी देख दंग रह गए।

वार्ड में सफाई कर्मचारियों की हाजिरी पर पार्षद लगाएगा मुहर, तब मिलेगा वेतन

अलीगढ़। बिना स्वास्थ्य विभाग की अनुमति या जानकारी के बिना कर्मचारी को कहीं भी नहीं लगाया जाएगा। कर्मचारी वहीं काम करेगा जहां पर उसकी तैनाती की गई है। अलीगढ़ नगर निगम के वार्डों में सफाई करने वाले कर्मचारियों की हाजिरी को लेकर नई व्यवस्था लागू की गई है। सफाई कर्मचारियों की हाजिरी को रोजाना उस वार्ड का पार्षद सत्यापित करेगा। उस रिपोर्ट का मिलान सुपरवाइजर के उपस्थिति रजिस्टर से किया जाएगा। तब ही वेतन व मानदेय मिल सकेगा। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डा. मुकेश कुमार ने बताया कि पार्षद अपने वार्ड में सफाई कर्मचारियों का भौतिक सत्यापन कर उसकी रिपोर्ट रोजाना वाट्सएप पर भेजेंगे। इसके बाद सुपरवाइजरों की ओर से भेजे जाने वाले उपस्थिति रजिस्टर से मिलान किया जाएगा। जिसके बाद ही कर्मचारी का वेतन व मानदेय जारी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बिना स्वास्थ्य विभाग की अनुमति या जानकारी के बिना कर्मचारी को कहीं भी नहीं लगाया जाएगा। कर्मचारी वहीं काम करेगा जहां पर उसकी तैनाती की गई है। इस बारे में

इमरजेंसी और एमआईसीयू में सात मरीज भर्ती

अमेठी। मुंशीगंज स्थित संजय गांधी अस्पताल में धीरे-धीरे मरीजों की संख्या बढ़ रही है। रविवार को इमरजेंसी और एमआईसीयू में सात मरीज भर्ती रहे। इमरजेंसी में रविवार की शाम पांच बजे तक भर्ती 14 मरीजों का उपचार किया गया। अस्पताल का संचालन शुरू होने के बाद धीरे-धीरे मरीजों की संख्या में इजाफा हो रहा है। रविवार को अवकाश होने के चलते सिर्फ इमरजेंसी संचालित रही। शनिवार की रात से लेकर रविवार की शाम पांच बजे तक 14 मरीज इमरजेंसी में आए, जिसमें से चार मरीज इमरजेंसी में भर्ती रहे। वहीं एमआईसीयू में तीन मरीज भर्ती हुए हैं। रविवार को डॉ जमाल मुस्तफा, डॉ संजय द्विवेदी और डॉ प्रशांत द्विवेदी इमरजेंसी में तैनात रहे। डॉ संजय सिंह ने बताया कि इमरजेंसी और एमआईसीयू में सात मरीज भर्ती हैं।

कलश यात्रा के साथ शुरू हुई श्रीमद् भागवत कथा

औरैया। कस्बा स्थित काली देवी मंदिर पर शुरू हो रही रामकथा में सोमवार को कलश यात्रा निकाली गई। इस दौरान कलश यात्रा में भक्त डीजे की धुन पर थिरकते रहे थे। महिलाएं व बच्चियां अपने-अपने सर पर कलश रखकर आगे बढ़ रहीं थीं। वहीं कलश यात्रा में बैंडबाजों पर वृंदावन से आए कलाकारों ने झांकियों ने सबका मन मोह लिया। इस दौरान राम कथा वाचक मोनू रामजी भी कलश यात्रा में भक्तों के साथ मौजूद रहे। कलश यात्रा भागवत स्थल से शुरू होकर कुदरकोट रोड होती हुई कथा पंडाल में पहुंची। कलश यात्रा में शामिल पीत वस्त्र धारण करके चल रही थी। इस दौरान गांव में कलश यात्रा का जगह-जगह फूलों से स्वागत किया गया। इस मौके पर परीक्षित रमेश चंद्र गुप्ता, कामनी देवी, कपिल, भगत जी, बली संगर, मुकेश कुमार, अवनेश चक, रामकुमार, विजय कुमार आदि श्रद्धालु मौजूद रहे।

टायर फटने से बोलेरो पलटी, पांच घायल

औरैया। गंभीरपुर थाना क्षेत्र के मुहम्मदपुर बाजार के पास रविवार की रात वाराणसी की तरफ से आ रही बोलेरो का टायर अचानक ब्लास्ट कर फट गया। जिससे बोलेरो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई और उसमें चल रहे लोग घायल हो गए। बोलेरो सवार स्कूल प्रबंधक राकेश (30) निवासी बनियापार थाना मोहम्मदाबाद मऊ, नीतीश चौबे (25), निवासी बनियापार, सुनील चौबे (28) निवासी बरछतपुर, संदीप पाल (25) निवासी विश्वनाथपुर व चालक घायल हुए। सभी जिला अस्पताल लेकर भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने राकेश, नीतीश व संदीप की हालत गंभीर देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया। सभी रविवार की सुबह बाबा विश्वनाथ का दर्शन करने वाराणसी गए थे और घटना के समय वापस घर लौट रहे थे।

चोरी का पेट्रोल बेचने में नामजद समेत दो पर रिपोर्ट

औरैया। थाना पुलिस ने शनिवार दोपहर को लखनपुर से चोरी का पेट्रोल व डीजल सहित एक युवक को पकड़ा था। मामले में पूर्ति निरीक्षक ने पकड़े गए युवक समेत दो पर रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पूर्ति निरीक्षक दयाशंकर ने रविवार रात थाना अयाना में चोरी के पेट्रोलियम पदार्थ को पकड़ने के संबंध में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। जिसमें बताया कि थाना पुलिस ने लखनपुर स्थित दीपाली ढाबा स्थित टट्टर की बनाई गई चाहरदीवारी के अंदर से ड्रम में भरा 580 लीटर डीजल व 165 लीटर पेट्रोल बरामद कर मौके से एक युवक को पकड़ा था। आरोपी ने पूछताछ में अपना नाम श्यामजी निवासी संदलपुर थाना मंगलपुर कानपुर देहात बताया। आरोपी ने बताया उसे एक युवक यहां लेकर आया था। मामले में पुलिस ने पकड़े गए नामजद आरोपी समेत एक अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की। पुलिस ने आरोपी को निजी मुचलके पर छोड़ दिया। पूर्ति निरीक्षक दयाशंकर ने बताया कि आरोपी चोरी का डीजल कहां से लाते थे, इसकी उन्हें जानकारी नहीं है। मामला जिलाधिकारी को बताया गया है। उन्होंने पेट्रोलियम पदार्थ की मात्रा में हेरफेर किए जाने की बात से इन्कार किया है।

नहर में बहे युवक का 40 घंटे बाद बरामद हुआ शव

औरैया। थाना क्षेत्र के मटेरा स्थित निचली गंग कमांड नहर में नहाने के दौरान डूबे युवक का शव 40 घंटे बाद घटना स्थल ने तीन किलोमीटर दूर रखवरिया झाल के पास से एसडीआरएफ की टीम ने बरामद किया। शव को पानी से निकालकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के छोटे भाई ने तीनों दोस्तों पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मटेरा के पास निचली गंग कमांड नहर में शनिवार शाम को डूबे फरीदाबाद निवासी योगेंद्र सिकरवार (35) का रविवार देर शाम तक पता न लग पाने पर पुलिस ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों से बात कर नहर के बहाव को कम करवाया। उसके बाद सोमवार सुबह दोबारा एसडीआरएफ टीम ने नहर में तलाश शुरू की। जहां टीम ने खोजने के दौरान घटना स्थल से लगभग तीन किलोमीटर दूर रखवरिया झाल के पास से पानी में उतरा रहे शव को बरामद किया। शव की शिनाख्त पिता सोहन सिंह ने अपने बेटे योगेंद्र सिकरवार के रूप में की।

एसडीएम ने प्रश्न पूछकर जाना बच्चों की पढ़ाई का स्तर

बदायूं। एसडीएम कल्पना जायसवाल ने प्राथमिक विद्यालय एवं गोशाला का औचक निरीक्षण। इस दौरान उन्होंने छात्र-छात्राओं से प्रश्न पूछकर पढ़ाई के स्तर की जांच की तो वहीं स्कूल की व्यवस्था को भी देखा। तहसील क्षेत्र के गांव दिसौली गंज में स्थित प्राथमिक विद्यालय के निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने बच्चों से हिंदी, अंग्रेजी व गणित के कई प्रश्न किया, जिसके बच्चों ने सटीक उत्तर दिए। स्टाफ ने 100 बच्चों का पंजीकरण बताया, जिसमें 45 बच्चे उपस्थित मिले। एसडीएम को ग्रामवासियों ने रोककर स्कूल के सामने गड्ढे में बरसात का पानी भर जाने के कारण बच्चों को निकलने में हो रही परेशानी के बारे में अवगत कराया।

पीएम-सीएम पर टिप्पणी के बाद दो पक्षों मारपीट, सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा वीडियो

आजमगढ़। आजमगढ़ के पुरानी कोतवाली क्षेत्र में बिजली कटौती से नाराज युवक ने पीएम व सीएम पर टिप्पणी की। इसे लेकर दो पक्षों में कहासुनी व मारपीट हो गई। एक पक्ष के युवक ने असलहा निकाल लिया। पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया।

आजमगढ़ के पुरानी कोतवाली क्षेत्र में बिजली कटौती से नाराज युवक ने पीएम व सीएम पर टिप्पणी की। इसे लेकर दो पक्षों में कहासुनी व मारपीट हो गई। एक पक्ष के युवक ने असलहा निकाल लिया। पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया। मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

पुरानी कोतवाली क्षेत्र में रविवार को बिजली की कटौती रोज से कुछ ज्यादा हुई। रात लगभग 10 बजे मुहल्ले के डॉ. बनर्जी गली के पास राकेश कुमार उर्फ छेदी एक पान की गुमटी पर खड़े थे। इसी दौरान मुहल्ले का मो. आरिफ भी पहुंच गया और बिजली कटौती को लेकर सीएम व पीएम पर टिप्पणी की। इसका छेदी ने विरोध किया।

स्थानीय लोगों ने शांत कराया मामला इसी को लेकर दोनों में कहासुनी हो गई और दोनों ने एक दूसरे को थप्पड़ जड़ दिया। पूरी घटना को कोई व्यक्ति मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर रहा था। कुछ ही देर में छेदी के परिवार के लोग आ गए तो आरिफ ने तमंचा निकाल लिया और लहराते हुए धमकी देने लगा। किसी तरह हस्तक्षेप कर लोगों ने रात में मामला शांत कराया।

देर रात ही पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसका पुलिस ने संज्ञान में लिया और मुकदमा दर्ज करने के साथ ही मो. आरिफ को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। एएसपी सिटी शैलेंद्र लाल ने कहा कि मामूली विवाद को लेकर दो पक्षों में कहासुनी का मामला है। एक युवक ने असलहा निकाल लिया था। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसके आधार पर मुकदमा दर्ज करने के साथ आरोपी युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

झाड़-फूंक के विवाद में मारपीट, दो घायल

बलरामपुर कोतवाली के पहाड़पुर मुहल्ले में सोमवार सुबह झाड़फूंक के विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई।

इस घटना में सोनू कुमार (38), सुमित कुमार (35) घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

डॉक्टर से अभद्रता कर मारपीट की कोशिश, रिपोर्ट दर्ज

औरैया। शहर स्थित 50 शैया जिला अस्पताल में रविवार को इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर से अस्पताल पहुंचा मरीज डिस्पेंसरी खुलवाने की मांग पर अड़ गया। इसी बीच आरोपी ने डॉक्टरों से मारपीट करने का प्रयास किया। पीड़ित डॉक्टर की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। 50 शैया जिला अस्पताल के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. पंकज सिंह ने पुलिस अधीक्षक को तहरीर दी। बताया कि रविवार को वह इमरजेंसी में मरीज देख रहे थे। दोपहर करीब एक बजकर 50 मिनट पर ब्रह्मनगर निवासी विपिन त्रिपाठी ने अपनी बेटी के लिए खांसी-जुकाम की दवाई की मांग की। इस पर उन्होंने रविवार के चलते अस्पताल की डिस्पेंसरी बंद होने की बात कही। यह सुनकर इस पर आरोपी उसने बहस करने लगा। आरोपी ने मौके पर भीड़ एकत्र कर उसके साथ गाली-गलौज की और मारपीट करने करने की कोशिश की। कोतवाल पंकज मिश्रा ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी की तलाश की जा रही है, जल्द ही उसे गिरफ्तार किया जाएगा। इस संबंध में जिलाधिकारी नेहा प्रकाश ने बताया कि मामले की जानकारी होने पर सीएमओ को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

पांच घंटे तक एंबुलेंस की आस में तड़पकर मरीज की गई जान

औरैया। अजीतमल सीएचसी क्षेत्र में एंबुलेंस के इंतजार में बुखार पीड़ित ने पांच घंटे तड़प-तड़प कर परिसर में दम तोड़ दिया। मृतक के पिता ने एसडीएम अजीतमल को शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया कि वह पांच घंटों तक अस्पताल के डॉक्टरों व स्वास्थ्य कर्मियों से एंबुलेंस मंगवाने के लिए गिड़गिड़ाता रहा, लेकिन किसी ने उसकी नहीं सुनी। एसडीएम ने मामले की जांच शुरू करवा कर जानकारी डीएम को दी है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ व उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की ओर से स्वास्थ्य व्यवस्थाओं में व्यापक सुधार को लेकर भले ही पूरी ताकत लगाई जा रही हो, लेकिन जिले के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उनकी इस मेहनत पर पानी फेरते साफ नजर आ रहे हैं। संवेदनहीनता की इससे ज्यादा और क्या पराकाष्ठा होगी कि अस्पताल परिसर में एंबुलेंस न मिलने पर एक वृद्ध ने तड़पकर दम तोड़ दिया।

अजीतमल कोतवाली क्षेत्र के शाहपुर निवासी सद्दीक अली ने एसडीएम को शिकायती पत्र देकर बताया कि पिता इकबाल अली (60) पुत्र बुद्धे शाह दिव्यांग थे। रविवार को उनकी तबीयत बिगड़ने पर उन्हें सीएचसी अजीतमल में भर्ती कराया था। इस दौरान उनका हीमोग्लोबिन 13 प्वाइंट व 80 हजार प्लेटलेट्स थीं। डॉक्टर ने रविवार को उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया था। रविवार सुबह इलाज कर रहे डॉक्टर ने सुबह 11 बजे पिता की हालत में सुधार न होने पर सैफई रेफर किया। परिस्थिति अच्छी न होने पर वह पिता के लिए सैफई तक प्राइवेट वाहन उपलब्ध नहीं कर सका। अस्पताल कर्मचारियों के सुझाने पर उसने 108 नंबर पर एंबुलेंस को कई बार फोन किया, लेकिन फोन नहीं लगा। इस बीच उसने अस्पताल में मौजूद डॉक्टरों व स्वास्थ्य कर्मियों से एंबुलेंस उपलब्ध कराने की गुहार लगाई। आरोप है कि किसी ने उसकी एक न सुनी। लगभग पांच घंटे तक एंबुलेंस न मिलने और बुखार से पीड़ित पिता इकबाल ने सोमवार शाम चार बजे अस्पताल परिसर में दम तोड़ दिया। मरीज को सांस की समस्या थी। रविवार को इलाज के बाद परिजन उसे घर ले गए। सोमवार को हालत बिगड़ने पर दोबारा अस्पताल लेकर आए। रेफर करने के बाद तीमारदार किसी का इंतजार कर रहे थे। मरीज को ले जाने में तीमारदार को किसी प्रकार की कोई समस्या थी तो उन्हें अवगत कराना चाहिए था। वह स्वयं एंबुलेंस की व्यवस्था करवाते। अस्पताल के पास तीन एंबुलेंस मौजूद हैं। जिसमें एक एंबुलेंस खराब है। - डॉ. अवनीश कुमार, सीएचसी अधीक्षक, अजीतमल

अस्पताल में एंबुलेंस की पांच घंटे तड़पकर मौत होना दुर्भाग्य की बात है। मामले की जानकारी जिलाधिकारी को दी गई है। साथ ही जांच के लिए भी जिम्मेदारों को निर्देश दिए गए हैं। लापरवाही करने वालों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। - राकेश कुमार, एसडीएम अजीतमल

मरीज को सांस की दिक्कत थी। रविवार को मरीज को अस्पताल में भर्ती करके इलाज किया गया था। आराम मिलने पर रात को परिजन उसे घर ले गए थे। सुबह तबीयत बिगड़ने पर फिर से परिजन उसे अस्पताल लेकर आए थे, जहां डॉक्टर ने उसे उच्च संस्थान के लिए रेफर किया। इस बीच मरीज के साथ मौजूद तीमारदार ने कई बार एंबुलेंस मंगाने को 108 पर फोन लगाया लेकिन उसकी बात पूरी न होने के चलते एंबुलेंस नहीं आ सकी। - डॉक्टर सुनील कुमार वर्मा, मुख्य चिकित्साधिकारी, औरैया।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी 175 करोड़ की अंडर ग्राउंड केबल व्यवस्था

आजमगढ़। जनपद को तारों के मकड़जाल से मुक्ति दिलाने के लिए 175 करोड़ की लागत से अंडर ग्राउंड केबल बिछाई गई। जनपद में यह योजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई। केबल बिछने के बाद एक साल भी पूरे शहर में बिजली की आपूर्ति नहीं हो सकी। एक बार इसमें गड़बड़ी आई तो फिर वह दूर नहीं हुई। विभाग के पास न तो मरम्मत के लिए सामान हैं और ना ही पर्याप्त संख्या में कर्मचारी। जिसका परिणाम है कि धीरे-धीरे करके एक-एक मुहल्ले में यह व्यवस्था ध्वस्त होती जा रही है। लगने के बाद से नगर क्षेत्र में लगे विद्युत तारों को बदला नहीं गया है। जिसके कारण यह अक्सर लोड बढ़ने पर शार्ट सर्किट से गिरने लगते हैं। जिसे देखते हुए सपा शासन काल 2014 में अंडर ग्राउंड केबिल बिछाने का निर्णय लिया गया। इसके तहत शासन से 174 करोड़ रुपये का बजट जारी हुआ। मुंबई की पॉलीकैब प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को केबिल को बिछाने का जिम्मा सौंपा गया। 2018 में विभाग को हैंडओवर कर कंपनी चली गई और अपने कर्मचारियों को भी साथ ले गई। आए दिन कहीं न कहीं फाल्ट होने लगे। जिसमें कुछ फाल्ट तो बने लेकिन ज्यादातर फाल्ट नहीं बन सके। जिसका परिणाम है शहर क्षेत्र के ज्यादातर मुहल्लों में अंडर ग्राउंड केबिल से आपूर्ति बंद हो चुकी है। अब इन स्थानों पर ओवरहेड तारों को लगाकर लोगों को बिजली की आपूर्ति की जा रही है।

विभाग के पास मरम्मत के लिए सामान भी नहीं

जिस समय केबिल बिछाई जा रही थी इसकी गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे थे। लेकिन विभागीय अधिकारियों ने इसे नकारते हुए परियोजना को हैंडओवर ले लिया। कंपनी कार्य करके चली गई लेकिन उसने इसकी मेंटनेंस करने के लिए कोई सामान विभाग को उपलब्ध नहीं कराया। जिसका परिणाम है कि आज पौने करोड़ की यह परियोजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है।

इन मुहल्लों में बंद हो चुकी है आपूर्ति

अंडर ग्राउंड केबिल से चौक, भदुली, तकिया, पहाड़पुर, हर्रा की चुंगी, जुनेदगंज चौराहा, हाफिजपुर चौराहा, बिलरिया की चुंगी, हरिऔध नगर, शिवाजी नगर, कालीनगंज, पुरानी कोतवाली, कलेक्ट्रेट से लेकर जेल के सामने स्थित पावर हाउस तक, अनंतपुरा, कटरा, शिब्ली कालेज के सामने गड़बड़ी के बाद आपूर्ति बंद है। वहीं कोट किला, करतालपुर और देवपार में केबिल बिछाई ही नहीं गई। दलालघाट में लगी तो चालू ही नहीं हुई।

लोगों को कनेक्शन देने के लिए जगह-जगह जंक्शन बाक्स लगाए गए थे। जिन मुहल्लों में बिजली की

आपूर्ति बंद हो चुकी है। वहां से जंक्शन बाक्स या तो गायब हो चुके हैं या फिर आवागमन में बाधा बने हुए हैं। जिन मुहल्लों में अंडर ग्राउंड से आपूर्ति हो रही है। उनके जंक्शन बाक्स गिरते पड़ते किसी तरह से खड़े हैं। 00

जनपद के जर्जर तारों को बदलने और अंडर ग्राउंड केबिल के मेंटनेंस के लिए प्रस्ताव तैयार कर भेजा गया था। जिसके तहत 47 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए हैं। इनसे सारे कार्य कराए जाएंगे।
अरविंद कुमार, अधिशासी अभियंता।

96 करोड़ से चार ब्लॉकों का होगा विकास

अमेठी। प्रधानमंत्री जनविकास योजना से 96 करोड़ से अल्पसंख्यकों के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए जिले के बहादुरपुर, सिंहपुर, जगदीशपुर व बाजार शुकुल ब्लॉक में विकास कार्य होंगे। प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद अब इसको लेकर कवायद तेज कर दी गई है। योजना के तहत समुदाय के लोगों की आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं खेल-कूद से जुड़ी गतिविधियों को बढ़ावा देने की दिशा में काम चल रहा है। आबादी को शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, विद्युत के साथ सामुदायिक सहभागिता योजना से लाभान्वित करने के लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 में 1126 परियोजना के लिए 96 करोड़ 54 लाख रुपये के कार्यों के प्रस्ताव को जिला स्तरीय कमेटी ने मंजूरी दी थी। मंजूरी के बाद राज्य सरकार और अब केंद्र सरकार ने मंजूरी प्रदान की है। मंजूरी के बाद जल्द ही धनराशि जारी होने की संभावना है। धनराशि जारी होने के बाद शिक्षा, स्वास्थ्य, बाल विकास एवं पुष्टाहार, जलनिगम व पावर कारपोरेशन के प्रस्तावित कार्य पूरे होंगे। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी प्रभात कुमार ने बताया कि केंद्र सरकार से योजना के तहत प्रस्तावित कार्यों को मंजूरी मिल गई है।

दो चिकित्सकों के काम करने पर रोक, जांच तेज

अमेठी। मुंशीगंज स्थित संजय गांधी अस्पताल में महिला मरीज की मौत के मामले की जांच तेज हो गई है। अस्पताल के आंतरिक प्रबंधन ने मामले की जांच के लिए समिति का गठन किया है।

जांच के दायरे में आए दोनों चिकित्सकों से जांच पूरी होने तक काम लेने पर रोक लगा दी गई है।

कोतवाली मुसाफिरखाना क्षेत्र के गांव राम शाहपुर निवासी दिव्या को 14 सितंबर को पथरी के ऑपरेशन के लिए भर्ती कराया गया था। इस दौरान मरीज की हालत खराब हो गई। लखनऊ के एक अस्पताल में उसकी मौत हो गई। इसके बाद परिजनों ने अस्पताल के सामने शव रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया, जबकि सीएमओ ने अस्पताल का लाइसेंस निलंबित कर दिया था। इसके कारण 18 दिनों तक अस्पताल बंद था। बाद में उच्च न्यायालय के आदेश पर अस्पताल का संचालन शुरू हुआ। अस्पताल खुलने के बाद अब अस्पताल प्रबंधन ने भी इस मामले की जांच तेज कर दी है। सीओओ अवधेश शर्मा ने बताया कि अस्पताल प्रबंधन की ओर से गठित एक्सपर्ट चिकित्सकों की टीम द्वारा जांच की जा रही है। बेहोशी के चिकित्सक डॉ. सिद्दीकी व डॉ. शुभम द्विवेदी से काम नहीं लिया जा रहा है। बताया कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही हायर अथॉरिटी के निर्देश पर कार्य किया जाएगा।

बाल रोग विशेषज्ञ ने दिया त्यागपत्र

मुंशीगंज स्थित संजय गांधी अस्पताल में तैनात शिशु बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अविनाश रस्तोगी का सरकारी अस्पताल में चयन हो गया है। चयन होने के बाद बीते 11 सितंबर को उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को इसकी जानकारी देते हुए इस्तीफा दे दिया है।

वहीं अस्पताल में तैनात चिकित्सक डॉ. इसरुद्दीन अस्पताल बंद होने के बाद बगैर सूचना के इमरजेंसी में घर गए उसके बाद से अभी तक ज्वाइन नहीं किया है। सीओओ ने कहा कि जल्द ही बाल रोग विशेषज्ञ की तैनाती की जाएगी।

दीवाली पर चलेगी स्पेशल ट्रेन, प्रतापगढ़ से मिलेगी सफर की सुविधा

अमेठी। दीप के पर्व दीपावली पर घर आने-जाने की इच्छा रखने वाले परदेसियों को कोई समस्या न हो, इसके लिए वाराणसी-दिल्ली के बीच स्पेशल ट्रेन के संचालन को हरी झंडी मिल गई है। इसके बाद भी जिले के लोगों की मुश्किल कम नहीं होगी। क्योंकि जिले में इस ट्रेन का ठहराव नहीं होगा। ट्रेन से सफर करने के लिए प्रतापगढ़ जाना पड़ेगा।

त्योहारों में रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए छठ और दीपावली को देखते हुए स्पेशल ट्रेनें चलेंगी। वाराणसी से दिल्ली के बीच ट्रैक पर एक स्पेशल ट्रेन संचालित होगी। स्पेशल रेलगाड़ी छह नवंबर से 30 नवंबर तक प्रत्येक सोमवार, बृहस्पतिवार और शनिवार को नई दिल्ली से शाम 07.20 बजे प्रस्थान कर अगले दिन सुबह 09:45 बजे वाराणसी पहुंचेगी। वापसी में वाराणसी-नई दिल्ली आरक्षित स्पेशल रेलगाड़ी 07 नवंबर से एक दिसंबर तक प्रत्येक मंगलवार, शुक्रवार और रविवार को वाराणसी से शाम 06.35 बजे प्रस्थान कर अगले दिन सुबह 09:00 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। वातानुकूलित, शयनयान तथा सामान्य श्रेणी के डिब्बे वाली स्पेशल ट्रेन गाजियाबाद, मुरादाबाद, लखनऊ तथा प्रतापगढ़ स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में रुकेगी। ट्रेन का ठहराव अमेठी जिले में नहीं है। ऐसे में जिले में लोगों को ट्रेन पर यात्रा करने की सुविधा प्रतापगढ़ रेलवे स्टेशन से मिलेगी।

पर्व पर घर आने की इच्छा रखने वाले यात्री समय से अपना टिकट बुक करा सकते हैं। ट्रेन में आरक्षित टिकटों की बुकिंग शुरू हो चुकी है। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी उत्तर रेलवे लखनऊ दीपक कुमार ने वाराणसी-दिल्ली स्पेशल ट्रेन संचालन की पुष्टि करते हुए बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन संचालित की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर ट्रेनों के फेरे में वृद्धि या दूसरी स्पेशल ट्रेन भी संचालित की जा सकती है।

धोखाधड़ी कर खातों में डलवाए 95 हजार रुपये, रिपोर्ट दर्ज

अलीगढ़। पीड़ित ने अलीगढ़ के साइबर क्राइम अधिकारी को मामले की जानकारी दी। इसके बाद भी कोई कार्यवाही न होने पर पीड़ित ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। क्षेत्र के गांव जलालपुर के एक युवक के खाते से धोखाधड़ी कर 95 हजार रुपये दूसरे खातों में भेज दिए गए। पीड़ित ने थाने में इसकी रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित संदीप राठी के अनुसार उनका खाता पिसावा के पंजाब नेशनल बैंक की शाखा में है। बीती 16 अप्रैल को उनके खाते से तीस हजार रुपये एक अन्य खाते में डलवा दिए गए और पांच हजार रुपये एक अन्य खाते में डलवाए गए। इसकी सूचना साइबर क्राइम सेल को दे दी गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद 30 अप्रैल को 60 हजार रुपये दो बार में एक अन्य खाते में डलवा लिए गए। पीड़ित का आरोप है कि एक गैंग है, जो धोखाधड़ी करता है। जिसके चलते पीड़ित के खाते से 95 हजार रुपये तीन खातों में डलवाए गए हैं। पीड़ित ने अलीगढ़ के साइबर क्राइम अधिकारी को मामले की जानकारी दी।

धान के कम भाव पर किसान आक्रोशित, लगाया जाम

अलीगढ़। रोजाना मंडी में सुबह नौ बजे तक धान के भाव घोषित होते हैं। सोमवार को व्यापारियों ने धान का भाव नहीं खोला। किसानों के कहने पर दोपहर 12 बजे धान का भाव 3461 रुपये प्रति क्विंटल खोला गया, जो अन्य मंडियों की अपेक्षा कम था। किसानों ने नारेबाजी कर मंडी गेट पर जाम लगा दिया।

कृषि उत्पादन मंडी समिति में सोमवार को धान का भाव देरी से अपेक्षाकृत कम लगाए जाने पर किसान आक्रोशित हो गए। उन्होंने व्यापारियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मंडी गेट पर जाम लगा दिया। सूचना पर भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष व पदाधिकारी पहुंच गए। उन्होंने किसानों को समझाकर जाम खुलवा दिया। लेकिन कुछ देर बाद समस्याओं को लेकर किसानों के साथ मंडी कार्यालय के सामने धरने पर बैठ गये। सूचना पर पहुंचे एसडीएम, सीओ व मंडी सचिव के सामने किसानों की समस्याओं को रखा गया। उनका निदान होने पर किसान शांत हुए।

रोजाना मंडी में सुबह नौ बजे तक धान के भाव घोषित होते हैं। सोमवार को व्यापारियों ने धान का भाव नहीं खोला। किसानों के कहने पर दोपहर 12 बजे धान का भाव 3461 रुपये प्रति क्विंटल खोला गया, जो अन्य मंडियों की अपेक्षा कम था। किसानों ने नारेबाजी कर मंडी गेट पर जाम लगा दिया। सूचना पर भाकियू जिलाध्यक्ष, युवा प्रदेश महासचिव मनु बालियान व अन्य पदाधिकारी पहुंच गए। उन्होंने किसानों को समझाया कि जाम लगाना ठीक नहीं है। सूचना पर एसडीएम दिग्विजय सिंह व सीओ राजीव द्विवेदी पहुंच गये। उन्होंने किसानों को समझाने की कोशिश की लेकिन अधिक भीड़ के चलते बात नहीं बनी। भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष विनोद सारस्वत, भाकियू जिलाध्यक्ष सुंदर सिंह बालियान, मनू चौधरी सहित ग्यारह लोगों के प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम सीओ व मंडी सचिव से वार्ता की।

किसानों की समस्याएं रखीं। किसान नेताओं ने तुलाई में एक किलो अनाज न काटने, पंद्रह दिन में भुगतान करने, जल्दी भुगतान पर दो प्रतिशत कटौती न करने तथा धान के वाहनों का मंडी में प्रवेश का समय सुबह तीन से दोपहर एक बजे तक का करने की मांग रखी। जिस पर एसडीएम दिग्विजय सिंह ने मांग अनुरूप कार्य करने का आश्वासन दिया। इसके बाद किसानों ने धरना समाप्त किया।

जाम लगने पर धर्मकांटा संचालकों को नोटिस

अलीगढ़-पलवल मार्ग पर लग रहे जाम को लेकर सोमवार को एसडीएम खैर ने दो धर्मकांटा संचालकों को वाहनों को खड़ा कराने पर नोटिस दिए हैं। उनके खिलाफ धारा 133 सीआरपीसी के तहत कार्रवाई की तैयारी है। एसडीएम दिग्विजय सिंह का कहना है कि जाम से निजात दिलाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसमें सभी का सहयोग अपेक्षित है।

उन्होंने व्यापारियों से भी अतिक्रमण न करने तथा दुकानों के बाहर वाहनों को न खड़ा कराने का आह्वान किया। कहा कि धान से लदे वाहन सुबह तीन बजे से दोपहर एक बजे तक ही मंडी में प्रवेश कर सकेंगे। कतार में नहीं चलने वाले वाहनों के ई चालान किए जाएंगे।

यूनिवर्सिटी के अल्पसंख्यक दर्जे को लेकर सुनवाई 12 अक्टूबर को, एएमयू इंतजामिया कर रही मंथन

अलीगढ़। न्यायालय में एएमयू के अल्पसंख्यक दर्जे के मामले में एएमयू बनाम डॉ. नरेश अग्रवाल व अन्य के बीच वाद चल रहा है। भारत के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता में सात सदस्यीय पीठ इसकी सुनवाई कर रही है। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) के अल्पसंख्यक दर्जे को लेकर उच्चतम न्यायालय में सात जजों की पीठ 12 अक्तूबर को सुनवाई करेगी। इस मसले को लेकर सोमवार को एएमयू इंतजामिया के लोगों ने घंटों मंथन किया। न्यायालय में एएमयू के अल्पसंख्यक दर्जे के मामले में एएमयू बनाम डॉ. नरेश अग्रवाल व अन्य के बीच वाद चल रहा है। भारत के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता में सात सदस्यीय पीठ इसकी सुनवाई कर रही है। रविवार को एएमयू के प्रशासनिक भवन में ईसी सदस्य, कुलपति, कुलसचिव, सभी संकायों के डीन, निदेशक, वित्त अधिकारी, परीक्षा नियंत्रक, डीएसडब्ल्यू सहित अन्य शिक्षकों की बैठक हुई। इसमें न्यायालय में अल्पसंख्यक दर्जे को लेकर चल रहे मामले पर मंथन किया गया। पैरवी के लिए क्या रणनीति होगी, इस पर रायशुमारी ली गई।

फरवरी 2019 में संविधान पीठ को सौंपा था अल्पसंख्यक प्रकरण

सुप्रीम कोर्ट ने एएमयू को अल्पसंख्यक संस्थान का दर्जा देने का प्रकरण फरवरी 2019 में सात सदस्यीय संविधान पीठ को सौंप दिया था। तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई, न्यायमूर्ति एल. नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की पीठ ने शिक्षण संस्थाओं को अल्पसंख्यक दर्जा देने के लिए मापदंड परिभाषित करने का मुद्दा संविधान पीठ को सौंपा। संयुक्त प्रगति गठबंधन (यूपीए) की केंद्र सरकार ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के 2006 के फैसले के खिलाफ अपील दायर की थी। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि यह विश्वविद्यालय अल्पसंख्यक संस्थान नहीं है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने भी हाईकोर्ट के फैसले को अलग से शीर्ष अदालत में चुनौती दे रखी थी।

हलफनामे को चुनौती

एएमयू के पूर्व जनसंपर्क अधिकारी डॉ. राहत अबरार ने बताया कि वर्ष 1981 में एएमयू संस्थान अल्पसंख्यक स्वरूप की बहाली के बाद वर्ष 2004 में मनमोहन सिंह की सरकार की ओर से एक पत्र में कहा गया कि यह अल्पसंख्यक संस्थान है, इसलिए वह अपनी दाखिला नीति में परिवर्तन कर सकता है। तत्कालीन केंद्र सरकार की अनुमति के बाद विश्वविद्यालय ने एमडी-एमएस के विद्यार्थियों के लिए प्रवेश नीति बदलकर आरक्षण प्रदान किया। यूनिवर्सिटी के खिलाफ पीड़ित डॉ. नरेश अग्रवाल व अन्य उच्च न्यायालय इलाहाबाद चले गए। एकल पीठ का फैसला विवि के खिलाफ आया। युगल पीठ का फैसला भी विवि के खिलाफ था।

उसके बाद विवि ने उच्चतम न्यायालय की शरण ली, जहां आदेश दिया गया कि जब तक कोई सुबूत नहीं मिलता, तब तक यथा स्थिति बनी रहेगी, लेकिन भाजपा सरकार ने एएमयू पक्ष में दाखिल हलफनामे को चुनौती दी।

पैनल की उठी मांग

एएमयू के अल्पसंख्यक दर्जे को लेकर बुलाई गई बैठक में कुलपति पैनल की मांग उठी। साथ ही कुछ शिक्षकों को उनके विभाग को संबोधित करके बुलाया गया था, जबकि वह शिक्षक संघ अध्यक्ष और सचिव हैं। इसको लेकर भी मुद्दा उठा।

घर में घुसकर की छेड़छाड़, पीटा

अमेठी। संग्रामपुर थानाक्षेत्र के एक गांव की छात्रा को पड़ोसी गांव का एक युवक फोन करके परेशान करता था। बात नहीं करने पर युवक रात में छात्रा के घर पहुंचा। छात्रा के साथ के अश्लील हरकत करने लगा। विरोध करने पर युवक ने छात्रा की पिटाई की। शोर सुनकर परिजन को आते देख भाग निकला। पीड़िता ने मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना के बाद केस दर्ज कर पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया है। संग्रापुर थानाक्षेत्र की रहने वाली एक छात्रा सुल्तानपुर के एक कॉलेज की छात्रा है। तीन अक्तूबर को उसके मोबाइल पर टिकरिया मजरे भौसिंहपुर गांव निवासी सुजीत ने फोन किया। उसने बात करने से मना किया। युवक अलग-अलग नंबरों से उसे फोन करके परेशान करने लगा। शिकायत की धमकी दी तो भी उसने परेशान करना नहीं छोड़ा। बात नहीं करने पर जान से मारने की धमकी भी दी। आरोप है कि छह अक्तूबर की रात में छात्रा के घर पहुंच गया। लोहे की राड लेकर धमकी देते हुए छात्रा के घर में घुस गया और अश्लील हरकत करने लगा। विरोध करने पर उसकी पिटाई करना लगा। लोग दौड़े तो वह भाग निकला। सुबह पीड़िता अपने पिता के साथ थाने पहुंची।

रिश्वतखोरी में पकड़े गए अफसरों का नहीं हुआ निलंबन, सीबीआई रिपोर्ट आने पर होगी कार्रवाई

अलीगढ़। पांच अक्तूबर को सीबीआई ने रिश्वतखोरी को लेकर लाल डिग्गी स्थित सेंट्रल जीएसटी के कार्यालय में छापेमारी की थी। इस दौरान चार अफसरों को 25 हजार रुपये की रिश्वत के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अगले दिन सीबीआई ने उन्हें ले जाकर गाजियाबाद कोर्ट में पेश किया था, जहां से चारों को न्यायिक हिरासत में लेकर जेल भेज दिया गया। सीबीआई द्वारा अलीगढ़ से सीजीएसटी (सेंट्रल जीएसटी) कार्यालय से चारों अफसरों की गिरफ्तारी के मामले में अभी तक सीबीआई द्वारा विभाग को दस्तावेज नहीं सौंपे जा सके हैं। सीबीआई की ओर से लिखित में दस्तावेज नहीं मिलने के कारण निलंबन भी जारी नहीं हो सका है। हालांकि किसी भी मामले में गिरफ्तारी के बाद संबंधित अफसर को 48 घंटे बाद ही स्वयं निलंबित मान लिया जाता है।

पांच अक्तूबर को सीबीआई ने रिश्वतखोरी को लेकर लाल डिग्गी स्थित सेंट्रल जीएसटी के कार्यालय में छापेमारी की थी। इस दौरान चार अफसरों को 25 हजार रुपये की रिश्वत के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अगले दिन सीबीआई ने उन्हें ले जाकर गाजियाबाद कोर्ट में पेश किया था, जहां से चारों को न्यायिक हिरासत में लेकर जेल भेज दिया गया। सीबीआई की ओर से हुई कार्रवाई को लेकर चार दिन बीत चुके हैं, लेकिन सीजीएसटी मुख्यालय को रिपोर्ट नहीं भेजी गई है। सीबीआई की रिपोर्ट नहीं मिलने पर चारों को अफसरों को विभाग की ओर से निलंबित पत्र जारी नहीं किया गया है। इसके अलावा विभाग में अफसरों की तैनाती भी अभी नहीं हो पाई है। मंडल में 45 कर अधीक्षकों जरूरत है, लेकिन यहां 17 ही थे। इसमें चार को जेल हो गई और अब 13 कर अधीक्षक ही बचे हैं। लखनऊ मुख्यालय को भी मामले से अवगत कराया गया है, ताकि अफसरों की तैनाती की जा सके। सीजीएसटी के असिस्टेंट कमिश्नर एसके माहौर के अनुसार सीबीआई की ओर से अभी तक लिखित में विभाग को रिपोर्ट नहीं दी गई है। ऐसे में निलंबन पत्र जारी नहीं हुआ है। शनिवार एवं रविवार के अवकाश के बाद सोमवार को सीजीएसटी का कार्यालय खुला जरुर लेकिन वहां सन्नाटा छाया रहा।

संक्षिप्त समाचार

शहर में सजने लगे पंडाल, विजयदशमी से बढ़ेगी महोत्सव की शोभा

सुल्तानपुर। ऐतिहासिक दुर्गापूजा महोत्सव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। शहर में जगह-जगह पूजा पंडाल बनाने के लिए कारीगरों ने बांस-बल्ली लगानी शुरू कर दी है। पंडालों में स्थापित होने वाली देवी प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में मूर्तिकार भी जुट गए हैं। पूजा पंडाल बनाने में कारीगर लग गए हैं। जिले का दुर्गापूजा महोत्सव विजयादशमी से शुरू हो जाता है। इस बार 24 अक्तूबर को विजयदशमी का पर्व पड़ रहा है। इस दिन से पूजा महोत्सव चरम पर हो जाता है। पूजा समितियों की ओर से बनवाए जा रहे पंडालों के निर्माण में तेजी आ गई है। कारीगर पंडालों के निर्माण में जुटे हुए हैं। मूर्तिकार भी रंग-रोगन कर प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। शहर के चौक, ठठेरीबाजार समेत अन्य स्थानों पर कारीगरों ने बांस-बल्ली के सहारे पंडालों को देवस्थानों का रूप देना शुरू कर दिया है। शहर व उससे सटे क्षेत्रों में करीब 100 से अधिक स्थानों पर पूजा पांडाल सजेंगे।

64 वर्षों का इतिहास समेटे दुर्गापूजा महोत्सव

गौरतलब है कि वर्ष 1959 में जिले में दुर्गापूजा का शुभारंभ ठठेरी बाजार में भिखारीलाल सोनी व उनके सहयोगियों ने कराया था। यहां से शुरू हुआ दुर्गापूजा का सिलसिला समय के साथ बढ़ता ही गया। भिखारीलाल के चचेरे भाई बाबा राधेश्याम सोनी बताते हैं कि दूसरी मूर्ति की स्थापना रुइहा गली में बंगाली प्रसाद सोनी ने 1961 में कराई। वर्ष 1970 में दो प्रतिमाएं और जुड़ीं। उसके अगले वर्ष कालीचरन ने श्री संतोषी माता और राजेंद्र प्रसाद (रज्जन सेठ) ने मां सरस्वती की प्रतिमा की स्थापना कराई थी।

इस बार के महोत्सव की रूपरेखा

दुर्गापूजा महोत्सव के अंतर्गत 15 अक्तूबर को पंडालों में कलश स्थापना होगी। 20 अक्तूबर को देवी प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। 22 अक्तूबर को महाअष्टमी व्रत पर पंडालों में अनुष्ठान होंगे। 23 को महानवमी हवन का होगा। 24 अक्तूबर को विजयदशमी के दिन से महोत्सव चरम पर रहेगा। 25 अक्तूबर को शहर में भरत मिलाप कार्यक्रम होगा। 27 अक्तूबर को पूर्णाहुति यज्ञ होगा। 28 अक्तूबर को शहर में मूर्ति रथ यात्रा एवं विसर्जन शोभा यात्रा निकलेगी। केंद्रीय पूजा व्यवस्था समिति के कोषाध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने बताया कि दुर्गापूजा महोत्सव के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों की दिनवार आयोजनों की जानकारी जिलाधिकारी कृतिका ज्योत्सना को सौंपी गई है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय पूजा व्यवस्था समिति की ओर से प्रशासन से अनुष्ठान को सकुशल संपन्न कराने के लिए सहयोग मांगा गया है।

फंदे से लटका मिला महिला का शव, आठ माह पहले हुई थी शादी

उन्नाव। महिला का शव घर के अंदर पंखे के कुंडे में रस्सी के फंदे से लटका मिला। ससुरालीजनों ने शव फंदे से उतारने के बाद। मायकेवालों को हृदयगति रुकने से मौत की सूचना दी। मृतका के पिता का आरोप है कि वह लोग पहुंचे तो कमरे में चूड़ियां टूटी पड़ी थीं। गले में कसने जैसे निशान थे। हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को सूचना दी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हैंगिंग से मौत की पुष्टि हुई है। आसीवन थानाक्षेत्र के कस्बा कुरसठ निवासी शिवपूजन गुप्ता की 28 फरवरी 2023 को फतेहपुर जिले के किशनपुर लुधौरा निवासी मोनिका उर्फ प्रियंका (24) से शादी हुई थी। शनिवार शाम घर के कमरे में फंदे से लटका शव मिला। पति सहित अन्य ससुरालीजनों ने शव को फंदे से उतारा और बर्फ पर रख दिया और मृतका के बहनोई राघवेंद्र को फोन कर मोनिका की हृदयगति रुकने से मौत की सूचना दी। मृतका के पिता किशन गुप्ता, बड़ी बेटी दीपिका और दामाद राघवेंद्र के साथ सोमवार देर रात कुरसठ पहुंचे। उन्होंने हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को सूचना दी। आरोप लगाया कि बेटी के गले में रस्सी से कसने का निशान और कमरे में टूटी चूड़ियां पड़ी मिलीं। इससे उसके साथ मारपीट और हत्या का आरोप लगाया। आरोप लगाया कि शादी के बाद से ही पति शिवपूजन व अन्य ससुरालवाले रुपयों की मांग को लेकर प्रताड़ित कर रहे थे। बताया कि बेटी ने शुक्रवार रात करीब नौ बजे फोन कर पति द्वारा मारपीट करने की बात बताई थी। इसके बाद बेटी से संपर्क नहीं हो पाया। पिता की तहरीर पर दो डॉक्टरों के पैनल में जिला महिला अस्पताल के डॉ. विशाल मोहन सक्सेना और जिला अस्पताल के डॉ. विकास सचान ने शव का पोस्टमार्टम किया, जिसमें हैंगिंग की पुष्टि हुई। थानाध्यक्ष संदीप मिश्रा ने बताया कि मृतका के पिता की तहरीर पर शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। जांच और तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

हर घर जल योजना-खर्च होंगे 3.03 अरब रुपये

उन्नाव। जिले की सभी 1040 ग्राम पंचायतों में हर घर तक नल से जल पहुंचाने की योजना में टेंडर प्रक्रिया पूरी हो गई है। मेघा इंजीनियरिंग हैदराबाद को कार्यदायी संस्था नामित किया गया है। योजना पर कुल 3.03 अरब रुपये खर्च होंगे। यह योजना दो फेज में पूरी होगी। जिले में भूगर्भ जल में फ्लोराइड की अधिकता को देखते हुए यह परियोजना सतही जल स्रोत (गंगा नदी के पानी को साफ करके जलापूर्ति) पर आधारित होगी। इसके लिए दो डब्ल्यूटीपी (वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट) स्थापित किए जाएंगे। जिले के भूगर्भीय जल में फ्लोराइड और आर्सेनिक की मात्रा अत्यधिक है। जिलेवासियों को शुद्ध पेयजल मुहैया कराने के लिए केंद्र सरकार ने जल जीवन मिशन योजना में जनपद को शामिल किया है। जलनिगम (ग्रामीण) के अधिशासी अभियंता अजीत कुमार सिंह ने बताया कि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में 1040 ग्राम पंचायतों और 1682 राजस्व ग्रामों में नल से हर घर जलापूर्ति दी जाएगी। योजना को पूरा करने के लिए जिले को दो क्लस्टर में बांटा गया है। क्लस्टर 'ए' के लिए 165905.35 लाख और क्लस्टर 'बी' के लिए 137288.01 लाख रुपये खर्च होंगे। इसके लिए लवकुश बैराज के पास एक इनटेक और पतारी व कोरारीकला में दो वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, 88 भूमिगत टैंक, 364 पानी की टंकियां (ओवरहेड टैंक) बनेंगी। घरों तक पानी पहुंचाने के लिए 10,143 किलोमीटर भूमिगत पाइप लाइनें बिछाई जाएंगी। साथ ही 4,55,229 घरों में कनेक्शन दिए जाएंगे। बताया कि निर्माण एजेंसी परियोजना पर काम करेगी और जल निगम निगरानी करेगा। जिले के लोग कई साल से शुद्ध पेयजल न मिलने की समस्या से जूझ रहे हैं। 1981 व 2005 के बीच जिले में स्थापित की गईं 74 ग्रामीण पेयजल योजनाएं अपनी समयावधि पूरी कर चुकी हैं। हालत यह है कि 74 में 44 पेयजल योजनाओं ने पानी देना बंद कर दिया है। किसी में बिजली की समस्या है तो किसी की मोटर या बोरिंग फेल हो गई है और उनकी पाइपलाइनें भी चोक हो चुकी हैं। जलनिगम की रिपोर्ट के अनुसार 33 पेयजल योजनाएं ही आंशिक रूप से चल पा रही हैं। ऐसे में लोगों को शुद्ध पेयजल की समस्या से जूझना पड़ रहा है।

कनाडा भेजने के नाम पर ठगे 18 लाख रुपये

यमुना नगर। बेटे को पढ़ाई के लिए कनाडा भेजने के नाम पर दो लोगों ने पुलिसकर्मी जगाधरी निवासी बलदेव राज से 18 लाख रुपये ठग लिए। आरोप कुरुक्षेत्र के लाडवा निवासी दीपक गाबा व अतिंद्र सिंह पर लगा है। आरोपियों ने पुलिसकर्मी से लगभग 29 लाख रुपये ले लिए थे। बेटे को विदेश न भेज पाने पर बाद में 11 लाख रुपये वापस कर दिए। पुलिस ने दोनों आरोपियों पर धोखाधड़ी का केस दर्ज क र लिया है। जगाधरी की ए-सिल्वर स्ट्रीट निवासी बलदेव राज ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह पुलिस विभाग में कार्यरत है। साल 2019 में उसका बेटा विदेश जाकर पढ़ाई करना चाहता था। साल 2019 में उसकी मुलाकात लाडवा निवासी लाड़वा निवासी दीपक गाबा व अतिंद्र सिंह के साथ हुई थी। दोनों विदेश भेजने का काम करते हैं। उन्होंने लाडवा इंद्री रोड वरटैक्स ओवरसीज के नाम से ऑफिस बनाया हुआ है। अपनी पत्नी के साथ वह उनसे मिलने उनके कार्यालय में गया और अपने बेटे विपिन कुमार को विदेश भेजने की बातचीत की। तब आरोपियों ने उसके बेटे को स्ट्डी वीजा पर कनाडा में भेजने की बात कही। आरोपियों ने उसके बेटे को कनाडा भेजने के लिए दस्तावेज दिए। इसके बाद फरवरी 2019 से लेकर दिसंबर 2020 तक उन्होंने विभिन्न तारीखों में दोनों आरोपियों ने उससे 29 लाख 70 हजार 500 रुपये ले लिए। इस दौरान उन्होंने कुछ रुपये लोन लेकर आरोपियों को दिए और कुछ रुपये गहने गिरवी रखकर दिए। लेकिन आरोपियों ने बेटे को विदेश नहीं भेजा।

आजमगढ़ मंडल की 393 सड़कों की होगी मरम्मत

आजमगढ़। मंडल की 393 जर्जर सड़कों की 8555.44 लाख रुपये से मरम्मत होगी। इनका निर्माण लोक निर्माण विभाग कराएगा। शासन ने पहली किस्त के रूप में 4278.72 लाख रुपये जारी कर दिए हैं। किस्त की राशि जिलों को भेज दी गई है। ये सड़कें महज एक महीने के अंदर बना दिए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इससे पहले एक दिन में इतने बड़े पैमाने पर सड़कों को बनाने के कार्य को कभी मंजूरी नहीं दी गई थी। शासन से जर्जर सड़कों की मरम्मत करने के लिए आजमगढ़ मंडल को कुल 8555.44 लाख रुपये का बजट मिलेगा। जिसमें 533.272 किमी लंबी 393 क्षतिग्रस्त सड़कों का निर्माण होगा। इसमें बलिया जनपद में 3431.13 लाख रुपये से 152 सड़कों का 185.305 किलोमीटर, आजमगढ़ में 4292.54 लाख से 192 सड़कों का 304.907 किलोमीटर और मऊ में 831.77 लाख से 49 सड़कों का 43.06 किलोमीटर का मरम्मतीकरण कराया जाएगा। बजट मिलने के बाद विभागीय अधिकारियों ने सड़कों के मरम्मत के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है।

समय के साथ चलें तभी हासिल कर सकेंगे जीवन में ऊंचाई -गुलाब देवी

वाराणसी। माध्यमिक शिक्षामंत्री गुलाब देवी ने कहा कि विद्यार्थी समय का ख्याल रखें। जो समय के साथ चलते हैं, वही ऊंचाइयों तक पहुंच पाते हैं। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि आप अपने अंदर नैतिकता और अनुशासन लाएं। जीवन में यही हमेशा काम आएगा। सलाह भी दी कि आप मोबाइल फोन का इस्तेमाल पढ़ाई के लिए करें। मोबाइल के पीछे अपना समय बर्बाद ना करें। कमच्छा स्थित सीएम एंग्लो बंगाली इंटर कॉलेज के 125वें स्थापना दिवस एवं संस्थापक चिंतामणि मुखर्जी के 163वें प्राकट्य दिवस पर बतौर मुख्य अतिथि उन्होंने ये बातें कहीं। कहा कि बच्चों में मोबाइल की लत आज चिंता का विषय है। यही स्थिति रही तो उनमें नैतिकता और अनुशासन के साथ ही देशभक्ति भी खत्म हो जाएगी। ये देश के लिए, खतरा बन सकता है। उन्होंने कहा कि चिंतामणि मुखर्जी ऐसे संत थे, जिन्होंने बच्चों को अनुशासित कर उन्हें समय का महत्व समझाया। अध्यक्षता करते हुए राज्यमंत्री रवींद्र जायसवाल ने इस विद्यालय से जुड़ी अपनी स्मृतियों को साझा किया। उन्होंने अपने पिताजी के नाम से छात्रों के लिए एक लाख रुपये की छात्रवृत्ति देने की घोषणा की। इस दौरान दोनों अतिथियों ने पांच दिवसीय चिंतामणि महोत्सव पर आयोजित प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। शिक्षकों को चिंतामणि विभूति सम्मान से सम्मानित किया। प्रधानाचार्य डॉ. विश्वनाथ दुबे ने अतिथियों का स्वागत किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की कड़ी में प्रख्यात लोक गायिका शैल बाला ने कजरी, चैती की प्रस्तुति दी। संचालन मीनाक्षी दीक्षित ने किया। इस मौके पर शिक्षामंत्री के पति रामपाल, ज्वाइंट डायरेक्टर आरएस सिंह, क्षेत्रीय अपर सचिव विनोद राय, डीआईओएस अवध किशोर सिंह, डीआईओएस द्वितीय सोमारू प्रधान आदि मौजूद रहे।

इनका हुआ सम्मान

डॉ. मुक्ता पाण्डेय, डॉ. पीसी शर्मा, ज्योतिषाचार्य चंद्रमौलि उपाध्याय, डॉ. रामानंद दीक्षित, डॉ. आरके भाटिया, अंशुमान सरकार, सर्वजीत सिंह, डॉ. प्रभाष झा, राजकुमार पाठक, चंद्रशेखर, डॉ. पीयूष दत्त, डॉ. अरविंद चौबे, राजेश कुमार सिंह, एसके प्रसाद, सुरेश कुमार आदि शामिल रहे।

डीसीएम की चपेट में आकर बाइक सवार युवक की मौत

आजमगढ़। बरदह थाना क्षेत्र के जिवली बाजार के पास रविवार की देर रात डीसीएम व बाइक में टक्कर हो गई। इस हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंचे परिजन उसे आनन-फानन में जौनपुर जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। जिवली गांव निवासी मनीष राय उर्फ रिंकू (36) रविवार की शाम किसी काम से बरदह बाजार आया हुआ था। रात लगभग नौ बजे के आसपास व बाइक से अपने घर लौट रहा था। जिवली बाजार के पहले ही मुख्य मार्ग पर स्थित ढाबा के पास वह पहुंचा था कि डीसीएम से उसकी टक्कर हो गई। इस हादसे में मनीष गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के लिए जिला अस्पताल जौनपुर ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

जन आरोग्य मेले में बढ़े वायरल के मरीज

सुल्तानपुर। जिले में बुखार के रोगियों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। रविवार को 45 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर आयोजित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले में ज्यादातर मरीज बुखार के रहे। चिकित्सकों ने जांच करके दवाएं उपलब्ध कराई हैं। मेले में 77 चिकित्सक व 336 पैरामेडिकल स्टाफ ने 4,786 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें दवाइयां दीं। 1953 लोगों की कोविड स्क्रीनिंग की गई व 89 लोगों के आयुष्मान गोल्डन कार्ड बनाए गए। दोस्तपुर के पीएचसी छीतेपट्टी में मलेरिया से पीड़ित दर्जनों रोगी इलाज के लिए पहुंचे। इनकी जांच कर दवाइयां दी गईं। खालिसपुर दुर्गा निवासी अंश कुमार, अंशिका, पुष्पा, रीता, अमित, राम नयन, मंशा राम व मो इंतजाम समेत कई मरीजों का इलाज किया गया। डॉ देव नरायन निषाद ने बताया कि क्षेत्र में वायरल बुखार से ज्यादातर लोग पीड़ित हैं। खालिसपुर दुर्गा निवासी अंशकुमार ने बताया कि कई दिनों से बुखार आ रहा है। अंशिका ने भी बुखार की बात बताई। सूरापुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र विजेथुआ में आस्था, सुबरातन, इन्दवती, श्रेयांश, तृप्ति मोदनवाल समेत कुल 43 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। डॉ. प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि 35 मरीज जुकाम, बुखार से पीड़ित पाए गए। सभी की जांच कर दवाएं दी गईं। धम्मौर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कुल 32 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। डॉ. गरिमा सिंह ने बताया कि 32 मरीज जुकाम, बुखार तथा त्वचा रोग से पीड़ित पाए गए। होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. इंद्रजीत मौर्य ने भी मेले में 20 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें दवाइयां दीं। कुड़वार व अलीगंज में प्रभारी डॉ वेदांत यादव व डॉ अतुल अग्रवाल ने मरीजों की जांच कर उन्हें दवाइयां दीं। मोतिगरपुर पीएचसी में 503 मरीजों की जांचकर उपचार किया गया। पीएचसी बढ़ौनाडीह में डॉ. संजीव पांडेय ने 62 मरीजों का इलाज किया।

छुट्टा पशु ले रहे जान, लग रहा जाम

आजमगढ़। छुट्टा मवेशियों का आतंक समाप्त नहीं हो रहा है। खेद के साथ ही लोगों के जान के भी ये दुश्मन बने हुए है। आए दिन इनके चलते सड़क हादसे होते है और लोग घायल होते है। कई हादसों में इनसे चलते मौत तक हो गई है। वहीं कई जगहों पर से खुद भारी वाहनों की चपेट में आकर मृत जो जाते है। शहर क्षेत्र में तो इनका आतंक कायम है। जिस रास्ते से यह गुजरते है, वह रास्ता कुछ देर के लिए ही सही खाली सा हो जाता है। वहीं कई रास्तों पर ये जाम का बड़ा कारण बनते है। योगी सरकार ने गो आश्रय स्थलों की स्थापना कर सड़कों पर छुट्टा घूमने वाले मवेशियों को पकड़ कर इनमें रखने का निर्देश दिया। इसके बाद भी काफी संख्या में गौवंश शहर से लेकर ग्रामीणांचल तक की सड़कों पर घूम रहे है और जाम के झाम का कारण बनने के साथ ही हादसों का भी बड़ा कारण बन रहे है। रविवार की शाम ही फूलपुर कोतवाली क्षेत्र में बाइक सवार छुट्टा मवेशी से टकरा कर सड़क पर गिर पड़ा और पीछे से आ रही ट्रक उसे रौंदते हुए निकल गई। जिससे उसकी मौत हो गई। वहीं रानी की सराय थाना क्षेत्र में तीन माह पूर्व छुट्टा मवेशी से टकराने के बाद बाइक पलट गई थी।

खस्ताहाल मार्ग के निर्माण की मांग में लगाया जाम

यमुना नगर। खस्ताहाल हुए यमुनानगर-गुमथला मार्ग के निर्माण की मांग को लेकर भारतीय किसान संघ के बैनर तले किसान रविवार सुबह खजूरी रोड जाम कर बैठ गए। साथ ही सरकार व प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर पुतला फूंका। जाम की सूचना के तुरंत बाद मौके पर पीडब्ल्यूडी एक्सईएन नवीन खत्री पहुंचे, जिन्हें किसानों ने यमुनानगर-गुमथला मार्ग के नवीनीकरण की मांग में ज्ञापन सौंपा। इस दौरान एक्सईएन ने आश्वासन दिया कि दो दिन में मार्ग के गड्ढे भर दिए जाएंगे और जल्द सड़क निर्माण की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इस पर किसानों की ओर से पूर्व घोषित अनिश्चितकालीन धरने को स्थगित कर दिया गया। साथ चेतावनी दी कि जल्द सड़क निर्माण की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई तो दोबारा आंदोलन करने पर विवश होंगे।

किसान नेता प्रताप सिंह खजूरी व रामबीर उन्हेड़ी ने कहा कि यमुनानगर-गुमथला मार्ग तीन वर्षों से खस्ता हालात है। इस पर करनाल तक 200 से अधिक गांव लगते हैं। जिनका क्षतिग्रस्त सड़क से वाहन तो दूर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। अगर सड़क का निर्माण जल्द शुरू नहीं हुआ तो लोकसभा चुनाव में सरकार को खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि वर्ष-2002 में ओमप्रकाश चौटाला ने मुख्यमंत्री रहते क्षेत्र की सभी सड़कों का निर्माण किया था, पर जब से दुष्यंत चौटाला पीडब्ल्यूडी विभाग के मंत्री बने, तब से सभी सड़कों का बुरा हाल है।अगर जल्द इन सड़कों का निर्माण नहीं हुआ तो भारतीय किसान संघ दोबारा प्रदर्शन करने पर मजबूर होगा। एक्सईएन नवीन खत्री ने किसानों को आश्वासन दिया कि सड़क निर्माण के लिए 24 करोड़ रुपये मंजूर हो चुके हैं। सड़क का निर्माण कंक्रीट से करवाया जाएगा।

मौके पर सुशील खजूरी, मदन भगत, रामकुमार, सुरेश कनालसी, सुरेश कांबोज, ब्लॉक अध्यक्ष सुशील कुमार, मास्टर जमशेद सिंह, नरेश कांबोज, वीरेंद्र लाल छप्पर, विकास राणा मीडिया प्रभारी, कंवरपाल खजूरी, लोकेश राणा, मोहित खजूरी, राजकुमार उन्हेड़ी, जोगिंदर नंबरदार मारुपुर व अन्य उपस्थित रहे।

संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय-पहली बार संस्कृत में होगी पर्यावरण की पढ़ाई, ऋग्वेद के मंत्र भी शामिल

वाराणसी। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में शास्त्री की कक्षाओं में छात्र-छात्राएं नए सत्र से पर्यावरण का नया पाठ्यक्रम पढ़ेंगे। वेद, उपनिषद और पुराणों को आधार बनाकर पर्यावरण का नया पाठ्यक्रम जल्द ही तैयार होगा। ? अग्निमीले पुरोहितं यज्ञस्य देवमृत्विजम होतारं रत्नधातमम अर्थात हम अग्निदेव की स्तुति करते हैं।

अग्निदेव यज्ञ के पुरोहित, देवता ऋत्विज, होता और याचकों को रत्नों से विभूषित करने वाले हैं। ऋग्वेद का पहला मंत्र जल्द ही पर्यावरण पाठ्यक्रम का अंग होगा। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय जल्द ही वैदिक परंपरा पर आधारित पर्यावरण पाठ्यक्रम तैयार करने जा रहा है। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में शास्त्री की कक्षाओं में छात्र-छात्राएं नए सत्र से पर्यावरण का नया पाठ्यक्रम पढ़ेंगे। वेद, उपनिषद और पुराणों को आधार बनाकर पर्यावरण का नया पाठ्यक्रम जल्द ही तैयार होगा। इसके लिए सात सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया। वैदिक परंपरा के आधार पर पर्यावरण का पाठ्यक्रम तैयार करने वाला यह पहला विश्वविद्यालय होगा। पाठ्यक्रम में पर्यावरण के स्वरूप, तत्व, भेद, रक्षा के उपाय, प्रभाव, विभिन्न श्रेणियां, पर्यावरण से संरक्षण के फायदे, लक्ष्य, तनाव प्रबंधन, सामान्य प्रबंध के साथ ही पर्यावरण के जरिए विश्व बंधुत्व के भाव को भी समाहित किया जाएगा। छात्र कल्याण संकायाध्यक्ष प्रो. हरिशंकर पांडेय के नेतृत्व में पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए समिति ने अपना कार्य शुरू कर दिया है। वेद, संहिता, उपनिषद और भारतीय संस्कृति के अध्ययन के आधार पर पाठ्यक्रम तैयार किया जाएगा। प्रो. पांडेय ने बताया कि कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्मा के निर्देशन में इस पाठ्यक्रम को तैयार किया जा रहा है। नए सत्र से इसे लागू भी कर दिया गया है। कहा कि पहले वेद ऋग्वेद के पहले मंत्र की शुरूआत ही प्रकृति की आराधना से होती है। इसमें अग्नि की आराधना की गई है। पुराणों में वर्णन है कि दशकूप समा वापी, दशवापी समोहृदः। दशहृद समः पुत्रो, दशपुत्रो समो द्रुमः। इसका तात्पर्य है कि दस पुत्रों की तुलना एक वृक्ष से की गई है। इसको आधार बनाकर ही पर्यावरण का नया पाठ्यक्रम तैयार किया जा रहा है। भगवान शिव के अष्टमूर्ति स्वरूप को केंद्र में रखकर इस पाठ्यक्रम को तैयार किया जा रहा है। प्रो. पांडेय ने बताया कि संविवि देश का पहला विश्वविद्यालय होगा जिसमें वैदिक परंपरा के आधार पर पर्यावरण का पाठ्यक्रम तैयार किया गया है।

-पर्यावरण के आधुनिक घटक-

पर्यावरण क्या है

- पर्यावरण के तत्व हैं
- पर्यावरण की सुरक्षा कैसे की जाए
- पर्यावरण का समाज पर प्रभाव
- पर्यावरण का व्यक्ति पर प्रभाव
- जल की संरक्षा कैसे हो-आक्सीजन का उत्पादन कैसे होगा

मृत्यु से बचने का नहीं, अपितु मृत्यु को संवारने का करें प्रयास

वाराणसी। ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि लोग मृत्यु से बचने का उपाय करते हैं परंतु हमें यह समझना चाहिए कि जिसका जन्म हुआ है उसकी मृत्यु निश्चित रूप से होती ही है। इसलिए मृत्यु से कोई व्यक्ति नहीं बच सकता। हमें मृत्यु को संवारने का प्रयास करना चाहिए। यदि मृत्यु को संवार लेंगे तो मुक्ति प्राप्त हो जाएगी। वह रविवार को केदार क्षेत्र के शंकराचार्य घाट पर स्थित श्रीविद्यामठ में कोरोना काल के मृतकों की सद्गति हेतु आयोजित मुक्ति कथा कह रहे थे। शंकराचार्य ने कहा कि जिस प्रकार किसी तरल पदार्थ को रखने के लिए बर्तन की आवश्यकता होती है उसी प्रकार जीव भी किसी न किसी शरीर में रहता है। पानी बर्तन के अनुसार आकार धारण कर लेता है इसी प्रकार जीव भी जिस शरीर में जाता है उस अनुसार आकार धारण कर लेता है। शरीर को सांचे की तरह और मन को तरल पदार्थ की तरह से समझना चाहिए। कहा कि जब जन्म समाप्त होगा तो मृत्यु भी समाप्त हो जाएगी। हमें अपने जन्म को समाप्त करने की आवश्यकता है।

टीम करेगी ओडीएफ प्लस गांवों का निरीक्षण

यमुना नगर। जल शक्ति मंत्रालय की टीम जल्द ही जिले के उन गांवों का निरीक्षण करेगी जिन्होंने खुद को ओडीएफ (खुले में शौच मुक्त) प्लस घोषित किया है। ये गांव अपनी ओडीएफ स्थिति को बनाए हुए हैं और ठोस व तरल कचरे के प्रबंधन के लिए प्रणाली मौजूद हैं। इस बार टीम में जल शक्ति मंत्रालय के सचिव भी शामिल होंगे। टीम किन्हीं पांच गांवों का निरीक्षण कर वहां पर ओडीएफ प्लस के लिए किए गए कार्यों व वास्तविकता का आंकलन करेगी। अब तक जिले के 405 गांव ओडीएफ प्लस घोषित हो चुके हैं। जिले के 59 गांवों की लिस्ट ओडीएफ प्लस के लिए कुछ दिन पहले भेजी गई है। ओडीएफ प्लस के लिए पहले गांवों ने आवेदन किया था। इसके बाद ब्लॉक, जिला, राज्य की टीम ने इन गांवों का निरीक्षण कर जायजा लिया। ऐसा गांव जहां सभी घरों के साथ-साथ प्राथमिक विद्यालय, पंचायत घर और आंगनबाड़ी केंद्र में शौचालय की सुविधा हो। खुले में शौच पर पूर्ण पाबंदी हो और ग्राम पंचायत में कम से कम एक सामुदायिक शौचालय हो। स्कूल-आंगनबाड़ी केंद्र पर छात्र और छात्राओं के लिए अलग-अलग शौचालय उपलब्ध हो। वहीं सभी सार्वजनिक स्थानों और घरों में अपने ठोस व तरल कचरे का प्रभावी ढंग से प्रबंधन हो। गांव के लोगों में स्वच्छता को लेकर जागरूकता हो, जगह-जगह स्वच्छता और जागरूकता के स्लोगन भी लिखा होना शामिल है। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के जिला कार्यक्रम प्रबंधक बलिंद्र कटारिया ने बताया कि ओडीएफ प्लस के जिले के 59 गांवों के नाम भेजे गए हैं। जल शक्ति मंत्रालय के सचिव अब इनमें से किन्हीं पांच गांवों में जाकर विजिट करेगी। यदि किसी गांव में कोई कमी है तो उसका भी पता चल जाएगा। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नवीन आहूजा के नेतृत्व में अब तक जिले के 405 गांव ओडीएफ प्लस घोषित हो चुके हैं।

वित्तमंत्री ने आईआईटीयंस को दिया होमवर्क

वाराणसी। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने आईआईटीयंस को होमवर्क भी दिया है। उन्होंने कहा कि मातृ भाषा के बारे 100 शब्द लिखें और डायरेक्टर के पास भेज दें। आईआईटी बीएचयू में मेंटल वेलनेस सप्ताह समारोह का शुभारंभ करने आई केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने आईआईटीयंस को होमवर्क भी दिया है। उन्होंने कहा कि मातृ भाषा के बारे 100 शब्द लिखें और डायरेक्टर के पास भेज दें। इस पर आईआइटियंस ने हामी भरी और कहा कि जल्द ही टास्क पूरा करेंगे। निदेशक प्रो पीके जैन ने कहा कि वित्तमंत्री का होमवर्क जल्द ही पूरा होगा। इसका संकल्प छात्र-छात्राओं ने लिया है।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए किताब पढ़ना लाभदायक

वित्तमंत्री ने आईआईटी के छात्रों को तनाव से दूर रहने का मंत्र भी दिया। उन्होंने कहा कि विषय के साथ ही दूसरी किताबें भी पढें। किताब पढ़ना मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। उन्होंने स्टूडेंट्स काउंसिल की तारीफ की और कहा कि संस्थान ने तनाव दूर करने के लिए काउंसिलिंग की व्यवस्था की है। यह काबिले तारीफ है।

रोज मिल रही मानसिक स्वास्थ्य की जानकारी

केंद्रीय वित्तमंत्री ने सरकार की तरफ से मेंटल वेलनेस के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी। बताया कि 900 टेली काउंसलर प्रतिदिन 3 हजार छात्रों को 20 भाषाओं में मानसिक स्वास्थ्य की जानकारी देते हैं। इस दौरान आईआईटी बीएचयू के प्रो. पीके जैन व अन्य प्रोफेसर मौजूद रहे।

वित्तमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार क्वालिटेटिव मेंटल हेल्थ केयर के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए भारत सरकार ने 2020-21 में आवंटित बजट 713 करोड़ से बढ़ाकर 2023-24 में 1200 करोड़ रुपये कर दिया है।

छात्र की मौत के बाद पहुंची स्वास्थ्य टीम व सफाई टोली

सुल्तानपुर। विकवाजितपुर में बुखार से छात्र की मौत तथा हनुमानगंज में तीस लोगों के बीमार होने का मामला सुर्खियों में आते ही प्रशासन सक्रिय हो गया है। स्वास्थ्य विभाग की टीम रविवार को अवकाश के बाद भी गांव पहुंची। टीम ने बुखार से पीड़ित लोगों की जांच की और सफाई टीम ने साफ-सफाई की। क्षेत्र के विकवाजितपुर गांव में बुखार से एक छात्र की मौत का मामला अमर उजाला के आठ अक्तूबर के अंक में प्रकाशित होने के बाद स्वास्थ्य व पंचायतराज विभाग सक्रिय हो गया है। प्रशासन के निर्देश पर चिकित्सा अधीक्षक डॉ. आरपी सिंह की मौजूदगी में स्वास्थ्य टीम ने गांव पहुंचकर पीड़ितों के बारे में जानकारी ली। टीम ने बच्चे की मौत के बारे में परिजनों से जानकारी लेते हुए परिवार के अन्य सदस्यों का डेंगू किट से सैंपल लेकर जांच की। सीएचसी अधीक्षक ने बताया कि मृत बच्चा पखवाड़े भर पहले किसी अन्य प्रदेश से परिजन के साथ घर वापस आया था। तबीयत बिगड़ने पर उसे सीएचसी से मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया।

प्रथम स्वाधीनता संग्राम में राजा राव रामबक्श ने दिया था बड़ा योगदान

उन्नाव। आजादी के पहले स्वतंत्रता आंदोलन 1857 के नायकों में डौंडियाखेड़ा के शासक राजा राव राम बक्श सिंह का नाम इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है। अंग्रेजों के नाम से नफरत करने वाले राव साहब ने प्रथम स्वाधीनता संग्राम में अंग्रेजों और ब्रितानिया हुकूमत को नाको चने चबवाए। गजेटियर के अनुसार 28 जून 1857 को बक्सर के डिल्लेश्वर मंदिर में छिपे अंग्रेज जनरल डीलाफोस सहित 12 अंग्रेज सैनिकों को जिंदा जला दिया था। बाद में अंग्रेजों ने उन्हें उनके ही विश्वासपात्र नौकर चंदी की मुखबिरी पर अंग्रेजों ने काशी से गिरफ्तार किया और रायबरेली की अदालत में मुकदमा चलाया। 28 दिसंबर 1859 को डिल्लेश्वर शिव मंदिर के पास बरगद के पेड़ में फांसी दे दी थी। प्रथम स्वाधीनता संग्राम के वीर सेनानियों में शामिल, बक्सर क्षेत्र के गांव डौंडियाखेड़ा के राजा राव राम बक्श सिंह की 121वीं जयंती के उपलक्ष्य में बैसवारा क्षेत्रीय कल्याण समिति के संयोजन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज डौंडियाखेड़ा में समिति द्वारा स्थापित कराई गई अश्वरोही प्रतिमा का अनावरण करेंगे। आजादी के महानायक राजा राव राम बक्श सिंह को अंग्रेजों के नाम से ही नफरत थी। यही वजह थी कि अंग्रेज उनके क्षेत्र में दाखिल होने की हिम्मत नहीं कर पाते थे। गजेटियर के अनुसार 17 फरवरी 1856 को जिस समय अंग्रेज जनरल लार्ड डलहौजी ने अवध क्षेत्र को अंग्रेजी राज्य में मिलाने की घोषणा की उस समय राव साहब एक अच्छे शासक के रूप में विख्यात थे। गदर के समय डौंडियाखेड़ा अंग्रेज विरोधी गढ़ बन गया था। राव साहब के विरोध के कारण जनरल हैवलॉक और उनकी सेना का लखनऊ पहुंचना मुश्किल हो गया था। 21 मार्च 1858 को लखनऊ पर विजय के बाद अंग्रेजी फौजी ने बैसवारा का रुख किया। एक मई को 1858 को पुरवा और 10 मई को डौंडियाखेड़ा पहुंची और तोपों से हमला कर राव साहब के किले को ध्वस्त कर दिया। उस मंदिर को भी ध्वस्त कर दिया, जिसमें 12 अंग्रेज सैनिकों को जलाया गया था। इसके बाद राव साहब अपने विश्वास पात्र नौकर चंदी केवट के साथ काशी चले गए। बाद में अंग्रेजों ने उनके सेवक को मिला लिया और उसकी जानकारी से राजा साहब को गिरफ्तार कर लिया था। 28 दिसंबर 1859 को डिल्लेश्वर शिवमंदिर के पास बरगद के पेड़ में सरेआम फांसी दे दी थी। दिवंगत संत शोभन सरकार ने राव साहब के खंडहर हो चुके किले में एक हजार टन सोना दबा होने की बात बताई थी। इस पर एएसआई की जांच के बाद किले में चिन्हित स्थान पर 15 अक्तूबर 2013 को खोदाई शुरू हुई तो डौंडियाखेड़ा गांव देश ही नहीं विदेशों तक में चर्चा में आ गया था। हालांकि महीनों चली खोदाई के बाद भी कुछ नहीं मिल सका था।

जनवरी 2024 तक कॉलोनियों से हटेगा अवैध का ठप्पा-मनोहर

यमुना नगर। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने रविवार को दशहरा ग्राउंड में आयोजित जन संवाद कार्यक्रम में शहरवासियों को मनोहर सौगातें दी। उन्होंने कहा कि जिन कॉलोनियों पर अवैध का ठप्पा लगा है, उन सभी का 31 जनवरी 2024 तक हट जाएगा। एक भी कॉलोनी ऐसी नहीं रहेगी जो अवैध होगी। वैध होने पर सभी कॉलोनियों पर उचित विकास कार्य होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे परिवार जिनका व्यवसाय के हिसाब से बिजली का बिल ज्यादा आता है, उन परिवारों का फिजिकल सर्वे करवाया जाएगा, सर्वे के हिसाब से जो भी इन परिवारों को सुविधा मिलेगी उन्हें सुविधा दी जाएगी।

इन परिवारों में ऑटो चलाने वाला, धोबी, प्रेस करने वाला, नाई, बढ़ाई का काम करने वाले परिवारों को भी जोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री ने जन संवाद करते हुए कहा कि यमुनानगर जिले में बीपीएल के दिसंबर 2022 में 55693 कार्ड थे जबकि अब 71388 कार्ड बने हैं। सात महीनों में करीब 16 हजार कार्ड नए बने हैं। मुख्यमंत्री ने उपायुक्त को निर्देश दिए कि जिले में पीपीपी कार्ड के माध्यम से जो भी दिव्यांग व्यक्ति हैं उनको जिस भी चीज की आवश्यकता है, उन्हें रेडक्रॉस के माध्यम से उपलब्ध करवाएं। मनोहर लाल ने कहा कि सरकार ने दिल्ली से चंडीगढ़ तक करीब 200 फ्लाईओवर पूरे किए हैं जो कि बंद पड़े थे। पिछली सरकारों ने ऐसे ठेकेदारों को काम दिया था जोकि अधूरा काम करके चले गए, जनता को उसका खामियाजा भुगतना पड़ा। उनकी सरकार ने आते ही नए ठेकेदारों को काम दिया जिससे काम समय पर और कम रेट में पूरा किया गया।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल जन संवाद करते हुए पूछा कि यमुनानगर विधानसभा क्षेत्र की जनसंख्या कितनी है। जनता के अलावा मौजूद अधिकारी भी इसका जवाब नहीं दे पाए। फिर मुख्यमंत्री ने कहा कि पीपीपी का कमाल है कि हमारे पास वास्तविक संख्या है, 30 सितंबर तक यमुनानगर विधानसभा क्षेत्र की आबादी 5 लाख 13 हजार 363 थी और विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 36 हजार 344 परिवार थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यमुनानगर विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 48 हजार 715 लोगों का आयुष्मान कार्ड बने हैं, जिसमें से 17 हजार 383 लोगों ने आयुष्मान के तहत उपचार करवाया है। इस उपचार के माध्यम से 44 करोड़ 78 लाख रुपये का खर्च आया है इन परिवारों को एक भी रुपया अपने पास से नहीं देना पड़ा। वहीं मुख्यमंत्री के जन संवाद में शांति देवी ने कहा कि आयुष्मान योजना के तहत उन्हें बच्चादानी का ऑप्रेशन करवाया था उन्हें 24 हजार रुपये का लाभ हुआ है, जबकि अस्पताल में टेस्ट के पैसे दिए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि शीघ्र ही योजना के तहत टेस्टों के पैसे भी आयुष्मान कार्ड के माध्यम से ही दिए जाएंगे। किसी भी जरूरतमंद को एक भी पैसा नहीं देना होगा। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि यमुनानगर विधानसभा क्षेत्र में 15 सड़कें मंजूर की गई है जिनमें से 8 सड़कों पर निर्माण कार्य चल रहा है और 7 का शीघ्र ही टेंडर हो जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्कशॉप वाली सड़क का काम अंतिम चरणों में है। इस पर करीब साढ़े तीन करोड़ रुपये का खर्चा आया है। मुख्यमंत्री के जन संवाद कार्यक्रम में वंदना ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि उनका मकान आवास योजना के तहत बना है परंतु उनका पानी व सीवरेज का बिल मकान बनने से पहले का भेज दिया है जबकि उनका मकान वर्ष 2021 में बना है और बिल 2003 से भेजा गया है। मुख्यमंत्री ने जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए कि इसकी जांच की जाए और वर्ष 2011 से 2021 का बिल माफ किया जाए।

जन संवाद कार्यक्रम में गांव की आबादी देह में जोहड़ को बंद करने के बारे में मांग की गई। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी जोहड़ को बंद नहीं किया जा सकता। इसके लिए गांव पंचायत से प्रस्ताव बना कर भेजना होगा कि वह आबादी देह के जोहड़ को बंद करके गांव में ही जमीन देंगे और उस जमीन की खुदाई करके देंगे तथा आबादी देह के जोहड़ को समतल भी करेंगे। मुख्यमंत्री ने जन संवाद कार्यक्रम में ऐसे व्यक्ति जिनकी आयु 60 साल हो गई है और आय 3 लाख से कम है, संवाद के दौरान 11 लोगों की तुरंत पैंशन बनवाई गई और मुख्यमंत्री ने उन्हें पैंशन का प्रमाण पत्र सौंपा और बधाई दी। मुख्यमंत्री ने अपने जन संवाद में 5 ऐसे बच्चों व युवाओं को जन्मदिन की बधाई दी और उन्हें गिफ्ट देकर सम्मानित किया।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के 2 करोड़ 80 लाख लोग मेरे परिवार के सदस्य है इसलिए यह काम वह राजनीति से ऊपर उठकर कर रहे है।

पांच दिन से बिजली गुल, ग्रामीणों ने जाम लगाने का किया प्रयास

उन्नाव। विकासखंड के गांव मटुकरी में एलटी लाइन जर्जर होने से पांच दिन से बिजली नहीं आ रही थी। रविवार सुबह ग्रामीणों का सब्र टूट गया और वह उन्नाव-संडीला मार्ग पर धरना देने लगे। सूचना मिलते ही तहसीलदार और एसडीओ पहुंचे। उन्होंने लाइन की मरम्मत कराकर बिजली आपूर्ति शुरू कराई। साथ ही बिजली लाइन के तार बदलवाने का भी आश्वासन दिया। गंजमुरादाबाद ब्लॉक के गांव मटुकरी में एलटी लाइन कई स्थानों पर जर्जर है। इससे अक्सर तार टूटकर गिरते रहते हैं और आपूर्ति ठप होती है। पांच दिन से बिजली की समस्या झेल रहे ग्रामीण रविवार सुबह करीब नौ बजे बांगरमऊ-संडीला मार्ग पर धरने पर बैठ गए और जाम लगाने का प्रयास किया। हालांकि ग्रामीणों के सड़क पर बैठने के कुछ देर बाद ही तहसीलदार साक्षी राय, एसडीओ तकिया ध्रुवचंद जयसवाल और बेहटामुजावर थाना प्रभारी फूल सिंह पहुंच गए।

एसडीओ ने बताया कि जितने कनेक्शन और लोड स्वीकृत हैं उनके अनुसार तार और ट्रांसफार्मर लगे हैं। बताया कि काफी संख्या में ई-रिक्शा चार्ज करने व अन्य काम के लिए लोग कटिया लगा लेते हैं। इससे लाइनें और ट्रांसफार्मर ओवरलोड होते हैं। आश्वासन दिया कि जो बिजली लाइन खराब है उसके तार भी बदलवाए जाएंगे। अधिकारियों के आश्वासन के बाद ग्रामीण शांत हुए और सड़क से हटे। एसडीओ ने बताया कि एलटी लाइन कमजोर होने से समस्या आई है। गंजमुरादाबाद। कस्बे में अघोषित बिजली कटौती से बमुश्किल 10 से 12 घंटे ही बिजली मिल पा रही है। लोगों ने नगर निकाय के लिए निर्धारित आपूर्ति रोस्टर के अनुसार बिजली देने की मांग की है। गंजमुरादाबाद कस्बे की आबादी करीब 20 हजार है। जिसको बिजली उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त संख्या में ट्रांसफार्मर स्थापित हैं लेकिन पिछले कई दिनों से कस्बे में रात और दिन अघोषित कटौती हो रही है। कस्बे के लोगों को 10 से 12 घंटे ही बिजली मिल रही है। जबकि नियमानुसार कस्बे को 22 घंटे आपूर्ति होनी चाहिए। इससे जलापूर्ति भी प्रभावित है। कस्बे में इस समय हजरत मौलाना फजले रहमा का उर्स चल रहा है। इसमें आए लोगों को भी परेशानी हो रही है।

POK के लिए मुस्लिमो ने निकाली तिरंगा यात्रा

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के नेता बोले- 'वे' हिंदुस्तानी थे..हैं...और रहेंगे

कानपुर। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (RSS) के फ्रंटल संगठन राष्ट्रवादी मुस्लिम संगठन मुस्लिम राष्ट्रीय मंच की तरफ से मगंलवार को कानपुर में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (POK) के लिए तिरंगा यात्रा निकाली गई। जिसका नेतृत्व प्रांत सह संयोजक अशफाक सिद्दीकी व प्रांत संरक्षक श्री समी अंसारी जी ने किया।

यात्रा का आयोजन मुस्लिम राष्ट्रीय मंच कानपुर महानगर संयोजक अली अकबर, शीबू भारतीय, सबिहा खान, कय्यूम अशरफ, अबू ओसामा, वासिफ आदि ने किया। यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय संयोजक श्री इस्लाम अब्बास जी, रजा रिजवी जी,स्वामी मुरारी दास जी, क्षेत्रीय संयोजक मो0 अबरार जी,खलीक मीनू ने इस यात्रा को प्रारंभ किया। इस मौके पर मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के राष्ट्रीय संयोजक और उत्तर प्रदेश व उत्तराखड प्रभारी श्री इस्लाम अब्बास जी ने कहा कि यह तिरंगा यात्रा पीओके के लिए थी। क्योंकि पीओके अनेकों वर्षों से पाकिस्तान से जुदा होकर भारत में आना चाहता है। विभाजन के समय आज का पीओके भारत में था। उस समय की सरकार की गलतियों के चलते वह पाकिस्तान के कब्जे में रह गया और यूएनओ के अंदर विवाद में आ गया। उस समय कांग्रेस की हुकूमत और पूर्व पीएम पंडित नेहरू आदिज्आदिज्अंग्रेजों के ऐसे चक्रव्यूह में फंसे कि गलतियां हो गईं।

इसलिए आज का ये जलसा हिंदुस्तान के अंदर जो वतन की तरक्की है, मुहब्बत है, हिफाजत और कुर्बानी की आवाज है यह मुसलमानों के द्वारा आए और उसमें ये भाव आए वे हिंदुस्तानी थे, हिंदुस्तानी हैं और हिंदुस्तानी रहेंगे। वे पूर्वजों से जुबान से और मुल्क से हिंदुस्तान के थे और हिंदुस्तान के रहेंगे। वे विदेशी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान की आज की हुकूमत जो नरेंद्र मोदी की है, उसके विचारों और संकल्पों को बढ़ाने का यह समय है। क्योंकि पीएम मोदी संसद में भी कहते हैं कि जब जब जम्मू-कश्मीर की बात करते हैं तो उसमें पीओके भी आता है। इस बात को जन-जन तक पहुंचाने के लिए ये आगाज है। आगाज भी ऐसा भी होना चाहिए कि वह अंजाम तक पहुंचे। आज का ये जलसा इस बात का सबूत है कि ये हकीकत में बदलेगा।

यात्रा में उपस्थित मुस्लिम राष्ट्रीय मंच कानपुर के सैकड़ों कार्यकर्ताओ ने हिस्सा लिया। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच कानपुर के प्रांत सह संयोजक अशफाक सिद्दीकी ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि हम हिंदुस्तान के अंदर यह तिरंगा यात्रा श्रृश्रद्ध पर झंडा फहराने तक जारी रखेंगे। उन्होंने कहा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मजनूं शाह मलंग का सपना अखण्ड भारत हो अपना% को पूरा करने का समय आ गया है हमेशा से वतन की तरक्की, मुहब्बत, हिफाजत और कुर्बानी की आवाज रहे वे हुव्वलवतनी हिंदुस्तानी थे, हिंदुस्तानी हैं और हिंदुस्तानी रहेंगे। हमारे पूर्वजों ने इस मुल्क को अपने खून पसीने से सींचा है तब पाकिस्तान हिंदुस्तान का बंटवारा नहीं हुआ था। इसलिए अब हमें पीओके चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य रूप अली अकबर, शीबू भारतीय, समी अंसारी जी, अबू ओसामा, कय्यूम अशरफ, सबिहा खान, राजू खान, वासिमुद्दीन, ज़हीर रिज़वी, तारिक, नायाब, अरशद खान, मुजफ्फर, अदनान, इमरान सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

अवध विवि में छात्र-छात्राओं की बीच प्रश्नोंत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के हिन्दी भाषा एवं प्रयोजनमूलक विभाग एवं क्षेत्रीय भाषा केन्द्र तथा बैक ऑफ बड़ौदा के संयुक्त तत्वावधान में प्रश्नोंत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन प्रचेता भवन में किया गया। इस प्रथम चरण के प्रतियोगिता में विभिन्न विभागों के लगभग 150 छात्र-छात्राओं ने बढ़चढ कर हिस्सा लिया।

हिन्दी भाषा एवं प्रयोजनमूलक विभाग की सहायक आचार्य एवं प्रतियोगिता की संयोजक डॉ0 सुमन लाल ने बताया कि 13 अक्टूबर तक दो चरणों में प्रश्नोंत्तरी एवं चित्रकला प्रतियोगिता कराई जा रही है। मंगलवार को प्रथम चरण में प्रश्नोंत्तरी प्रतियोगिता कराई गई है। बुधवार को छात्रों के बीच बॉब चित्रकला प्रतियोगिता होगी। इन प्रतियोगिताओं के चयनित विद्यार्थी मुख्य चरण की प्रतियोगिता में जायेंगे। इसके उपरांत शीर्ष पांच विद्यार्थियों को पुरस्कार धनराशि एवं प्रमाण-पत्र वितरित किए जायेंगे एवं 10 विद्यार्थियों को रैंकिंग प्रमाण-पत्र दिए जायेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य को सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किया जायेगा।

दादा मियां की दरगाह पर समाजसेवियों और पत्रकारों ने प्रदेश की खुशहाली के लिए चढ़ाई अकीदत की चादर

कई धर्मो के लोग रहे मौजूद,एकता अखंडता के लिए हुई विशेष दुवा

लखनऊ।आज माल एवेन्यू स्थित हजरत ख्वाजा मोहम्मद नबी रजा शाह (दादा मियां) की दरगाह शरीफ पर समाजसेवियों और पत्रकारों के राष्ट्रीय संगठन प्रिन्ट मीडिया वर्किंग जर्नलिस्ट एसोसिएशन तथा उ.प्र. ज़िला मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में प्रदेश की खुशहाली के लिए चादर पोशी की गई।इसी के साथ ही पत्रकारों तथा देश वासियों के खैर मकदम के लिए व दुनिया तथा मुल्क में अमन शान्ति के लिए व्यवस्थापक फरहत मियां और खादिम आरिफ़ मियां ने इज्तिमाई दुआ कराई। इस रूहानी महफ़िल में शहर की नाम चीन हस्तियों में रॉयल ग्रुप के हेड मुरलीधर आहूजा, डॉक्टर आदर्श त्रिपाठी, भाजपा की वरिष्ठ नेता फरहा रिज़वी, समाजसेवी महेश चंद्र दीक्षित,सरदार राजू, प्रिन्ट मीडिया वर्किंग जर्नलिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अज़ीज़ सिद्दीकी,मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन के महामंत्री अब्दुल वहीद, सचिव जुबेर अहमद, एन.आलम,जमील मलिक, डॉक्टर सतीश अग्रवाल,मोहम्मद इमरान,परवेज अख्तर,शबाब नूर, शादाब अहमद, नवाज़ खान,जावेद बेग,आरिफ़ मुकीम, वसी अहमद सिद्दीकी,नौशाद बिलग्रामी, इकराम गुड्डू व सैकड़ों पत्रकार मौजूद थे।

इस मौके पर समाजसेवियो के साथ ही वाराणसी के मशहूर शहनाई वादक बिस्मिल्ला खां के दामाद ने शहनाई बजाकर चादर की अगुवाई की।

जिसने कभी न झुकना सीखा उसका नाम मुलायम है -सूरज सिंह

यदुवंशी महासभा ने मनाई पुण्यतिथि

त्रिगुट संवाददाता

गोंडा। उत्तर प्रदेशीय यादव महासभा गोण्डा इकाई द्वारा नेताजी मुलायम सिंह यादव की प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि सूरज सिंह ने कहा कि मुलायम सिंह यादव नेताजी का जन्म संघर्ष की कोख से हुआ है मुलायम सिंह यादव पहले पहलवान फिर शिक्षक और बाद में एक प्रसिद्ध नेता के रूप में देश भर में उभरे।

नेताजी ने न जाने कितने राजनैतिक परिवार को पहचान दिलाने का काम किया है जिसका उदाहरण मेरा परिवार स्वयं है। नेताजी ने यादव समाज को पहचान दिलाने के साथ-साथ सभी वर्ग जाति धर्म का सम्मान किया है। नेताजी ने भारतीय राजनीति में अनूठा आयाम स्थापित किया। सूरज सिंह ने कहा कि समाज के लोगों को अपनी आने वाली पीढ़ी को शिक्षित और

अनुशाषित बनाने का प्रण लेना होगा तभी समाज का उद्धार होगा। महासभा के अध्यक्ष एडवोकेट रामधन यादव ने मुख्य अतिथि सूरज सिंह का माला पहनाकर स्वागत किया। आयोजक मण्डल अध्यक्ष कस्तूरी यादव ने आये हुए अतिथियों का आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद दिया।

जिला उपाध्यक्ष मस्तराम यादव, प्रांतीय सदस्य मंगली यादव, इंस्पेक्टर जैस राज यादव, एड जगदम्बा यादव, साहब राम यादव, ह्रदयराम यादव, दरोगा यादव, पप्पू यादव, एड राम अनुज यादव, केशवराम यादव, रामदयाल यादव, रमेश यादव, साहब राम यादव, डॉ शिवनारायण यादव, गंगाराम यादव, बाबादीन यादव, कुंदन यादव, लालजी रद्धू यादव, रामतीरथ यादव, बद्री प्रसाद यादव, संतोषी यादव, विजय यादव, नरेंदर यादव आदि ने श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

आकाश गुप्ता की मुहिम से पूरे देश में स्थापित होगा रक्त सम्बध

झारखण्ड की राजधानी रांची में 15 अक्तूबर को करेंगे अपना 46 वा रक्तदान

त्रिगुट संवाददाता

अयोध्या। समूचे देश में रक्तदान जागरुकता महाअभियान को लेकर अयोध्या जिले ब्लडमैन के उपनाम से चर्चित आकाश गुप्त ने पूरे देश में रक्त सम्बन्ध स्थापित करने का अनोखा संकल्प लिया है और इस मुहिम के चलते वो देश के सभी 28 राज्यों में रक्तदान करेंगे। दुर्लभ ग्रुप के रक्तदाता आकाश गुप्ता ने अभी तक चार राज्यों में अभी तक 45 बार ब्लड डोनेट कर चुके है और आगामी 15 अक्तूबर को वे झारखण्ड की राजधानी रांची में अपना 46 वा रक्तदान करेंगे। बताते चले कि उच्च शिक्षित शीतला प्रसाद गुप्ता उर्फ आकाश गुप्त के प्रयास से देश में रक्त क्रांति लाने के उद्देश्य से अभी बीते 21 सितम्बर को प्रभु राम की नगरी अयोध्या एक छत के नीचे रक्तदाता महाकुम्भ का आयोजन किया गया था जिसमें नेपाल सहित 22 राज्यों के रक्तदाताओ ने हिस्सा लेकर ब्लड डोनेट भी किये थे।आकाश गुप्त ने बताया कि रक्तदान की प्रेरणा उन्हे अपने दिवंगत पिता कृष्णा लाल गुप्त से विरासत में मिला हुआ है जिनकी हत्या आतंकवादियो द्वारा 12 अप्रैल 1981 में पंजाब में कर दी गई और और मेरी आत्मा उस समय कांप उठी जब दिसंबर 2016 में जिला चिकित्सालय में एक बच्ची को बी निगेटिव ब्लड के अभाव में तड़पते हुए मेरे आंखो के सामने दम तोड दिया और उसी दिन मैंने संकल्प लिया कि अयोध्या जिले में किसी की मौत खून के अभाव में न हो, यही मेरे जीवन का एक मात्र लक्ष्य रहेगा। राम कृष्ण सेवा फाउन्डेशन व मेजर ध्यान चंद खेल उत्थान समिति के बैनर तले 2016 से अभी तक 110 रक्तदान शिविर के माध्यम से अयोध्या जिले में साढ़े पांच हजार मरीजों को ब्लड मुहैया कराया जा चूका है। लंबे समय तक खेल शिक्षकों की मांग को लेकर आंदोलन रत रहे आकाश गुप्त मौजूदा समय में बिहार के सारण जिले में शारीरिक शिक्षक के पद पर कार्यरत है।

और इन्हें वर्ल्ड बुक ऑफ़ रिकार्ड लंदन सहित राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किया जा चूका है।

बिगत सत्र में रक्तदान का विवरण विगत वर्ष रक्तदान का विवरण

अयोध्या में रक्तदान 30 सितम्बर 2022 पटना में रक्तदान 10 जनवरी 2023 , भोपाल में रक्तदान 5 मई 2023 , जयपुर में रक्तदान 26 सितम्बर 2023 , रांची में रक्तदान 15 अक्तूबर 2023 (प्रस्तावित) है।

जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में काजल,अमन, अखिलेश चतुर्वेदी,नेहा ओझा,विनय कुमार व सपना ने मारी बाजी

जिला जज, जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक के हाथों सम्मान पा गदगद हुए प्रतिभागी

अलावल देवरिया (गोंडा)। मंगलवार को मीटिंग हाल जनपद न्यायाधीश में राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जयंती के अवसर पर आयोजित स्वच्छता जागरूकता अभियान के तत्वावधान में निबंध व चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बच्चों द्वारा लिखे गए निबंध व बनाए गए पोस्टर को जनपद स्तरीय टीम द्वारा मूल्यांकन किया गया। जिसमें निबंध प्रतियोगिता में कम्पोजिट विद्यालय सोनबरसा मनकापुर की काजल प्रथम, इसी स्कूल के अमन कुमार द्वितीय व उ0प्रा0विद्यालय रेरूआ की सपना तृतीय स्थान पर रहीं।इसी प्रकार चित्रकला प्रतियोगिता में कम्पोजिट विद्यालय लक्ष्मन पुर जाट के अभिषेक चतुर्वेदी प्रथम, कम्पोजिट विद्यालय रेरूआ की नेहा ओझा द्वितीय व कम्पोजिट विद्यालय सोनबरसा के विनय कुमार तृतीय स्थान पर रहे। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे बच्चों प्रतिभागियों को जनपद न्यायाधीश, जिला अधिकारी, पुलिस अधीक्षक के हाथों बच्चों को सम्मानित किया।साथ ही अव्वल आए बच्चों व उनके मार्गदर्शक शिक्षकों का जनपद न्यायाधीश गोण्डा द्वारा प्रसंशा की गई। इस अवसर पर बृजेन्द्र मणि त्रिपाठी (जनपद न्यायाधीश), नेहा शर्मा (जिला अधिकारी) नितिन श्रीवास्तव (अपर जिला जज), अंकित मित्तल (पुलिस अधीक्षक) राकेश कुमार (जिला विद्यालय निरीक्षक), प्रेम चंद यादव (जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी) हरिगोविंद (जिला समन्वयक (प्रशिक्षण), ऋषि शुक्ला (शिक्षक राजकीय इंटर कालेज)राखा राम गुप्ता (अकादमिक रिसोर्स पर्सन), बलजीत सिंह कनौजिया (शिक्षक क0 वि0 सोनबरसा, मनकापुर) आदि उपस्थित रहे।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने लगाई कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शनी

अंबेडकर नगर। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास एवं सबका प्रयास नामक तीन दिवसीय (10 अक्टूबर से 12 अक्टूबर 2023 तक)प्रदर्शनी सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में लगाई गई। प्रदर्शनी का शुभारंभ माननीय विधान परिषद सदस्य डॉ. हरिओम पांडे, जिलाधिकारी अविनाश सिंह द्वारा मुख्य विकास अधिकारी अनुराज जैन, अपर जिलाधिकारी डॉ. सदानंद गुप्ता, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. मिथिलेश त्रिपाठी, रमाशंकर सिंह, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार द्विवेदी तथा अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों की उपस्थिति में फीता काट कर किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं, उपलब्धियों आदि से संबंधित प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास एवं इरादे नेक काम अनेक शीर्ष के अंतर्गत मुफ्त वैक्सीन, मुफ्त राशन, मुफ्त इलाज, युवाओं को नौकरी, एक्सप्रेसवे, एयरपोर्ट, मिशन रोजगार, ओडीओपी को प्रदर्शनी के माध्यम से दिखाया जा रहा है। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन विधान परिषद सदस्य, जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, पूर्व जिला अध्यक्ष तथा अन्य अधिकारियों/ कर्मचारियों द्वारा किया गया। जिला सूचना अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि यह प्रदर्शनी तीन दिन तक कलेक्ट्रेट परिसर में चलेगी। इसका मुख्य उद्देश्य सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन को हो सके

मेरी माटी मेरा देश के तहत ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ने किया मिट्टी संग्रह

अलावल देवरिया (गोंडा)। झंझरी ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले ग्राम सभा नौबरा में पंचायत भवन परिसर में मेरी माटी मेरे देश के तहत ग्राम प्रधान प्रतिनिधि की अगुवाई में लोगों ने मंगलवार को किया मिट्टी संग्रह। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि केशव राम वर्मा ने बताया कि मंगलवार को पंचायत भवन के परिसर में सत्य राम गुप्ता, पंचायत सहायक दीक्षिका सिंह के भाई विवेक सिंह, रोजगार सेवक दीप नारायण वर्मा, तुलसीराम पासवान, नीलम पांडे, सुनीता पासवान व अन्य ग्रामवासी के साथ मेरी माटी मेरा देश ककार्यक्रम के तहत शोभा यात्रा निकाली गई। उन्होंने बताया कि कलश लेकर मिट्टी संग्रह करने के लिए हांथो में कलश,तिरंगा लेकर भारत माता की जय की गगनभेदी नारो के साथ सड़कों पर घर से मिट्टी देने के लिए लोग निकले। ग्राम प्रधान ने बताया कि कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीयों को अपनी माटी के महत्व जो वीरो के खून से सनी मिट्टी है के महत्व को समझने के लिये प्रेरित करना है।लोगो मे यह भावना जागृत करना है कि भारत मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण है।इसकी एकता अखंडता को अक्षुण्ण रखने के लिए कोई भी कुर्बानी देना हो तो पीछे नही हटेंगे।उन्होंने कहा कि गाव से मिट्टी का संग्रह किया है जो 2 कलश में आकर जमा हुआ है जिसे एक कलश में भरकर ब्लॉक पर भेजा जाएगा।

संगोष्ठी का आयोजन

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा ललित कला विभाग के संयुक्त तत्वावधान में ललित कला का आर्थिक दर्शन विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि, बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के पूर्व कुलपति प्रो0 अशोक कुमार मित्तल ने कहा कि विकास के पटल पर अयोध्या अग्रसर है। पूरा प्रदेश एवं देश नए कीर्तिमान को स्थापित करने की ओर जा रहा है। इसमें ललित कला का विशेष योगदान है। प्रभु श्रीराम का मंदिर निर्माण वास्तुकला एवं मूर्ति कला का अनूठा संगम है

चौकी प्रभारी सोम प्रताप सिंह ने किया वाहन चेकिंग पांच वाहनों का किया ई चालान

त्रिगुट संवाददाता

गोंडा। जनपद के थाना परसपुर के पुलिस चौकी पसका पुलिस ने मंगलवार शाम को वाहन चेकिंग अभियान चलाकर 5 वाहनों का किया ई चालान 6000 वसूले शमन शुल्क। पुलिस चौकी पसका चौकी प्रभारी सोम प्रताप सिंह ने बताया कि चौकी क्षेत्र के पसका पुल पर मंगलवार शाम को वाहन चेकिंग के दौरान 5 वाहनों का ई चालान किया गया। उन्होंने बताया कि वाहन चालकों को सख्त दिशा निर्देश देते हुए बताया गया कि बाइक पर तीन सवारी बैठा कर बाइक न चलाएं और बाइक चलाते समय हेलमेट का प्रयोग करें। बाइक चलाते समय मोबाइल से बात न करें और कान में लीड लगाकर बाइक न चलाएं मोबाइल लीड लगाकर बाइक चलाने से आगे या पीछे से आने वाले वाहनों की आवाज सुनाई नहीं देती है जिससे दुर्घटना की समस्या बनी रहती है। यातायात नियमों का पालन करें सुरक्षित रहें।

इस दौरान चौकी प्रभारी ने वाहन चालकों को जागरुक करते हुए उन्हें सुरक्षा संबंधी जानकारी देते हुए बताया कि सभी लोग यातायात नियमों का पालन करें और खुद सुरक्षित रहें और परिवार के लोग भी सुरक्षित रहें। क्योंकि आपके जरा सी गलती से आपके साथ-साथ आपके परिवार के लोग भी परेशान होंगे। इसीलिए वाहन सावधानी पूर्वक चलाएं और यातायात नियमों का पालन करें।

शारदीय नवरात्रि एवं विजयदशमी को लेकर जिला प्रशासन ने बुलाई समीक्षा बैठक ,अफसर को दिए निर्देश

(सत्य प्रकाश पांडेय)

अंबेडकरनगर। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में शारदीय नवरात्री/विजयादशमी (दशहरा) त्योहार के दृष्टिगत शांति -सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं जन उपयोगी सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। इस वर्ष शारदीय नवरात्रि दुर्गा पूजा का पर्व दिनांक 15 अक्टूबर 2023 को प्रारंभ होगा तथा दिनांक 24 अक्टूबर 2023 को विजयदशमी /दशहरा का पर्व मनाया जाएगा। बैठक के दौरान जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देशित किया कि कोई भी पंडाल विद्युत तार तथा ट्रांसफारमर के नीचे नही लगाया जाए। मूर्ति का विसर्जन नदी के गड्ढा खोदवाकर किया जाए। विसर्जन के मार्गो को तत्काल गड्ढा मुक्त किए जाने हेतु निर्देशित किया गया।नवरात्रि एवं विजयादशमी /दशहरा के शांतिपूर्ण संपादन हेतु संवेदनशील स्थानों पर स्थलों पर समुचित सुरक्षा व्यवस्था तथा विशेष सतर्कता अवश्यक होनी चाहिए ऐसे स्थलों जहां पर अधिक संख्या में लोग एकत्र होते हैं वहां पर विशेष सतर्कता तथा ऐसे स्थानों पर संभावित घटनाओं का पूर्वानुमान लगाया जाना व किसी घटना के घटित होने पर तत्परता से प्रभावी कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। बैठक के दौरान जिलाधिकारी महोदय द्वारा दुर्गा पूजा में लगाए गए अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ जिम्मेदारी का निर्वहन किया जाए इसमें किसी प्रकार की लापरवाही करने वाले अधिकारी पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक के दौरान जिलाधिकारी महोदय द्वारा विद्युत विभाग को निर्देशित किया गया कि विद्युत की ढीली तार को सही कराते हुए टूटे खंभों को बदला जाए।

भारतीय किसान यूनियन की बभनजोत इकाई ने विभिन्न मांगों को लेकर खंड विकास अधिकारी को सौपा मांग पत्र

जनक राम वर्मा

अलावल देवरिया (गोंडा)। भारतीय किसान यूनियन की ब्लॉक बभनजोत इकाई ने अपने विभिन्न भागों को लेकर बभनजोत विकासखंड में बैठक की द्य बैठक में अपनी विभिन्न मांगों को लेकर खंड विकास अधिकारी बभनजोत मांग पत्र सोपा जिसमें विश्वविद्यालय स्थापना को गोंडा जनपद लाया जाए, सड़क के किनारे उगे झाड़ फूस जिसके वजह से आए दिन जानवरों से टकराने से घटित घटना से बचाव के लिए सभी ग्राम के सफाई कर्मियों को साफ कराया जाए, छुट्टा जानवरों को पकड़ कर गौशाला में डलवाया जाए ,केशव नगर ग्राम सभा में पेयजल की टंकी 2010 में बनकर तैयार हुई लेकिन अभी तक सप्लाई चालू नहीं हुई है, केशव नगर ग्रांट में पूर्वी उल्लाहवा गांव में लगभग 2005 में बने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर व नर्स की अभी तक नियुक्त नहीं है शीघ्र व्यवस्था कराई जाए सहित विभिन्न मांग की।

जिलाधिकारी ने मनरेगा कार्यो की समीक्षा की

(सत्य प्रकाश पांडेय)

अंबेडकर नगर-जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में मुख्य विकास अधिकारी अनुराज जैन की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में मनरेगा कार्यो की समीक्षा बैठक आयोजित किया गया। बैठक के दौरान जिलाधिकारी महोदय द्वारा एपीओ तथा टेक्निकल असिस्टेंट से मनरेगा के कार्यों के बारे में बिंदुवार समीक्षा की गई। उन्होंने कच्चे एवं पक्केकार्यों के मानकों का पालन करने के निर्देश दिए। साथ ही साथ गुणवत्तापूर्ण कार्य कराने के निर्देश दिए गए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न की जाय अन्यथा की दशा कड़ी से कड़ी कार्यवाही तय की जाएगी। बैठक के दौरान जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि संबंधित अधिकारी लगातार क्षेत्र में भ्रमण करते रहें। बैठक के दौरान जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार तिवारी, डीसी मनरेगा, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी अनुपम सिंह, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार द्विवेदी, समस्त खंड विकास अधिकारी, समस्त एपीओ, तकनीकी सहायक तथा संबंधित विभाग के अधिकारी/ कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय विज्ञान प्रदर्शनी व मेला का आयोजन

इकौना, (श्रावस्ती)। आचार्य चाणक्य इण्टर कॉलेज महरौली, इकौना में तीन दिवसीय विज्ञान प्रदर्शनी व मेला का आयोजन आभा विकाश संस्थान बस्ती - उत्तर प्रदेश व राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद के तत्वधान में आयोजित किया गया। 08 अक्टूबर से 10 अक्टूबर 2023 को इस अवसर पर प्रदर्शनी में रोचक भरी प्रतियोगिताओ का प्रदर्शन हुआ तथा बच्चों को ज्ञान और विज्ञान की जानकारी दी गयी। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित करके ज्ञान की देवी मां शारदे की वंदना के द्वारा शुरुआत किया गया।

1. कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रधानाचार्य श्री बी पी विश्वकर्मा जी को बैच लगाकर माल्यार्पण, अंग वस्त्र, स्मृति चिन्ह तथा प्रसस्ति पत्र द्वारा सम्मानित किया गया। सर ने सभी विद्यार्थियों को महान वैज्ञानिक श्रीनिवास रामानुजन ,विक्रम साराभाई के योगदान के बारे में जानकारी दी। इन्होंने बताया कि किस तरह से हमारे देश के महान वैज्ञानिकों ने कठिन परिश्रम के बाद सफलता प्राप्त की और किस तरह से अपना जीवन देश के प्रति समर्पित कर दिया। इन्होंने बच्चों अपने जीवन मे जीवन संभव नहीं है जो कुछ भी है सब विज्ञान की देन है।

2. मुख्य अतिथि श्री जितेन्द्र कुमार शुक्ला जी को माल्यार्पण, अंग वस्त्र, स्मृति चिन्ह तथा प्रसस्ति पत्र द्वारा सम्मानित किया गया। सर ने सभी विद्यार्थियों को महान वैज्ञानिक श्रीनिवास रामानुजन ,विक्रम साराभाई के योगदान के बारे में जानकारी दी। इन्होंने बताया कि किस तरह से हमारे देश के महान वैज्ञानिकों ने कठिन परिश्रम के बाद सफलता प्राप्त की और किस तरह से अपना जीवन देश के प्रति समर्पित कर दिया। इन्होंने बच्चों अपने जीवन मे निरंतर आगे बढ़ते रहने के लिए प्रेरित किया।

3. विशिष्ठ अध्यक्ष श्री गुरुदेव पाठक जी का अंग वस्त्र स्मृति चिन्ह से स्वागत किया गया। इन्होंने बच्चों के लिए प्रोत्साहित भाषण दिया। इनके द्वारा हमारे महान वैज्ञानिकों जैसे सर सी बी रमन , ए पी जे अब्दुल कलाम आदि के योगदान के बारे में और उनके द्वारा किए गए आविष्कारों के बारे मे बच्चों को जानकारी प्रदान की गयी।

विद्यालय के अध्यापक दिवाकर मिश्र जी ने सभी विद्यार्थियों को बताया कि आप सभी लोगों को रोगों से बचाव करने के लिए नियमित रूप से साफ सफ़ाई का ध्यान रखना चाहिए। सर ने बताया कि किस तरह से हमारे वैज्ञानिकों ने हवाई जहाज, बल्ब, भाप इंजन आदि का अविष्कार किया और विज्ञान के द्वारा हमारे समाज को अपना विशेष योगदान दिया।

इस कार्यक्रम के दौरान बच्चों को विज्ञान के कुछ प्रयोगों के बारे में बताया गया। इस कार्यक्रम में सभी बच्चों ने वैरोमीटर, टेलीस्कोप, दूरवीन, चुम्बकीय पथ, पेरिस्कोप, पेंडुलम इत्यादि मॉडल का अवलोकन किया। इस कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के सभी अध्यापक और अध्यापिकाएं उपस्थित रहीं । सभी का स्वागत बैच लगाकर, प्रशस्ति पत्र द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिया, मॉडल प्रतियोगिता तथा कला एवम् पेंटिंग प्रतियोगिता करायी गई इन प्रतियोगिताओं में जिन बच्चों से प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया उन सभी बच्चों को इस कार्यक्रम के दौरान पुरस्कृत किया गया। पूरा कार्यक्रम सतीश कुमार जी की देखरेख में संपन्न हुआ।

RNI No. 46071/85
स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक टी.रजा रिज़वी ने विकास प्रिन्टिंग प्रेस, मालवीयनगर, गोण्डा से मुद्रण करवाकर 568, मालवीयनगर गोण्डा (उ0प्र0) 271001 से प्रकाशित किया।
गोण्डा कार्यालय
फोन/फैक्स-05262-230683
मो0- 09415120085
लखनऊ कार्यालय-
फोन- 0522-4028445
मो0- 09415249085
:- E-mail :-
trigutdainik@gmail.com